कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 16.03.2019

प्रेस विज्ञप्ति

गर्ल्स कॉलेज में वाद–संवाद
छत्तीसगढ़ी गद्य साहित्य का समृद्ध इतिहास है : डॉ. कल्पना मिश्रा

शासकीय डॉ. वा. वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग के स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग द्वारा वाद–संवाद श्रृंखला के अंतर्गत छत्तीसगढ़ी गद्य साहित्य के इतिहास पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया।

शासकीय दू.ब. कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय रायपुर की प्राध्यापक और साहित्यकार डॉ. कल्पना मिश्रा मुख्य वक्ता थी।

डॉ. मिश्रा ने छत्तीसगढ़ी गद्य साहित्य के इतिहास का विस्तार से विवेचन किया। उन्होनें बताया कि छत्तीसगढ़ी गद्य का प्राचीनतम रूप 'दंतेवाड़ा के शिलालेख' में मिलता है। श्रीराम की कथा, ढोला की कहानी और चंदैनी की कहानी से गद्य की साहित्य यात्रा शुरू हुई। पालेश्वर प्रसाद शर्मा, पं. श्यामलालाल चतुर्वेदी, खूबचंद बघेल, हबीब तनवीर आदि की सशक्त परम्परा ने छत्तीसगढ़ी गद्य साहित्य का समुचित विकास किया। जीवनी, अनुवाद, प्रहसन, एकांकी, नाटक, संस्मरण के साथ ही छत्तीसगढ़ी गद्य साहित्य पत्र–पत्रिकाओं के माध्यम से समृद्ध रहा है।

'सतवंतिन सुकवारा, आंसू म फिले अचरा' आदि कहानियों के उदाहरण के माध्यम से उन्होनें छत्तीसगढ़ी भाषा की मधुरता, वचनवक्रता एवं चुटिलेपन तथा लोक के मुहावरे में सम्पृक्तता को रेखांकित किया। इस अवसर पर एम.ए. द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर की छात्राओं ने विभिन्न विषयों पर पॉवर प्वाइंट प्रस्तुति दी।

प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने छात्राओं को स्तरीय प्रस्तुति पर उन्हें बधाई देते हुए कहा कि खुद से स्लाईड्स तैयार कर मंच पर प्रस्तुति देने से आत्मविश्वास मिलता है जो कि भविष्य में रचनात्मक तथा शैक्षणिक गतिविधियों में बहुत काम आता है।

विभागाध्यक्ष डॉ. यशेश्वरी ध्रुव ने अतिथि व्याख्यान की महत्ता बताई और विषय का प्रतिपादन किया। श्रीमती ज्योति भरणे ने हिन्दी विभाग की सत्रीय गतिविधियों एवं उपलब्धियों पर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

उल्लेखनीय अकादमिक गतिविधियों के लिये विभाग द्वारा डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी का सम्मान किया गया एवं सत्र 2018 में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त छात्राओं पूनम, वर्षा को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी ने किया।

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

(डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 08.03.2019

प्रेस विज्ञप्ति

गर्ल्स कॉलेज में महिला दिवस मना

बेहतर संतुलन जीवन का आधार है।

शासकीय डॉ. वा. वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में वूमेन सेल के तत्वाधान में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

वूमेन सेल की संयोजक डॉ. मीनाक्षी अग्रवाल ने अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के शुरूआत की चर्चा करते हुए सशक्तिकरण पर अपने विचार रखें। उन्होनें इस दिवस को मनाने के उद्‌देश्यों पर प्रकाश डालते हुए इस वर्ष की थीम 'बेहतर संतुलन' की व्याख्या की।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने भी कहा कि बेहतर संतुलन ही जीवन की सफलता का मुख्य आधार है। कर्मक्षेत्र में संतुलन और व्यवहार काफी प्रभावशील होता है।

डॉ. अमिता सहगल ने कहा कि विश्वभर में महिलाओं के सम्मान की रक्षा करने और उनके अधिकारों के प्रति जागरूक रखने के उद्‌देश्य से मनाया जाना वाला आज का दिन तभी सार्थक है जब हम अपने कर्तव्यों के प्रति न्याय करते हैं।

वाणिज्य संकाय के अध्यक्ष डॉ. अनिल जैन ने कविता के माध्यम से महिलाओं के गृहकार्य एवं कार्यस्थल की परेशानियों का जिक्र किया।

क्रीड़ा अधिकारी डॉ. ऋतु दुबे ने नारी मन की मनुहार कविता के द्वारा सशक्त नारी की तस्वीर प्रस्तुत की जिसकी सभी ने सराहना की।

डॉ. मुक्ता बाखला ने गीत प्रस्तुत किया तो नृत्य विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. ऋचा ठाकुर ने कॉमनवेल्थ गेम में महिलाओं की उपलब्धियों व महिलाओं की जागरूक भूमिका की चर्चा की साथ ही उन्होनें "तुम्हारी उड़ान मेरी शान" कविता प्रस्तुत की।

डॉ. बबीता दुबे ने हिन्दी गीत और डॉ. ज्योति भरणे की मराठी कविता "मी आई आहे" ने खूब तालियाँ बटोरी। डॉ. मोनिया राकेश ने कामकाजी महिलाओं की पीड़ा को व्यक्त किया। छात्रसंघ अध्यक्ष कु. तब्बसुम एवं सचिव कु. आनंदिता विश्वास तथा ऋतु पाण्डेय ने भी बेहतर प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. रेशमा लाकेश ने किया। आभार प्रदर्शन डॉ. शशि कश्यप ने किया।

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

PRINCIPAL
Govt Dr. [illegible] Patankar
Girl's PG. College, [illegible]

(डॉ० सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य

दैनिक भास्कर

भिलाई-रायपुर, शुक्रवार 08 मार्च, 2019 | 21

राष्ट्रीय युवा संसद में दुर्ग जिले के मेहुल और रूचि ने किया छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व

सिटी रिपोर्टर | भिलाई

दिल्ली में आयोजित हुई राष्ट्रीय युवा संसद में दुर्ग जिले से मेहुल शर्मा और रूचि शर्मा शामिल हुए। सेंट थॉमस महाविद्यालय का छात्र मेहुल शर्मा ने राष्ट्रीय युवा संसद मे वक्ता के रूप मे छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व किया।

वहीं गर्ल्स कॉलेज दुर्ग की जेंडर चैम्पियन और पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष रूचि शर्मा युवा संसद में सहभागिता देते हुए विभिन्न सामयिक विषयों पर अपने विचार रखे। रूचि शर्मा ने बताया कि जिला एवं राज्य स्तरीय चयन स्पर्धा में ज्वलंत विषयों पर चर्चा की गयी थी।

दुर्ग जिले से गर्ल्स कॉलेज की रूचि शर्मा व मेहुल शर्मा भी हुए शामिल।

54 हजार विद्यार्थियों में 56 वक्ताओं ने बनाई जगह

राष्ट्रीय युवा संसद का समापन भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उद्बोधन से हुआ। इस युवा संसद में देशभर से 54000 विद्यार्थी शामिल हुए थे। जिसमें कुल 56 वक्ताओं ने अपनी जगह बनाई। सेंट थॉमस कॉलेज के प्रशासक फादर गी वर्गीस रमबान, प्राचार्य डॉ एमजी रोईमोन ने बधाई दी। वहीं गर्ल्स कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुशील चंद्र तिवारी समेत सभी महाविद्यालय परिवार ने बधाई दी है।

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

दैनिक भास्कर

भिलाई-रायपुर, शुक्रवार 1 मार्च, 2019

पैरेंट्स को बताया-छात्र कहां पर करते है गलती, सुधारने का तरीका भी बताया

गर्ल्स कॉलेज में शिक्षक-अभिभावक बैठक में अभिभावकों ने दिए सुझाव

सिटी रिपोर्टर | भिलाई

शासकीय डॉ. वावा पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय (गर्ल्स कॉलेज) दुर्ग में शिक्षक-अभिभावक बैठक का आयोजन किया गया। इसमें सभी पैरेंट्स को कॉलेज में छात्राओं को दी जाने वाली सुविधा और उनके बच्चों की शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी दी गई। वहीं क्वालिटी एजुकेशन के लिए भी पैरेंट्स और टीचर्स के बीच संवाद हुआ।

कला संकाय के अभिभावकों ने इस बैठक में अंग्रेजी विषय को लेकर चर्चा। और विद्यार्थियों को इस विषय में होने वाली कठिनाइयों व विषय में कमजोरी को बताया। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने इस पर पैरेंट्स को कहा कि अंग्रेजी भाषा की विशेष कक्षाएं लगाई गई है। वहीं आंतरिक मूल्यांकन के द्वारा विद्यार्थियों को उनकी गल्तियों को बताया गया, जिससे उन्हें सुधारने का अवसर मिला है। मौके पर डॉ. ऊषा चंदेल, डॉ. अनुजा चैहान, डॉ. बबीता दुबे, डॉ. यशश्वरी ध्रुव, ज्योति भरणे ने अभिभावकों के साथ चर्चा की और विभिन्न विषयों पर जानकारी दी। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुशील चंद्र तिवारी ने पैरेंट्स को जानकारी दी गई कॉलेज में छात्राओं को हर सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। वहीं पढ़ाई आसान करने भी नवाचार किया जाता रहा है।

गर्ल्स कॉलेज दुर्ग में पैरेंट्स टीचर्स मीटिंग में शामिल हुए अभिभावक।

लाइब्रेरी में उपलब्ध कराई अंग्रेजी की किताब

विज्ञान संकाय छात्राओं के अभिभावकों ने पुस्तकालय में सुविधाएं बढ़ाने और संदर्भ ग्रंथों को इश्यू करने की बात की। इस पर प्राचार्य ने बताया कि पुस्तकालय में अंग्रेजी माध्यम की पुस्तकें उपलब्ध करा दी गई है। संदर्भ ग्रंथों को पुस्तकालय में बैठकर नोट्स तैयार करने की सुविधा दी गयी है। फोटोकापी की भी सुविधा उपलब्ध करायी गयी है जिसका लाभ छात्राएं ले सकती है।

कांपिटिटव एग्जाम की तैयारी के लिए भी वर्कशाप

रोजगार के संबंध में भी अभिभावकों ने चर्चा की। जिस पर उन्हें बताया गया कि कैंपस इंटरव्यू के लिए भी विशेषज्ञों द्वारा कार्यशाला आयोजित की गयी है। जिससे छात्राओं का विभिन्न कंपनियों में चयन भी हुआ है। विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं - लोकसेवा आयोग, बैंक, व्यापम आदि की तैयारी के लिये समय-समय पर विषय-विशेषज्ञों तथा कार्यशाला आयोजित की जाती है।

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girls PG. College, Durg (C.G.)

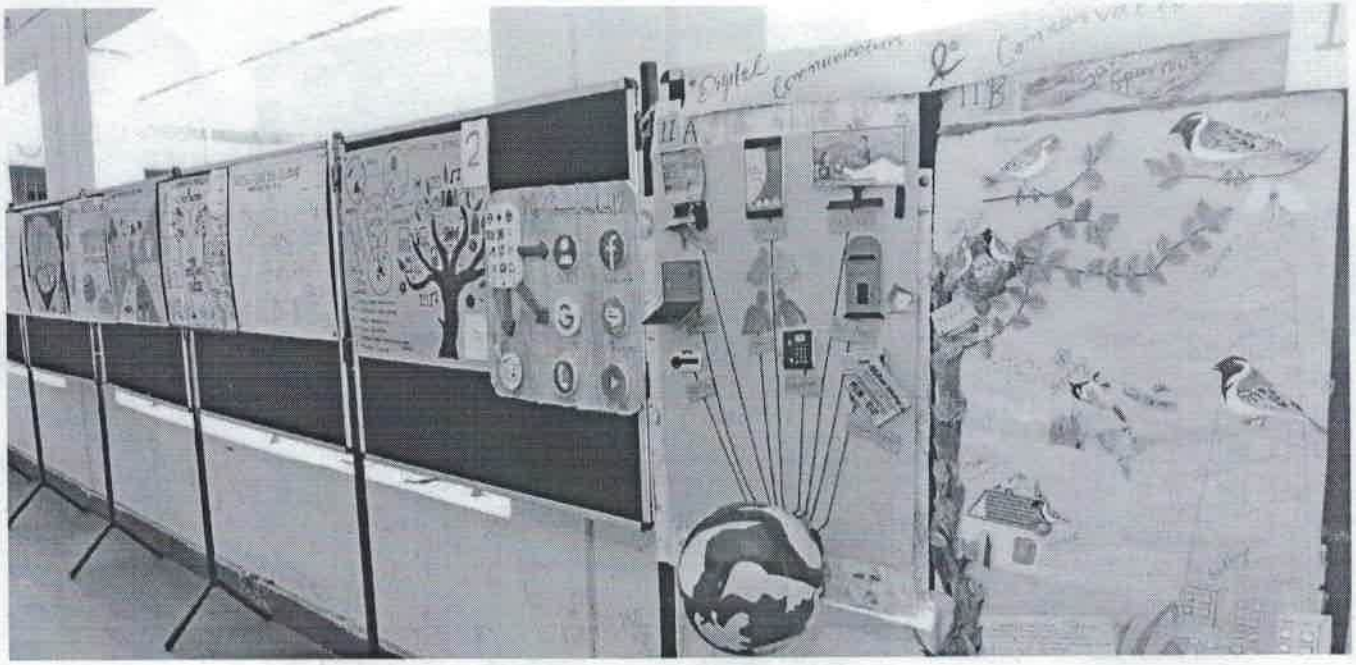

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

गर्ल्स कॉलेज में विज्ञान दिवस मना

'विज्ञान संवाद सबके लिए महत्वपूर्ण' है।

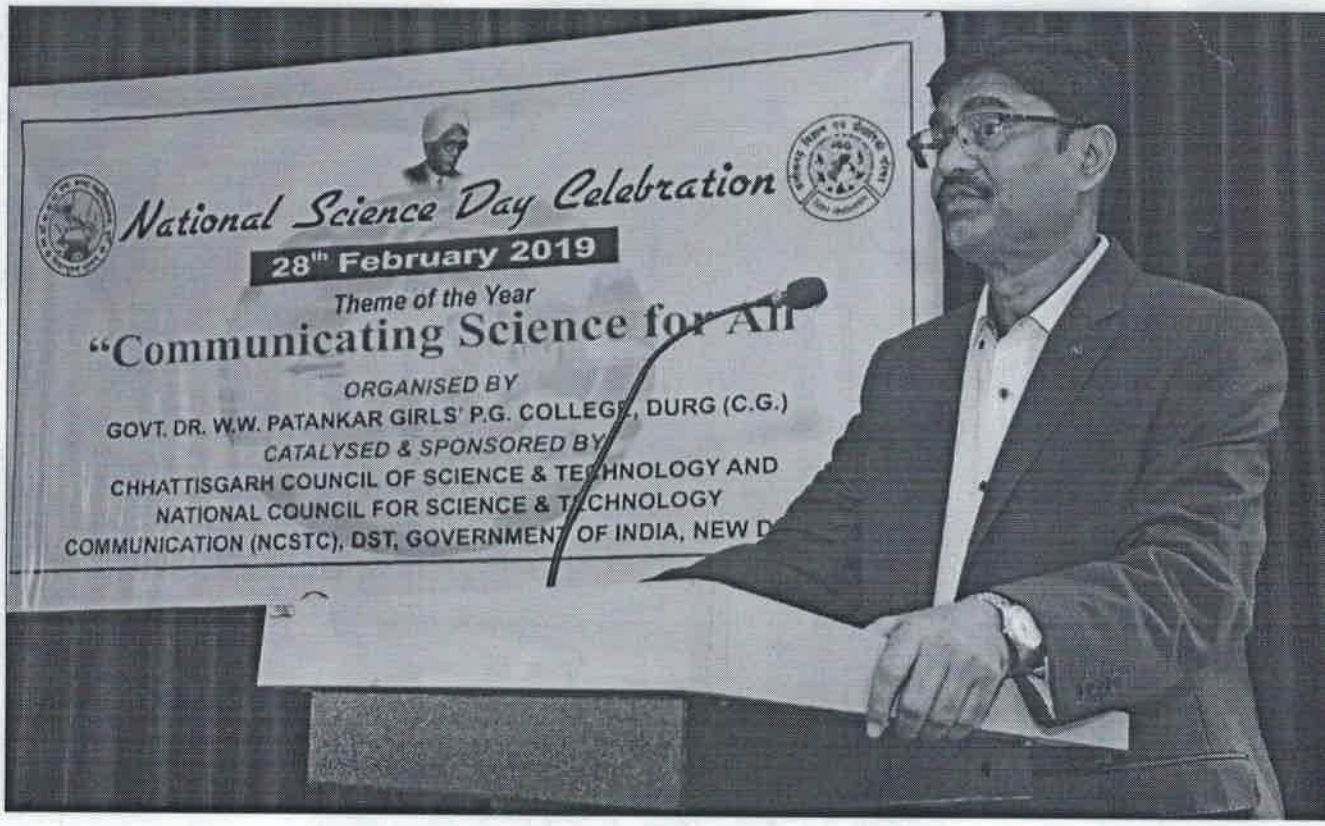

PRINCIPAL
Govt Dr WW. Patankar
Girl's PG College, Durg (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 28.02.2019

प्रेस विज्ञप्ति

गर्ल्स कॉलेज में विज्ञान दिवस मना

'विज्ञान संवाद सबके लिए महत्वपूर्ण' है।

शासकीय डॉ. वा. वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर विभिन्न आयोजन किए गए।

छत्तीसगढ़ कौंसिल ऑफ साईंस एण्ड टेक्नालॉजी के तत्वाधान में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं प्रेरक व्याख्यानों का लाभ छात्राओं ने उत्साहपूर्वक उठाया।

विज्ञान संकाय प्रभारी एवं आयोजन सचिव डॉ. मीरा गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह के मुख्य अतिथि एस.एम. मोहता महाविद्यालय नागपुर के ख्याति प्राप्त प्राध्यापक डॉ. जितेन्द्र रामटेके थे। विशिष्ट अतिथि डॉ. रूबीदास, बी.आई.टी. तथा प्रोफेसर सुरेश पटेल थे।

डॉ. रामटेके ने अपने मुख्य वक्तव्य में कहा कि संचार क्रांति ने विज्ञान के प्रचार–प्रसार में महती भूमिका निभायी है। संदेशों का संचार हो या जानकारी का पलक झपकते ही लंबी दूरी तक पहुँच जाते है। वैज्ञानिक क्रांति की जानकारी आमजन तक पहुँचे और इस विज्ञान के जरिए हम अंधविश्वास और रूढ़ीवादिता को खत्म कर सके तो प्रयास सार्थक होगा।

कार्यक्रम के अध्यक्ष महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने विज्ञान संवाद को हर के लिए महत्वपूर्ण और उपयोगी बताया। उन्होनें कहा कि सूचनातंत्र के विभिन्न माध्यमों के जरिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण का प्रचार–प्रसार जन सामान्य तक हो रहा है। नई तकनीक से वैज्ञानिक साक्षरता को बढ़ावा मिला है। शिक्षा, स्वास्थ्य के क्षेत्र में हम सूचना तंत्र का बेहतर इस्तेमाल कर रहे है और इसके अच्छे परिणाम मिले है।

बी.आई.टी की प्राध्यापक डॉ. रूबी दास ने भी अपने संबोधन में विज्ञान के प्रचार–प्रसार एवं संचरण प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा की। भौतिकशास्त्र के उल्लेखनीय योगदान और नई तकनीक के प्रयोग को इसके लिए मील का पत्थर बताया।

भौतिकशास्त्र के प्राध्यापक सुरेश पटेल ने छत्तीसगढ़ कौंसिल फॉर साईंस एण्ड टेक्नालॉजी की महत्वपूर्ण भूमिका की चर्चा करते हुए कहा कि प्रदेश में विज्ञान के क्षेत्र में शोधकार्यों को कौंसिल द्वारा प्रोत्साहन दिया जा रहा है जो कि प्रसंशनीय है।

आयोजन सचिव डॉ. मीरा गुप्ता ने विभिन्न आयोजन की प्रतिवेदन प्रस्तुत किया और छोटी–छोटी प्रेरक बातों के जरिए विषयवस्तु को रोचक ढंग से समझाया।

पावर पाईंट प्रजेन्टेशन प्रतियोगिता में एमएससी द्वितीय सेमेस्टर की कु. चारू साहू ने प्रथम स्थान प्राप्त किया जबकि कु. मनीषा एवं फरहीन जहां ने संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान पर रही।

पोस्टर प्रस्तुति प्रतियोगिता में छात्राओं ने विज्ञान संवाद के विभिन्न क्षेत्रों को बखूबी से प्रस्तुत किया था। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर एम.एससी प्राणीशास्त्र की कु. भगवती ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कु. पुष्पांजली निर्मलकर एवं संध्या वर्मा को द्वितीय स्थान मिला।

इस अवसर पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता में हिन्दी में 38 और अंग्रेजी में 11 निबंध प्रस्तुत किए गए। हिन्दी निबंध में प्रथम कु. राजकुमारी पटेल एम.एससी वनस्पतिशास्त्र, द्वितीय स्थान पर पीजीडीसीए की सोहद्रा देशमुख तथा तृतीय स्थान पर एम.एससी वनस्पतिशास्त्र की कु. ममता वर्मा रही। अंग्रेजी माध्यम की स्पर्धा में एम.एससी गणित की कु. लावंजिका साहू ने प्रथम स्थान तथा कु. शुभांगी मिश्रा और कु. रूपाली तिवारी ने क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया।

विज्ञान क्विज स्पर्धा में सौ से अधिक छात्राओं ने भाग लिया। जिनमें से ओपन सलेक्शन राउंड के जरिए 24 छात्राओं का चयन कर छह टीमें बनाई गयी थी। क्विज स्पर्धा में विज्ञान से संबंधित चित्र, स्थल, वनवर्ड आंसर, मल्टीपल च्वाईस आंसर राउंड रखे गये थे।

प्रथम स्थान पर टीम ए से कु. वामिनी साहू, कु. प्रिया देवांगन, कु. तब्बसुम, कु. मोनिका रही। जबकि द्वितीय स्थान पर बी टीम से कु. प्रियंका, कु. दीपशिखा, कु. कल्याणी, कु. मधु पटेल रही। सभी प्रतियोगिताओं में प्रथम पुरस्कार 1000 रूपये नगद एवं द्वितीय पुरस्कार 700 रूपये नगद तथा प्रमाणपत्र दिए गए।

सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिए गए। प्रतियोगिताओं का संचालन डॉ. सुनीता गुप्ता, डॉ. निसरीन हुसैन, डॉ. ऊषा चंदेल, डॉ. अनुजा चौहान, डॉ. सीमा गुप्ता, डॉ. अरविन्द साहू ने किया।

मुख्य अतिथि डॉ. जितेन्द्र रामटेके ने विजयी छात्राओं को पुरस्कार प्रदान किए। विज्ञान दिवस समारोह दो सत्रों में संपन्न हुआ। द्वितीय सत्र में विभिन्न विषयों पर छात्राओं ने अपने विचार रखे तथा विज्ञान की भूमिका को गैरवैज्ञानिकों तक पहुँचाने के माध्यमों की चर्चा की।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. सीमा गुप्ता ने किया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. मीरा गुप्ता ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं छात्रायें बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

PRINCIPAL
Govt Dr W.W. Patankar
Girls PG. College, Durg (C.G.)

(डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 26.02.2019

प्रेस विज्ञप्ति

छात्राओं ने किया अमरकंटक का शैक्षणिक भ्रमण

शासकीय डॉ. वा. वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग के स्नातकोत्तर समाजशास्त्र एवं हिन्दी विभाग के तत्वाधान में छात्राओं को तीन दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण के लिए अमरकंटक ले जाया गया।

छात्राओं ने अमरकंटक के प्राकृतिक सौन्दर्य का आनंद लिया। वहीं साहित्यिक रचनाओं तथा सामाजिक जनजीवन पर परियोजना कार्य भी किया। प्रभारी प्राध्यापक डॉ. यशेश्वरी ध्रुव ने बताया कि छात्राओं ने अमरकंटक क्षेत्र के विभिन्न स्थलों का भ्रमण किया। जिसमें मुख्य रूप से कपिलधारा, दूधधारा, निर्माणाधीन जैन मंदिर, अम्लेश्वर महादेव, माई की बगिया रही।

नर्मदा नदी के उद्गम स्थल का अदभूत् नजारा भी देखा। वहीं सोनभद्र (सोन नदी) के उद्गम स्थल को समीप से देखनें का अवसर मिला। छात्राओं ने इस अवसर पर हिन्दी साहित्य में कविताओं में प्राकृतिक सौन्दर्य पर चर्चा की। समाजशास्त्र की छात्राओं ने अंचल की जीवनशैली तथा सामाजिक व्यवस्था पर परियोजना कार्य किया।

इस शैक्षणिक भ्रमण में 25 छात्रायें शामिल थी। महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. यशेश्वरी ध्रुव, श्रीमती ज्योति भरणे, श्री दिनेश गायकवाड़, श्री विमल यादव के कुशल मार्गदर्शन में शैक्षणिक भ्रमण सफल रहा।

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girls PG. College, Durg (C.G.)

(डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी)

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 22.02.2019

प्रेस विज्ञप्ति

गर्ल्स कॉलेज में व्याख्यान

डाटाबेस दैनिक जीवन में उपयोगी है : डॉ. सिंह

शासकीय डॉ. वा. वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग के कम्प्यूटर साईंस विभाग द्वारा पीजीडीसीए के विद्यार्थियों के लिये अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता रूंगटा कॉलेज के कम्प्यूटर साईंस विभाग के प्राध्यापक डॉ. संतोष कुमार सिंह थे। उन्होनें 'डाटा बेस कनेक्टीविटी' पर सारगर्भित व्याख्यान दिया। डाटा बेस की चर्चा करते हुए उन्होनें इसके अर्थ, उपयोगिता एवं लाभ के बारे में विस्तारपूर्वक समझाया। उन्होनें बताया कि डाटा बेस की उपयोगिता दैनिक जीवन में महत्वपूर्ण है। जैसे दो अलग–अलग सॉफ्टवेयर को आपस में जोड़कर नया एप्लीकेशन का विकास कर सकते है।

एटीएम का उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे दूसरे बैंक के एटीएम का उपयोग किसी अन्य बैंक के एटीएम में किया जाता है। टेलीफोन कम्पनी द्वारा रोमिंग की सुविधा भी हमें इसी डाटा बेस कनेक्टीविटी के कारण मिलती है। इसकी विधियों पर भी उन्होनें प्रकाश डाला। उन्होनें यह भी बताया कि किसी भी कार्य को विजुअल बेसिक 6.0 एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर की सहायता से कम्प्यूटराइज्ड किया जा सकता है। हाथ से बने आंकड़ों को रजिस्टर में ढूंढने पर कठिनाई होती है उसे कम्प्यूटर में इसकी सहायता से आसानी से ढूंढ सकते है।

प्रोजेक्ट कार्य हेतु छात्राओं को मार्गदर्शन दिया तथा इसके प्रायोगिक महत्व को उदाहरण सहित समझाया। कम्प्यूटर साईंस विभाग की प्राध्यापक नीकू साहू ने संचालन किया एवं मीनाक्षी सिंह ने आभार प्रदर्शन किया। इस अवसर पर प्राध्यापक एवं छात्रायें उपस्थित थे।

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girls PG. College, Durg (C.G.)

(डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी)

शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

गर्ल्स कॉलेज में वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह

समय प्रबंधन से मिलती है मंजिल – डॉ. लक्ष्मी ध्रुव

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girls PG. College, Durg (C.G.)

नवभारत

दुर्ग गर्ल्स कॉलेज में वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह

समय प्रबंधन से मिलती है मंजिल - डॉ. लक्ष्मी

कन्या महाविद्यालय में पुरस्कार वितरण समारोह पर छात्राओं को संबोधित करतीं मुख्य अतिथि

दुर्ग. शासकीय डॉ. वा. वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय के वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि विधायक डॉ. लक्ष्मी ध्रुव ने छात्राओं को आव्हान किया कि नारी शक्ति जब सशक्त, संगठित और जागरूक होगी तब हमारा देश विश्व में सर्वशक्तिमान होगा. उन्होनें कहा कि समय का प्रबंधन सही हो तो हमारी सफलता निश्चित होगी. नारी सशक्तिकरण और आधी-आबादी के विकास की चर्चा करते हुए उन्होनें शिक्षकीय जीवन से राजनीति में प्रवेश के संस्मरण बताए, उन्होंने लक्ष्य के निर्धारण को महत्वपूर्ण बताया.

समारोह में महाविद्यालय परिवार की ओर से डॉ. लक्ष्मी ध्रुव का शॉल और श्रीफल से सम्मान किया गया. कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि अंतर्राष्ट्रीय बॉस्केट बॉल खिलाड़ी तथा उपपुलिस अधीक्षक श्रीमती अनामिका जैन थी. श्रीमती जैन महाविद्यालय की पूर्व छात्रा है. उन्होंने छात्राओं से कहा कि खेल के साथ-साथ अध्ययन भी उतनी ही लगन से होना चाहिए, क्रीड़ा और पढ़ाई में संतुलन जरूरी है. उन्होंने सोशल मीडिया के कारण समय के व्यर्थ जाने पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हम समय सारणी बनाये जिसमें मोबाईल के उपयोग के लिए भी समय निश्चित करें.

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि हमारी दोनों प्रतिभाशाली अतिथि छात्राओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत है. दोनों ने ही मेहनत व ईमानदारी से लक्ष्य के प्रति समर्पण से सफलता पायी है. क्रीड़ा के क्षेत्र में महाविद्यालय की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए क्रीड़ाधिकारी डॉ. ऋतु दुबे ने महाविद्यालय की 30 प्रतिभाशाली खिलाड़ी छात्राओं को मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कार दिलाये. जिला स्तरीय अंतमहाविद्यालयीन 5 खेलों में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली महाविद्यालय की टीम को पुरस्कार प्रदान किये.समारोह में महाविद्यालय की दिवंगत छात्रा गरिमा सक्सेना के अभिभावक विनय सक्सेना भी उपस्थित थे. उन्होंने अपनी पुत्री की स्मृति में नृत्य स्पर्धा के प्रतिभागियों को पुरस्कार दिया. पुरस्कार वितरण समारोह में क्रीड़ा, सांस्कृतिक, साहित्यिक प्रतिस्पर्धाओं में विशिष्ट प्रतिभाशाली छात्राओं को पुरस्कृत किया गया. पुलवामा में शहीद हुए नौजवानों को मौन श्रद्धांजलि भी अर्पित की गयी. कार्यक्रम का संचालन डॉ. ऋतु दुबे एवं डॉ. ऋचा ठाकुर ने किया.

क संगठनों, राजनीतिक, शैक्षणिक संस्थाओं ने दी श्रद्धांजलि

नईदुनिया

समय का प्रबंधन सही हो तो हमारी सफलता निश्चित

गर्ल्स कॉलेज में वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह

दुर्ग (वि.)। पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग के वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह में महाविद्यालय की प्रतिभाओं को पुरस्कृत किया गया। महाविद्यालय की 30 प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि विधायक डॉ. लक्ष्मी ध्रुव थीं। उन्होंने छात्राओं को आव्हान किया कि नारी शक्ति जब सशक्त, संगठित और जागरूक होगी तब हमारा देश विश्व में सर्वशक्तिमान होगा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि समय का प्रबंधन सही हो तो हमारी सफलता निश्चित होगी। नारी सशक्तिकरण और आधी-आबादी के विकास की चर्चा करते हुए उन्होंने शिक्षकीय जीवन से राजनीति में प्रवेश के संस्मरण बताए। उन्होंने लक्ष्य के निर्धारण को महत्वपूर्ण बताया। समारोह में महाविद्यालय परिवार की ओर से डॉ.लक्ष्मी ध्रुव का सम्मान किया गया। विशिष्ट अतिथि अंतरराष्ट्रीय बॉस्केट बॉल खिलाड़ी तथा उपपुलिस अधीक्षक अनामिका जैन थीं।

शनिवार को गर्ल्स कॉलेज दुर्ग में आयोजित समारोह में अतिथियों का किया गया सम्मान।

30 खिलाड़ियों का सम्मान

क्रीड़ा के क्षेत्र में महाविद्यालय की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए क्रीड़ाधिकारी डॉ. ऋतु दुबे ने महाविद्यालय की 30 प्रतिभाशाली खिलाड़ी छात्राओं को मुख्य अतिथि के द्वारा पुरस्कार दिलाये। जिला स्तरीय अंतरहाविद्यालयीन पांच खेलों में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली महाविद्यालय की टीम को पुरस्कार प्रदान किये। समारोह में महाविद्यालय की दिवंगत छात्रा गरिमा सक्सेना के अभिभावक विनय सक्सेना भी उपस्थित थे। उन्होंने अपनी पुत्री की स्मृति में नृत्य स्पर्धा के प्रतिभागियों को पुरस्कार दिया। पुरस्कार वितरण समारोह में क्रीड़ा, सांस्कृतिक, साहित्यिक प्रतिस्पर्धाओं में विशिष्ट प्रतिभाशाली छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। पुलवामा में शहीद हुए नौजवानों को मौन श्रद्धांजलि भी अर्पित की गयी। कार्यक्रम का संचालन डॉ.ऋतु दुबे एवं डॉ.ऋचा ठाकुर ने किया।

PRINCIPAL
Govt Dr. W.W. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 16.02.2019

प्रेस विज्ञप्ति

गर्ल्स कॉलेज में वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह

समय प्रबंधन से मिलती है मंजिल – डॉ. लक्ष्मी ध्रुव

शासकीय डॉ. वा. वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग के वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि विधायक डॉ. लक्ष्मी ध्रुव ने छात्राओं को आव्हान किया कि नारी शक्ति जब सशक्त, संगठित और जागरूक होगी तब हमारा देश विश्व में सर्वशक्तिमान होगा। उन्होनें कहा कि समय का प्रबंधन सही हो तो हमारी सफलता निश्चित होगी।

नारी सशक्तिकरण और आधी–आबादी के विकास की चर्चा करते हुए उन्होनें शिक्षकीय जीवन से राजनीति में प्रवेश के संस्मरण बताए। उन्होनें लक्ष्य के निर्धारण को महत्वपूर्ण बताया।

समारोह में महाविद्यालय परिवार की ओर से डॉ. लक्ष्मी ध्रुव का शॉल और श्रीफल से सम्मान किया गया। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि अंतर्राष्ट्रीय बॉस्केट बॉल खिलाड़ी तथा उपपुलिस अधीक्षक श्रीमती अनामिका जैन थी। श्रीमती जैन महाविद्यालय की पूर्व छात्रा है। उन्होनें छात्राओं से कहा कि खेल के साथ–साथ अध्ययन भी उतनी ही लगन से होना चाहिए। क्रीड़ा और पढ़ाई में संतुलन जरूरी है। उन्होनें सोशल मीडिया के कारण समय के व्यर्थ जाने पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हम समय सारणी बनाये जिसमें मोबाईल के उपयोग के लिए भी समय निश्चित करें।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने इस अवसर पर कहा कि हमारी दोनों प्रतिभाशाली अतिथि छात्राओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत है। दोनों ने ही मेहनत व ईमानदारी से लक्ष्य के प्रति समर्पण से सफलता पायी है।

क्रीड़ा के क्षेत्र में महाविद्यालय की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए क्रीड़ाधिकारी डॉ. ऋतु दुबे ने महाविद्यालय की 30 प्रतिभाशाली खिलाड़ी छात्राओं को मुख्य अतिथि के द्वारा पुरस्कार दिलाये। जिला स्तरीय अंतर्महाविद्यालयीन 05 खेलों में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली महाविद्यालय की टीम को पुरस्कार प्रदान किये।

समारोह में महाविद्यालय की दिवंगत छात्रा गरिमा सक्सेना के अभिभावक श्री विनय सक्सेना भी उपस्थित थे। उन्होनें अपनी पुत्री की स्मृति में नृत्य स्पर्धा के प्रतिभागियों को पुरस्कार दिया। पुरस्कार वितरण समारोह में क्रीड़ा, सांस्कृतिक, साहित्यिक प्रतिस्पर्धाओं में विशिष्ट प्रतिभाशाली छात्राओं को पुरस्कृत किया गया।

पुलवामा में शहीद हुए नौजवानों को मौन श्रद्धांजली भी अर्पित की गयी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ऋतु दुबे एवं डॉ. ऋचा ठाकुर ने किया।

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

PRINCIPAL
Govt Dr. W.W. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

(डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 09.02.2019

प्रेस विज्ञप्ति

गर्ल्स कॉलेज में मनोविज्ञान में व्याख्यान

हमारी सोच जीवन पर प्रभाव डालती है –

शासकीय डॉ. वा. वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग के [redacted] विभाग के तत्वाधान में 'सेल्फ मेडिटेशन एवं हीलिंग" विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्यवक्ता सुप्रसिद्ध विषय–विशेषज्ञ डॉ. विकास तिवारी थे। उन्होनें अपने उद्‌बोधन में कहा कि हमारा मन एवं मस्तिष्क दोनों एक साफ्टवेयर एवं हार्डवेयर की तरह होते है। जिसमें उचित ढंग से प्रोग्रामिंग करके व्यक्ति मनचाहे परिणाम प्राप्त कर सकता है।

उन्होनें बताया कि हमारी सोच का हमारे पूरे शरीर एवं जीवन पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। अतएव हमें सकारात्मक ढंग से सोचना चाहिए ताकि हमारे जीवन में भी सकारात्मक परिवर्तन हों।

जीवन में सफल होने के लिए हमारे मन की सकारात्मक ऊर्जा आवश्यक है जो मेडिटेशन के माध्यम से प्राप्त होती है।

श्री तिवारी ने छात्राओं से चर्चा करते हुए जानकारी दी की हमारे ऊर्जातंत्र और सिस्टम में सुधार कर हम बहुत सी शारीरिक एवं मानसिक समस्याओं से निजात पा सकते है।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी एवं आईक्यूएससी की संयोजक डॉ. अमिता सहगल ने भी संबोधित किया।

कार्यक्रम का संचालन विभागाध्यक्ष डॉ. तृप्ति बाला ने किया।

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

(डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girls PG. College, Durg (C.G.)

शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

गर्ल्स कॉलेज में मनोविज्ञान में व्याख्यान

हमारी सोच जीवन पर प्रभाव डालती है –

PRINCIPAL
Govt Dr WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

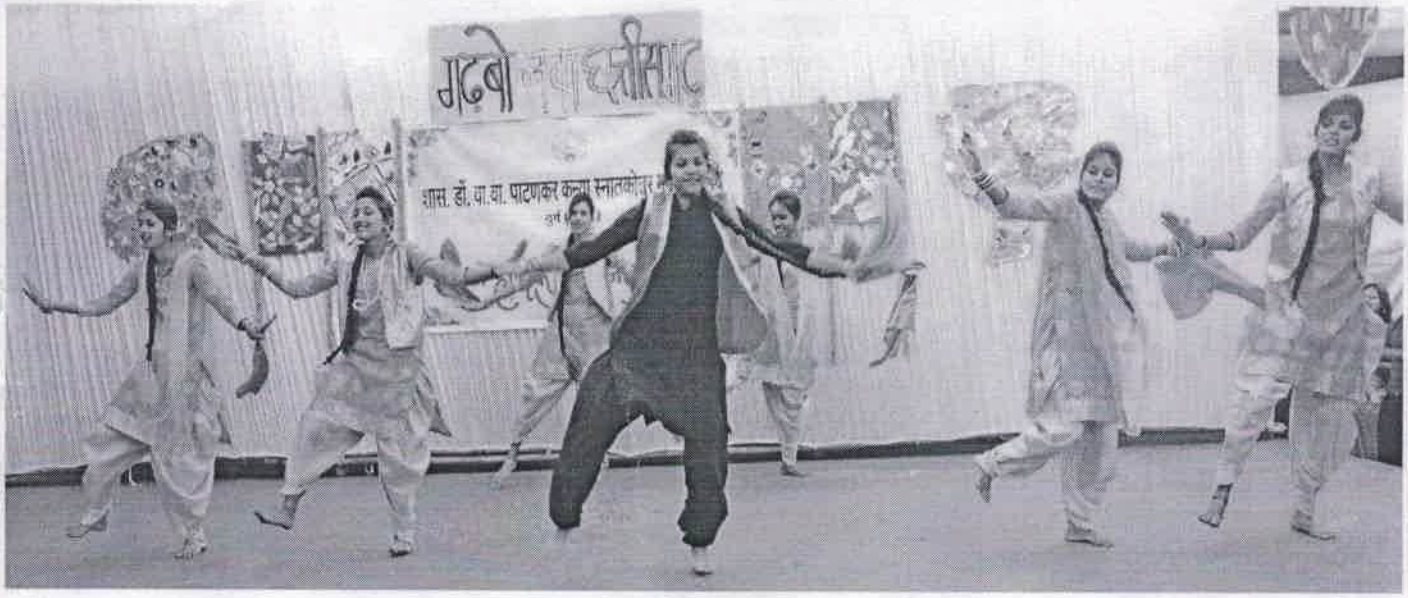

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

गर्ल्स कॉलेज में

'गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ की रही धूम'

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक 29.01.2019

प्रेस विज्ञप्ति
गर्ल्स कॉलेज में
'गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ की रही धूम'

शासकीय डॉ. वा. वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग का वार्षिक स्नेह सम्मेलन शहर विधायक श्री अरूण वोरा के मुख्य आतिथ्य एवं भिलाई नगर के विधायक एवं महापौर श्री देवेन्द्र यादव की अध्यक्षता में आयोजित हुआ।

इस वर्ष का स्नेह सम्मेलन 'गढ़बो नवा छत्तीसगढ़' की पृष्ठभूमि में आयोजित किया गया।

अपने उद्‌बोधन में मुख्य अतिथि अरूण वोरा ने कहा कि कन्या शिक्षा के क्षेत्र में इस महाविद्यालय की अलग पहचान है। यहाँ की छात्राओं ने पढ़ाई–खेलकूद के क्षेत्र में शहर का गौरव बढ़ाया है। महाविद्यालय के विकास में कोई कमी नहीं आयेगी हम सब मिलकर इसके लिए हमेशा तत्पर रहेंगे।

उन्होनें कहा कि जिस लक्ष्य तक हम जाना चाहते है उसे पूरा करें और अपने माता–पिता और महाविद्यालय का गौरव बढ़ायें।

कार्यक्रम के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि छात्राएँ राष्ट्रशक्ति का प्रतीक है। युवा वर्ग ही देश के विकास का मूल है। शासन की विभिन्न योजनाएँ विशेषकर युवा वर्ग के लिए बनायी जा रही है जिसके लिए युवा वर्ग को संकल्पित होना है कि वे नवा छत्तीसगढ़ गढ़ने में आगे आएगें। हमारा देश विकासशील से विकसित तभी होगा जब महिला शक्ति प्रधान होगी।

कन्या महाविद्यालय के विकास के लिए शासन स्तर पर सभी सार्थक प्रयास होगें और यह महाविद्यालय पूरे प्रदेश का गौरव रहेगा।

प्रारंभ में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होनें उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम और क्रीड़ा के क्षेत्र में महाविद्यालय की उपलब्धियों की चर्चा करते हुए विज्ञान प्रयोगशाला भवन की महती आवश्यकता बतलाई।

छात्रसंघ अध्यक्ष कु. तबस्सुम ने भी अपनी बात रखते हुए अतिथि द्वय से महाविद्यालय की कुछ समस्याओं के निदान का अनुरोध किया।

कु. तबस्सुम ने महाविद्यालय में शिक्षकों की कमी तथा मूर्तिकला पाठ्यक्रम को विश्वविद्यालय द्वारा अभी तक संबद्धता प्रदान नहीं किए जाने का जिक्र किया।

इस अवसर पर स्नातक एवं स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष की परीक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्राओं को प्रावीण्यता पदक एवं प्रमाणपत्र से अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया।

क्रीड़ा के क्षेत्र में कु. मेघा सिंह को शहीद कौशल यादव खेल अलंकरण मिलने पर सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना में उत्कृष्ट कार्य करने के लिये कु. रूचि शर्मा, सांस्कृतिक में विभा कसेर, कैम्पस एम्बेसडर प्रज्ञा मिश्रा, यूथ रेडक्रॉस हेतु कु. वेदिका देवांगन को सम्मानित किया गया।

महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. के.एल. राठी एवं डॉ. निसरीन हुसैन की किताबों का विमोचन किया गया।

छात्रसंघ की गतिविधियों पर प्रकाशित 'हमर कॉलेज' पत्रिका का भी विमोचन हुआ।

कार्यक्रम का संचालन छात्रसंघ प्रभारी डॉ. ऋचा ठाकुर ने किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने देर शाम तक शमा बांधे रखा। अर्पणाशास्त्री की भरतनाट्यम प्रस्तुति देवी स्तुति तथा विभा कसेर और भारती साहू की प्रस्तुति अर्धनारीश्वर से कार्यक्रम की शुरूआत हुई।

ज्योति साहू के समूह ने तोर मया के मारे समूह नृत्य ने खूब तालियाँ बटोरी वहीं 'वतन है हमारा' और मोह–मोह के धागे गीतों ने भी खूब शमा बांधा।

डिकेश्वरी राजपूत और माधुरी नायक के सामयिक एकल अभिनय ने बेहतर प्रस्तुति दी।

हर्षा सहारे और गरिमा साहू तथा प्रीति वर्मा, भजंति नायक के समूह नृत्य की खूब तारीफ हुई, पायल, पिंकी की कॉमेडी फ्यूजन ने खूब हंसाया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की लंबी श्रृंखला रहीं अंत में भांगडा ने सभी छात्राओं को नाचने के लिए मजबूर कर दिया। छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में एक से बढ़कर एक प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया।

अंत में छात्रसंघ के पदाधिकारियों ने आभार प्रदर्शन किया।

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

PRINCIPAL

(डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी)

दैनिक भास्कर

भिलाई-रायपुर, गुरुवार 31 जनवरी, 2019 | 18

गर्ल्स कॉलेज के वार्षिक स्नेह सम्मेलन में प्रतिभाओं को किया गया सम्मानित

गर्ल्स कॉलेज में बनेगा नया लैब, कैंपस में होगा रिनोवेशन, मिली सहमति

एजुकेशन रिपोर्टर | भिलाई

शासकीय डॉ. वावा पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय (गर्ल्स कॉलेज) दुर्ग में वार्षिक स्नेह सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कॉलेज की प्रतिभावान छात्राओं को सम्मानित किया गया। वहीं अब गर्ल्स कॉलेज में जल्द ही साइंस का लैब तैयार किया जाएगा। लैब के लिए भवन और इक्विपमेंट भी शासन स्तर पर जल्द गर्ल्स कॉलेज को मिल जाएगा।

इसकी घोषणा दुर्ग के विधायक अरुण वोरा ने मंगलवार को हुए वार्षिक स्नेह सम्मेलन में की। इस कार्यक्रम में भिलाई के विधायक देवेंद्र यादव ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। उन्होंने कॉलेज के इन सभी मांगो पर अपनी सहमति जताई और इसको पूरा करने का आश्वासन दिया। मौके पर प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी आदि उपस्थित रहे। महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. केएल राठी एवं डॉ. निसरीन हुसैन की किताबों का विमोचन किया गया। कार्यक्रम का संचालन छात्रसंघ प्रभारी डॉ. ऋचा ठाकुर ने किया। मौके पर हर विभाग के एचओडी शामिल रहे।

गर्ल्स कॉलेज दुर्ग में छात्राओं ने पंजाबी गाने पर किया भांगड़ा।

मांगो पर विधायक वोरा ने दी है सैद्धांतिक सहमति

- कॉलेज में साइंस लैब और इक्विपमेंट। • राजनीतिशास्त्र, समाजशास्त्र और भूगोल में 1-1 शिक्षक की नियुक्ति। • इतिहास मनोविज्ञान में सहायक प्राध्यापक। • पीजीडीसीए के लिए साइंस के सहायक प्राध्यापक। • बीसीए व बीकॉम में कंप्यूटर पाठ्यक्रम की शुरुआत। • मूर्तिकला की संबंद्धता।

कार्यक्रम में स्टूडेंट्स के साथ दर्शकों ने की मस्ती

इस वर्ष का स्नेह सम्मेलन 'गढ़बो नवा छत्तीसगढ़' की थीम पर था। छात्रसंघ अध्यक्ष तबस्सुम ने आभार व्यक्त किया। एनएसएस में उत्कृष्ट कार्य करने के लिये रूचि शर्मा, सांस्कृतिक में विभा कसेर, कैम्पस एम्बेसडर प्रज्ञा मिश्रा, यूथ रेडक्रॉस हेतु वेदिका देवांगन को सम्मानित किया गया।

इंटरनेशन खिलाड़ी गुलब्शा को बताया कॉलेज का मान

कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुशील चंद्र तिवारी ने कॉलेज के प्रतिभावान छात्राओं का नाम लेते हुए अंतर्राष्ट्रीय बास्केटबॉल खिलाड़ी गुलब्शा अली को कॉलेज का मान बताया। वहीं गुलब्शा के अलावा सभी छात्रा जो हर क्षेत्र में कॉलेज का नाम रौशन कर रहें है सब की तारीफ की। वहीं विधायक देवेंद्र और अरुण वोरा ने भी कॉलेज के खिलाड़ी और छात्राओं की तारीफ की और आगे और अच्छा मेहनत करने प्रेरित किया।

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girls PG College, Durg (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक 25.01.2019

प्रेस विज्ञप्ति
गर्ल्स कॉलेज में
मतदाता दिवस मनाया गया

शासकीय डॉ. वा. वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं छात्राओं को प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने शपथ दिलाई। प

नोडल अधिकारी डॉ. व्ही.के. वासनिक ने नये मतदाता के पंजीयन के संबंध जानकारी दी तथा मतदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए मतदाताओं को अभियान से जोड़ने का आव्हान किया। महाविद्यालय में वोटर एवरनेश फोरम का भी गठन किया गया है जिससे विभिन्न कार्यक्रमों के तहत मतदाता जागरूकता अभियान की रूपरेखा तय की गयी। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी अपने उद्‌बोधन में कहा कि लोकतंत्र में मतदाता की महत्वपूर्ण भूमिका है। हमें युवा मतदाताओं को निर्वाचन के महत्व को बतलाने के साथ ही शतप्रतिशत मतदान के लिये प्रेरित करना है। इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल, डॉ. अनिल जैन उपस्थित थे।

महाविद्यालय की जेण्डर चैम्पियन एवं कैंपस एंबेसडर ने सक्रिय भागीदारी की।

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

PRINCIPAL
Govt Dr W. Patankar
Girl's PG. College

(डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक 22.01.2019

प्रेस विज्ञप्ति
राज्य स्तरीय निबंध लेखन में भूमिका प्रथम

शासकीय डॉ. वा. वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग की एम.ए. (अर्थशास्त्र) की छात्रा कु. भूमिका तिवारी ने राज्य स्तरीय महाविद्यालयीन निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव द्वारा महंत राजा दिग्विजय दास स्मृति राज्य स्तरीय अर्न्तमहाविद्यालयीन निबंध स्पर्धा आयोजित की गयी थी।

"छत्तीसगढ़ी लोक परंपराएँ और लोकजीवन" विषय पर आधारित निबंध स्पर्धा में प्रदेश भर के महाविद्यालयों से 63 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

विगत दिनांक घोषित परिणाम में कु. भूमिका तिवारी के निबंध को प्रथम घोषित किया गया। इन्हें 7000/– रूपये का नगद पुरस्कार तथा प्रशस्ति पत्र मिलेगा।

भूमिका की उपलब्धि पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी तथा वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल तथा प्राध्यापकों ने बधाई दी है।

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girls PG. College, Durg (C.G.)

(डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य

दैनिक भास्कर

भिलाई-रायपुर, बुधवार 16 जनवरी, 2019 | 17

कॉलेज में एक्वा क्लब गठित, निशुल्क पानी की जांच कर सकेंगी सभी छात्राएं

दुर्ग के गर्ल्स कॉलेज में जल संरक्षण को लेकर बनाई पोस्टर प्रदर्शनी, छात्राओं को बताया महत्व।

सिटी रिपोर्टर | भिलाई

शासकीय डॉ. वावा पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय (गर्ल्स कॉलेज) दुर्ग में जल संरक्षण की दिशा में सक्रिय भूमिका के निर्वहन के लिए एक्वा क्लब का गठन किया गया। स्नातकोत्तर रसायनशास्त्र विभाग में विज्ञान संकाय की छात्राओं को जल संरक्षण के लिये जागरूकता अभियान चलाने और महाविद्यालय में जल परीक्षण की सुविधा उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया है।

प्रभारी प्राध्यापक डॉ. सुनीता गुप्ता ने बताया कि रसायन प्रयोगशाला में जल परीक्षण की सुविधा उपलब्ध है। यहां कॉलेज की छात्राएं विभिन्न जल स्रोतों का परीक्षण करना सीखेंगे। वहीं कॉलेज में ही निशुल्क जल परीक्षण किया जा सकेगा। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने रसायन विभाग के प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि जल परीक्षण के लिये प्रयोगशाला में आधुनिक उपकरण उपलब्ध कराए जायेंगे। रसायनशास्त्र की विभागाध्यक्ष डॉ. आरती गुप्ता एवं डॉ. रेशमा लाकेश ने छात्राओं को मार्गदर्शन दिया।

छात्राओं को दी जाएगी पानी जांचने की ट्रेनिंगः गर्ल्स कॉलेज की एक्वा क्लब की छात्राओं को विधिवत प्रशिक्षित किया जा रहा है।

क्लब की छात्राएं विभिन्न वार्डों और ग्रामों में जाकर जल संरक्षण के लिए जागरूकता अभियान चलाएंगी और राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की छात्राओं के साथ जल स्रोतों के आसपास सफाई भी करेगी। ताकी शहर और राज्य स्वच्छ व सुंदर नजर आए।

जल संरक्षण पर सदस्यों ने लगाया पोस्टर प्रदर्शनी

कॉलेज में मंगलवार को एक्वा क्लब की सदस्यों ने जल संरक्षण पर आधारित पोस्टर प्रदर्शनी लगाई। इस प्रदर्शनी में कॉलेज की छात्राओं को पानी का महत्व भी समझाया गया। साथ ही सदस्यों ने परिसर में नलों की टोंटी को बंद रखने तथा पानी के दुरुपयोग को रोकने अभियान चलाया। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुशील चंद्र तिवारी ने कहा कि छात्राओं को जल संरक्षण के लिए लगातार जागरूक किया जा रहा है। छात्राओं को कृषि क्षेत्र में ड्रिप इरिगेशन तथा घरेलू जल उपयोग में पानी के दुरुपयोग रोकने के लिए भी प्रेरित किया जाएगा। ताकी छात्राओं को इसके फायदे की जानकारी हो सके।

PRINCIPAL
Govt Dr Ww. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

गर्ल्स कॉलेज में
दुल्हन सजाओ तथा नृत्य स्पर्धा में
विभिन्न प्रांतों की संस्कृति की झलक

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patenkar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 16.01.2019

प्रेस विज्ञप्ति
गर्ल्स कॉलेज में
दुल्हन सजाओ तथा नृत्य स्पर्धा में
विभिन्न प्रांतों की संस्कृति की झलक

शासकीय डॉ. वा. वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में चल रही वार्षिक स्पर्धाओं के दूसरे दिन रोचक प्रतियोगिताओं में भारत की पारंपरिक संस्कृति को मंच पर प्रस्तुत किया। वहीं लोक संस्कृति की बानगी देखते ही बनती थी। साहित्यिक स्पर्धाओं में नवा छत्तीसगढ़ पर छात्राओं ने विचार रखें।

दुल्हन सजाओं प्रतियोगिता के अंतिम राउंड में 8 प्रतिभागियों ने पं. बंगाल, बिहार, जम्मू कश्मीर, छत्तीसगढ़, उत्तरप्रदेश, गुजरात प्रदेश की दुल्हन वेशभूषा में प्रस्तुति दी। निर्णायक मंडल ने प्रत्येक से उस प्रदेश की परंपरा एवं वेशभूषा से संबंधित प्रश्न भी पूछे। जिसका बड़ी बेबाकी से छात्राओं ने जवाब दिया।

इसमें प्रथम स्थान पर कु. हर्षा सहारे, बी.ए. भाग–3, द्वितीय स्थान पर निकहत अंजुम एम.ए. एवं तृतीय स्थान पर सिमरन बी.एससी भाग–1 रहीं।

एकल एवं युगल तथा समूह नृत्य स्पर्धा में बड़ी संख्या में छात्राओं ने भागीदारी की।

इसमें भी विभिन्न प्रांतों के पारंपरिक लोकनृत्यों के साथ ही देशभक्ति से ओतप्रोत नृत्य की बानगी देखते बनती थी। छत्तीसगढ़ी नृत्यों ने तो पूरा माहौल संगीतमय कर दिया। लोक परिधान में छात्राओं ने प्रसिद्ध छत्तीसगढ़ी गीतों पर बेहतरीन प्रस्तुति दी।

सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी डॉ. ऋचा ठाकुर ने बताया कि इन स्पर्धाओं में विजेता प्रतिभागियों को वार्षिक उत्सव में प्रस्तुति का मौका मिलेगा। साहित्यिक स्पर्धाओं में नवा छत्तीसगढ़ सपने और संभावनाएँ विषय पर आयोजित परिचर्चा में कु. रूचि शर्मा ने प्रथम तथा कु. रानू एवं कु. हिमानी ने क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। वाद–विवाद प्रतियोगिता जिसमें कु. निकहत अंजुम एवं रानू ने प्रथम स्थान तथा कु. रूचि शर्मा एवं गरिमा सिंह ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

आज की स्पर्धाओं में डॉ. रेशमा लाकेश, डॉ. मिलिन्द अमृतफले, श्रीमती ज्योति भरणे, डॉ. तृप्तिबाला एवं किरण वर्मा ने संयोजन एवं संचालन किया। कार्यक्रम में प्राध्यापकगण एवं छात्राएँ बड़ी संख्या में उपस्थित थी।

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

(डॉ० सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य

PRINCIPAL
Govt Dr W.W. Patankar
Girls PG. College, Durg (C.G.)

शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

गर्ल्स कॉलेज में वार्षिक स्पर्धाएँ

मटर के व्यंजनों ने बिखेरी खुशबू

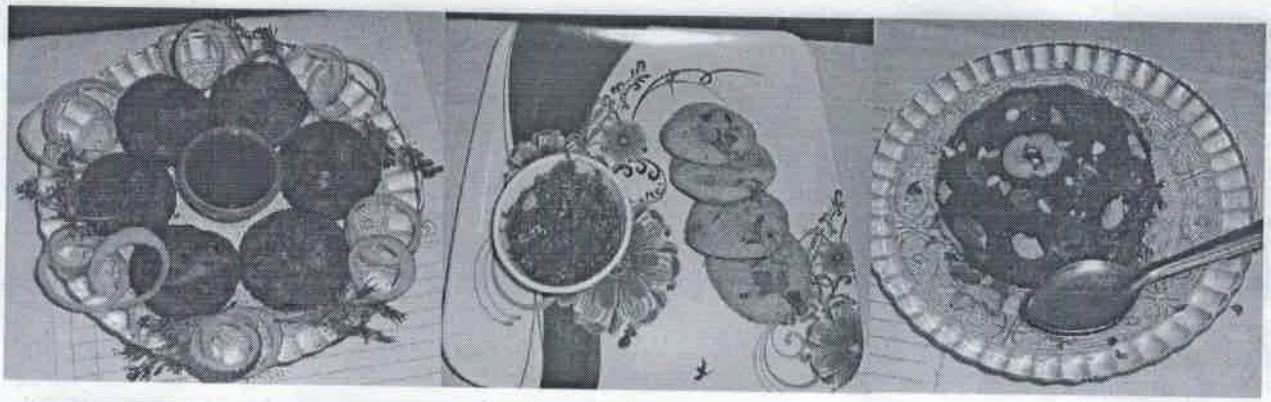

PRINCIPAL
Govt Dr W.W. Patankar
Girl's PG College

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 14.01.2019

प्रेस विज्ञप्ति
गर्ल्स कॉलेज में वार्षिक स्पर्धाएँ
मटर के व्यंजनों ने बिखेरी खुशबू

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग में वार्षिक स्पर्धाएं प्रारंभ हुई। पहले दिन एकल अभिनय, पाककला, गायन, प्रतियोगिताएँ आयोजित की गयी। जिसमें छात्राओं ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। छात्रसंघ प्रभारी डॉ. ऋचा ठाकुर ने बताया कि एकल अभिनय में छात्राओं ने ज्वलंत मर्मस्पर्शी विषयों पर प्रस्तुत दी।

इस प्रतियोगिता में कु. माधुरी नायक बीए भाग–3 ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, कु. विभा कसेर एम.ए. – हिन्दी तथा डिगेश्वरी राजपूत बीए भाग–2 क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहीं।

पाककला स्पर्धा हरे मटर के मीठे एवं नमकीन व्यंजनों पर आधारित थी। जिसमें छात्राओं ने पूरनपूरी, हलुआ, केक, फरा, बर्फी, पेड़ा और मटर के विभिन्न मीठे एवं नमकीन व्यंजनों की प्रस्तुति दी।

इसमें नमकीन व्यंजनों की श्रेणी में प्रथम स्थान पर कु. तबस्सुम एम.एससी एवं द्वितीय कु. शिल्पी बीए भाग–2, तृतीय कु. शबीना बी.एससी भाग–3 रहीं। मीठे व्यंजन की श्रेणी में बी. एससी गृहविज्ञान की कु. लक्ष्मी एवं कॉजल राठौर प्रथम स्थान पर रहीं।

एकल गायन प्रतियोगिता में छात्राओं ने खूब शमा बांधा। छत्तीसगढ़ी गीतों के साथ ही गजलों एवं पापुलर गीतों की प्रस्तुति दी।

जिसमें प्रथम तान्या मण्डारे बीए भाग–2, द्वितीय अपूर्वा माने बी.कॉम. भाग–2 एवं तृतीय स्थान पर उवर्शी शर्मा बी.ए. भाग–1 रहीं। प्रतियोगिताओं का डॉ. सुनीता गुप्ता, डॉ. मिलिन्द अमृतफले, डॉ. बबीता दुबे ने संचालन किया।

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

(डॉ० सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य

PRINCIPAL
Govt Dr WW. Patenkar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 31.12.2018

प्रेस विज्ञप्ति

गर्ल्स कॉलेज में
'जीवन साथी के चयन का आधार' पर – समूह चर्चा
आर्थिक आत्मनिर्भरता जरूरी है

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग में स्नातकोत्तर गृहविज्ञान विभाग के तत्वाधान में समूह चर्चा के अन्तर्गत "वर्तमान में जीवनसाथी के चयन का आधार" विषय पर छात्राओं ने अपने बेबाक विचार प्रस्तुत किये।

इस आयोजन की मुख्य वक्ता अंचल की सुप्रसिद्ध इवेंट ऑर्गेनाईजर श्रीमती प्रतिमा तोमर थी।

गृहविज्ञान की प्राध्यापक डॉ. रेशमला लाकेश ने जानकारी देते हुए बताया कि समूह चर्चा में छात्राओं ने निःसंकोच अपने विचार प्रस्तुत किये।

अधिकांश छात्राओं ने कहा कि पारिवारिक पृष्ठभूमि के साथ ही शैक्षणिक स्तर पर ही चयन करना सार्थक रहता है। वहीं कुछ छात्राओं ने आर्थिक आत्मनिर्भरता को आवश्यक तत्व बताया। उनके अनुसार अच्छी नौकरी या व्यवसाय से आत्मनिर्भरता एवं भविष्य की मजबूत आधारशीला को हम मुख्य मानते है।

एक छात्रा ने इन गुणों के साथ सजातीय एवं आयु अंतराल को भी महत्वपूर्ण माना। उसके अनुसार सामाजिक व्यवस्था को नकारा जाना ठीक नहीं है।

समूह चर्चा में बीच–बीच में जहाँ विचारों में भिन्नता नजर आई वहीं बहुत ही विचारोत्तेजक तथ्यों पर भी प्रकाश डाला गया।

एक छात्रा ने कुंडली मिलान को महत्त्वपूर्ण मानते हुए रक्त समूह के मिलान को भी उचित बताया। उसके अनुसार ज्योतिष विज्ञान काफी समृद्ध है और ग्रहों की मान्यता के बल पर उसे यह कहने में कोई संकोच नहीं है कि कुंडली एवं गोत्र मिलान किया जाना चाहिए।

इस चर्चा में जीवनसाथी के व्यवहार, आदतों एवं रूचियों को लेकर भी विचार विमर्श हुआ। अधिकांश छात्राओं ने इन बिन्दुओं को जीवन का मजबूत आधार माना।

मुख्य वक्ता श्रीमती प्रतिमा तोमर ने भी छात्राओं को संबोधित किया और सारगर्भित विश्लेषण किया। इस अवसर पर गृहविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. अमिता सहगल, डॉ. अल्का दुग्गल, डॉ. मीनाक्षी अग्रवाल ने भी अपने विचार सांझा किए तथा मार्गदर्शन दिया।

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

PRINCIPAL
Govt Dr W.W. Patanker
Girls PG. College, Durg (C.G.)

(डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य

देशबन्धु

शब्द तो जड़ है, उसमें चेतना का प्राण फूंकने वाला वक्ता : डॉ. जैन

दुर्ग, 6 दिसंबर (देशबन्धु)। शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग के आई.क्यू.ए.सी. के अन्तर्गत प्रख्यात वक्ता और शासकीय दिग्विजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव के हिन्दी प्राध्यापक डॉ. चंद्रकुमार जैन का भाषा, संप्रेषण और प्रस्तुति पर रोचक व्याख्यान आयोजित हुआ। डॉ. जैन ने छात्राओं को बताया कि शब्द तो अपने आप में जड़ होते है उसमें चेतना का प्राण फूँकने वाला तो वक्ता होता है। शब्द केवल शोर और तमाशा नहीं है शब्द तो ब्रम्ह है। भाषा सधी हुई होनी चाहिए और सधी भाषा साधना का काम है। साधना अभ्यास से आती है। 'करत-करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान।'

डॉ. जैन ने कहानी के माध्यम से छात्राओं को समझाया कि निर्भय होकर अपने आपको पहचानिए और अभिव्यक्ति का कोई भी अवसर न चूकिए। संप्रेषण की अनिवार्य शर्त अच्छा श्रोता बनना होता है। संप्रेषण में वक्ता की विषय की अवधारणा बिल्कुल स्पष्ट होनी चाहिए। विषय और परिवेश के अनुसार स्वर के अनुपात, प्रवाह, आरोह-अवरोह के साथ ही भाव-भंगिमा में परिवर्तन होना जरूरी है। अगर अच्छा बोलना कला है तो उचित अवसर पर बोलना आवश्यक न हो तो खामोश रहना उससे बड़ी कला है। जिसको मुक्तिबोध ने 'समझदार चुप्पी' कहा है। अपने कहे को दूसरे की जीवन का अनुभव बना देना तुलसी और कबीर जैसी क्षमता है। जिसके मूल में संप्रेषण की कला है। डॉ. जैन ने सम्प्रेषण की व्यापकता में संकेत, छात्राओं द्वारा परीक्षा में लिखे उत्तर को तथा स्नेह और संवेदना के हाथ को भी शामिल किया। शक्ति, कमजोरी, अवसर और चुनौती के ये चार तत्व व्यक्ति की भाषा, संप्रेषण, कला एवं व्यक्तित्व के विकास में बड़ी भूमिका निभाते है। प्रस्तुति से ही व्यक्तित्व उभरता है। प्रस्तुति चाहे किसी भी माध्यम से क्यों न हो आकर्षक एवं सटीक होना चाहिए। उन्होंने कहा कि शब्द, भाषा के अनुसार ही भाव-भंगिमा संकेत प्रस्तुति को मुकम्मल बनाती है। डॉ. जैन ने अपने कविता संग्रह से कुछ पंक्तियों को उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने छात्राओं को व्यक्तित्व विकास की जीवन में अहमियत समझायी। सरकारी या प्राईवेट नौकरी या जीवन संघर्ष में भाषा और सम्प्रेषण व्यक्ति के सबसे सशक्त और भरोसेमंद हथियार होते है। महाविद्यालय का काम शिक्षा के साथ ही ऐसे कार्यशालाओं के माध्यम से छात्राओं के व्यक्तित्व को विशिष्ट >> शेष पृष्ठ 9 पर >

प्रादेशिकी का शेष...

शब्द तो जड़ है...

बनाना भी है। आई.क्यू.ए.सी. की प्रभारी डॉ. अमिता सहगल ने आज के आयोजन की सार्थकता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ऋचा ठाकुर ने किया। इस अवसर पर डॉ. सुनिल जैन, डॉ. के.एल. राठी, डॉ. मीरा गुप्ता, डॉ. अल्का दुग्गल, डॉ. मीनाक्षी अग्रवाल, डॉ. शशि कश्यप, डॉ. रेशमा लाकेश, डॉ. यशेश्वरी ध्रुव, डॉ. ज्योति भरणे तथा छात्रायें बड़ी संख्या में उपस्थित थी। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय परिवार की ओर से डॉ. जैन का शाल एवं श्रीफल से सम्मान किया गया। छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध रचनाकार स्व. लक्ष्मण मस्तूरिया को भावांजली अर्पित की गई। डॉ. जैन ने 'मोर संग चलव रे गीत' प्रस्तुत किया।

PRINCIPAL
Govt Dr WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

पत्रिका . भिलाई, शुक्रवार, 7 दिसंबर, 2018
patrika.com

पत्रिका दुर्ग

ANCHOR

गर्ल्स कॉलेज में भाषा-संप्रेषण एवं प्रस्तुति पर व्याख्यान

सधी हुई भाषा के लिए जरूरी है अभ्यास

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

भिलाई ◆ शासकीय डॉ. वावा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग के आईक्यूएसी के तहत भाषा संप्रेषण एवं प्रस्तुति पर व्याख्यान हुआ। जिसमें शासकीय दिग्विजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव के हिन्दी प्राध्यापक डॉ. चंद्रकुमार जैन मुख्य वक्ता थे। डॉ. जैन ने छात्राओं को बताया कि शब्द तो अपने आप में जड़े होते हैं उसमें चेतना का प्राण फूंकने वाला तो वक्ता होता है। शब्द केवल शोर और तमाशा नहीं है शब्द तो ब्रम्ह है। भाषा सधी हुई होनी चाहिए और सधी भाषा साधना का काम है। साधना अभ्यास से आती है।

डॉ. जैन ने कहानी के माध्यम से छात्राओं को समझाया कि निर्भय होकर अपने आपको पहचानिए और अभिव्यक्ति का कोई भी अवसर न चूकिए। उन्होंने कहा कि संप्रेषण की अनिवार्य शर्त अच्छा श्रोता बनना होता है। संप्रेषण में वक्ता को विषय की अवधारणा बिल्कुल स्पष्ट होनी चाहिए। विषय और परिवेश के अनुसार स्वर के अनुपात, प्रवाह, आरोह-अवरोह के साथ ही भाव-भंगिमा में परिवर्तन होना जरूरी है। अगर अच्छा बोलना कला है तो उचित अवसर पर खामोश रहना उससे बड़ी कला है। जिसको मुक्तिबोध ने समझदार चुप्पी कहा है। अपने कहे को दूसरे की जीवन का अनुभव बना देना तुलसी और कबीर जैसी क्षमता है। जिसके मूल में संप्रेषण की कला है।

भाव-भंगिमा से प्रस्तुति बेहतर

डॉ. जैन ने सम्प्रेषण की व्यापकता में संकेत, छात्राओं द्वारा परीक्षा में लिखे उत्तर को तथा स्नेह और संवेदना के हाथ को भी शामिल किया। शक्ति, कमजोरी, अवसर और चुनौती के यह चार तत्व व्यक्ति की भाषा, संप्रेषण, कला एवं व्यक्तित्व के विकास में बड़ी भूमिका निभाते है। प्रस्तुति से ही व्यक्तित्व उभरता है। प्रस्तुति चाहे किसी भी माध्यम से क्यों न हो आकर्षक एवं सटीक होना चाहिए। उन्होनें कहा कि शब्द, भाषा के अनुसार ही भाव-भंगिमा संकेत प्रस्तुति को मुकम्मल बनाती है।

भाषा-संप्रेषण बड़े हथियार

कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि जीवन संघर्ष में भाषा और सम्प्रेषण व्यक्तित के सबसे सशक्त और भरोसेमंद हथियार होते है। महाविद्यालय का काम शिक्षा के साथ ही ऐसे कार्यशालाओं के माध्यम से छात्राओं के व्यक्तित्व को विशिष्ट बनाना भी है। आईक्यूएसी की प्रभारी डॉ. अमिता सहगल ने भी आयोजन के उद्देश्य को बताया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ऋचा ठाकुर ने किया। इस अवसर पर डॉ. अनिल जैन, डॉ. के.एल. राठी, डॉ. मीरा गुप्ता, डॉ. अल्का दुग्गल, डॉ. मीनाक्षी अग्रवाल, डॉ. शशि कश्यप, डॉ. रेशमा लाकेश, डॉ. यशेश्वरी ध्रुव, डॉ. ज्योति भरणे सहित छात्राएं मौजूद थीं।

नवभारत

गर्ल्स कॉलेज में हुआ भाषा-संप्रेषण व प्रस्तुति पर व्याख्यान

व्याख्यान देते राजनांदगांव के हिन्दी प्राध्यापक डॉ. जैन व उपस्थित शिक्षक-शिक्षिकाएं व विद्यार्थी.

दुर्ग. शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग के आईक्यूएसी के अन्तर्गत प्रख्यात वक्ता और शासकीय दिग्विजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव के हिन्दी प्राध्यापक डॉ. चंद्रकुमार जैन का भाषा, संप्रेषण और प्रस्तुति पर रोचक व्याख्यान आयोजित हुआ. डॉ. जैन ने छात्राओं को बताया कि शब्द तो अपने आप में जड़े होते है उसमें चेतना का प्राण फूंकने वाला तो वक्ता होता है. शब्द केवल शोर और तमाशा नहीं है शब्द तो ब्रम्ह है. भाषा सधी हुई होनी चाहिए और सधी भाषा साधना का काम है. साधना अभ्यास से आती है. करत-करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान.

डॉ. जैन ने कहानी के माध्यम से छात्राओं को समझाया कि निर्भय होकर अपने आपको पहचानिए और अभिव्यक्ति का कोई भी अवसर न चूकिए. संप्रेषण की अनिवार्य शर्त अच्छा श्रोता बनना होता है. संप्रेषण में वक्ता को विषय की अवधारणा बिल्कुल स्पष्ट होनी चाहिए. विषय और परिवेश के अनुसार स्वर के अनुपात, प्रवाह, आरोह-अवरोह के साथ ही भाव-भंगिमा में परिवर्तन होना जरूरी है. अगर अच्छा बोलना कला है तो उचित अवसर पर बोलना आवश्यक न हो तो खामोश रहना उससे बड़ी कला है, जिसको मुक्तिबोध ने समझदार चुप्पी कहा है. अपने कहे को दूसरे की जीवन का अनुभव बना देना तुलसी और कबीर जैसी क्षमता है, जिसके मूल में संप्रेषण की कला है.

डॉ. जैन ने सम्प्रेषण की व्यापकता में संकेत, छात्राओं द्वारा परीक्षा में लिखे उत्तर को तथा स्नेह और संवेदना के हाथ को भी शामिल किया. शक्ति, कमजोरी, अवसर और चुनौती के ये चार तत्व व्यक्ति की भाषा, संप्रेषण, कला एवं व्यक्तित्व के विकास में बड़ी भूमिका निभाते है. प्रस्तुति से ही व्यक्तित्व उभरता है. प्रस्तुति चाहे किसी भी माध्यम से क्यों न हो आकर्षक एवं सटीक होना चाहिए.

उन्होनें कहा कि शब्द, भाषा के अनुसार ही भाव-भंगिमा संकेत प्रस्तुति को मुकम्मल बनाती है. डॉ. जैन ने अपने कविता संग्रह से कुछ पंक्तियों को उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया. कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने छात्राओं को व्यक्तित्व विकास की जीवन में अहमियत समझायी. सरकारी या प्राईवेट नौकरी या जीवन संघर्ष में भाषा और सम्प्रेषण व्यक्ति के सबसे सशक्त और भरोसेमंद हथियार होते है. महाविद्यालय का काम शिक्षा के साथ ही ऐसे कार्यशालाओं के माध्यम से छात्राओं के व्यक्तित्व को विशिष्ट बनाना भी है. आई.क्यू.ए.सी. की प्रभारी डॉ. अमिता सहगल ने आज के आयोजन की सार्थकता पर प्रकाश डाला. कार्यक्रम का संचालन डॉ. ऋचा ठाकुर ने किया. इस अवसर पर डॉ. अनिल जैन, डॉ. के.एल. राठी, डॉ. मीरा गुप्ता, डॉ. अल्का दुग्गल, डॉ. मीनाक्षी अग्रवाल, डॉ. शशि कश्यप, डॉ. रेशमा लाकेश, डॉ. यशेश्वरी ध्रुव, डॉ. ज्योति भरणे तथा छात्रायें बड़ी संख्या में उपस्थित थी.

52
PRINCIPAL
Govt Dr Ww. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 06.12.2018

प्रेस विज्ञप्ति

गर्ल्स कॉलेज में भाषा–संप्रेषण एवं प्रस्तुति पर व्याख्यान

साधना अभ्यास से आती है – डॉ. चन्द्र कुमार जैन

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग के आई.क्यू.ए.सी. के अन्तर्गत प्रख्यात वक्ता और शासकीय दिग्विजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव के हिन्दी प्राध्यापक डॉ. चंद्रकुमार जैन का भाषा, संप्रेषण और प्रस्तुति पर रोचक व्याख्यान आयोजित हुआ। डॉ. जैन ने छात्राओं को बताया कि शब्द तो अपने आप में जड़े होते है उसमें चेतना का प्राण फूँकने वाला तो वक्ता होता है। शब्द केवल शोर और तमाशा नहीं है शब्द तो ब्रम्ह है। भाषा सधी हुई होनी चाहिए और सधी भाषा साधना का काम है। साधना अभ्यास से आती है। 'करत–करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान।'

डॉ. जैन ने कहानी के माध्यम से छात्राओं को समझाया कि निर्भय होकर अपने आपको पहचानिए और अभिव्यक्ति का कोई भी अवसर न चूकिए। संप्रेषण की अनिवार्य शर्त अच्छा श्रोता बनना होता है। संप्रेषण में वक्ता को विषय की अवधारणा बिल्कुल स्पष्ट होनी चाहिए। विषय और परिवेश के अनुसार स्वर के अनुपात, प्रवाह, आरोह–अवरोह के साथ ही भाव–भंगिमा में परिवर्तन होना जरूरी है। अगर अच्छा बोलना कला है तो उचित अवसर पर बोलना आवश्यक न हो तो खामोश रहना उससे बड़ी कला है। जिसको मुक्तिबोध ने 'समझदार चुप्पी' कहा है। अपने कहे को दूसरे की जीवन का अनुभव बना देना तुलसी और कबीर जैसी क्षमता है। जिसके मूल में संप्रेषण की कला है।

डॉ. जैन ने सम्प्रेषण की व्यापकता में संकेत, छात्राओं द्वारा परीक्षा में लिखे उत्तर को तथा स्नेह और संवेदना के हाथ को भी शामिल किया। शक्ति, कमजोरी, अवसर और चुनौती के ये चार तत्व व्यक्ति की भाषा, संप्रेषण, कला एवं व्यक्तित्व के विकास में बड़ी भूमिका निभाते है। प्रस्तुति से ही व्यक्तित्व उभरता है। प्रस्तुति चाहे किसी भी माध्यम से क्यों न हो आकर्षक एवं सटीक होना चाहिए।

उन्होनें कहा कि शब्द, भाषा के अनुसार ही भाव–भंगिमा संकेत प्रस्तुति को मुकम्मल बनाती है। डॉ. जैन ने अपने कविता संग्रह से कुछ पंक्तियों को उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने छात्राओं को व्यक्तित्व विकास की जीवन में अहमियत समझायी। सरकारी या प्राईवेट नौकरी या जीवन संघर्ष में भाषा और सम्प्रेषण व्यक्ति के सबसे सशक्त और भरोसेमंद हथियार होते है। महाविद्यालय का काम शिक्षा के साथ ही ऐसे कार्यशालाओं के माध्यम से छात्राओं के व्यक्तित्व को विशिष्ट बनाना भी है।

आई.क्यू.ए.सी. की प्रभारी डॉ. अमिता सहगल ने आज के आयोजन की सार्थकता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ऋचा ठाकुर ने किया। इस अवसर पर डॉ. अनिल जैन, डॉ. के.एल. राठी, डॉ. मीरा गुप्ता, डॉ. अल्का दुग्गल, डॉ. मीनाक्षी अग्रवाल, डॉ. शशि कश्यप, डॉ. रेशमा लाकेश, डॉ. यशेश्वरी ध्रुव, डॉ. ज्योति भरणे तथा छात्रायें बड़ी संख्या में उपस्थित थी। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय परिवार की ओर से डॉ. जैन का शाल एवं श्रीफल से सम्मान किया गया। छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध रचनाकार स्व. लक्ष्मण मस्तूरिया को भावांजली अर्पित की गई। डॉ. जैन ने 'मोर संग चलव रे गीत' प्रस्तुत किया।

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

PRINCIPAL
Govt Dr W. V. Patenkar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

(डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य

शासकीय डॉ0 वा0वा0 पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

रिपोर्ट
गर्ल्स कॉलेज में
सामान्य बढ़ाने अनूठी पहल

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग में छात्राओं में सामान्य ज्ञान एवं समसामयिक जानकारियों से अवगत कराने आई.क्यू.ए.सी. ने नई पहल की है।

प्रति सप्ताह सोमवार को एक प्रश्न पूछा जाता है जो सामान्यज्ञान, बौद्धिक क्षमता, विज्ञान, सामयिक घटनाओं पर आधारित होता है।

इसके लिए एक उत्तर बॉक्स रखा गया है जिसमें छात्रायें शुक्रवार तक अपने उत्तर लिखकर डालती है। प्रति शनिवार को प्राप्त सही उत्तर में से लाटरी द्वारा 3 छात्राओं को पुरस्कार दिए जाते है। इस पहल के पहले चरण में ही छात्राओं ने बड़ी संख्या में सहभागिता की जिसमें कु. रानी नागरा – बी.एससी–1(बायों), कु. मनीषा साहू – बी.ए.–2, कु. शिल्पा चक्रधारी – बी.कॉम.–3 को पुरस्कृत किया गया। उच्च शिक्षा विभाग की संयुक्त संचालक डॉ. किरण गजपाल ने महाविद्यालय के इन प्रयासों की सराहना की तथा छात्राओं को पुरस्कार प्रदान किये।

डॉ. गजपाल ने कहा कि प्रतियोगिता परीक्षाओं में सामान्य ज्ञान का बहुत महत्वपूर्ण स्थान है इस तरह की स्पर्धाएँ छात्राओं को प्रेरित करती है और उनके अंदर आत्मविश्वास जगाती है।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने छात्राओं के उत्साहवर्धक प्रतियोगिता की प्रशंसा की एवं आगे भी इस तरह के आयोजन करने के लिए निर्देशित किया।

महाविद्यालय के निरीक्षण के दौरान संयुक्त संचालक डॉ. किरण गजपाल ने महाविद्यालय में संचालित विभिन्न गतिविधियों को देखा और उन्होनें महत्वपूर्ण सुझाव भी दिये। महाविद्यालय में संचालित ऑनेस्टी कॉर्नर की सुविधाओं की प्रशंसा की तथा इसे छात्राओं के हित में महाविद्यालय द्वारा किये जा रहे प्रयासों को सराहा।

डॉ. अमिता सहगल
प्रभारी प्राध्यापक
आई.क्यू.ए.सी.

(डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य
शास0 डॉ0 वा0वा0 पाटणकर कन्या
स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

PRINCIPAL
Govt Dr W.W. Patenkar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

फोटोग्राफ्स

पेपर कटिंग

The Hitavada

Tuesday ■ December 4 ■ 2018

Ci

IQAC initiates to enhance GK in students

■ Staff Reporter
DURG, Dec 3

IQAC Cell of Government Girls College Durg has taken a new initiative by asking a question on Monday which is based on General Knowledge (GK), mental ability, science and contemporary events. Students can write their answer and drop it by Friday in an Answer Box. Every Saturday 3 students with right answers selected by lottery system are awarded.

In first stage students participated in large number. Rani Nagra B Sc I (Bio), Manisha Sahu BA-II and Kumari Shilpa Chakradhari B Com-II were awarded. Joint Director, Higher Education Department, Dr Kiran Gajpal appreciated the initiative of IQAC and presented prizes to 3 winners Dr Gajpal said General knowledge is very important in competitive examinations.

Dr Gajpal giving away present to a winner.

Such competitions motivate them and instill confidence into students. Principal Sushil Chandra Tiwari appreciating motivational competition instructed to continue it.

Dr Kiran Gajpal observed various activities conducted in the College during inspection and gave important suggestions also. She praised Honesty Corner facilities and lauded endeavors by the College in the interest of students.

52

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girls PG. College, Durg (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 27.11.2018

प्रेस विज्ञप्ति

गर्ल्स कॉलेज में

"भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिम्ब" पर व्याख्यान

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग में हिन्दी विभाग के तत्वाधान में "भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिम्ब" विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता शासकीय दानवीर तुलाराम स्नातकोत्तर महाविद्यालय, उतई के प्रो. सियाराम शर्मा थे। उन्होनें अपनी बात तमिल के प्रसिद्ध कवि सुब्रमण्यम भारती के कथन से करते हुए कहा कि भारत का चेहरा लगभग 18 भाषाओं का है पर शरीर एक ही है। इनकी बात को आगे बढ़ाते हुए डॉ. शर्मा ने जोड़ा कि सबकी आत्मा भारतीयता ही है। मलयालम के कवि बल्लतोल ने भारतीयता को आत्मगौरव के रूप में रेखांकित किया। भारत के बिम्ब के आदि स्वप्नदर्शियों में कालिदास के मेघदूतम् से लेकर बंकिम चन्द्र के वन्दे मातरम् तक भारत के विराट बिम्ब को डॉ. शर्मा ने समझाया। उन्होनें बताया कि दुनिया का महान साहित्य जनता का और जनता की दृष्टि से लिखा हुआ साहित्य है। उन्होनें हिन्दी साहित्य के भारतेन्दु, उड़ीसा के सीताकान्त महापात्रा, फकीर मोहन सेनापति, बांग्ला के वंद्योपाध्याय कृत पाथेर पंचाली, हिन्दूस्तानी के अल्लामा इकबाल, फैज अहमद फैज, मैथिलीशरण गुप्त का भारत–भारती के द्वारा भारत के छवि को सामने रखा। जिसमें भारत के स्वप्न के साथ–साथ कटु–यथार्थ का चित्रण किया गया है। आज के परिदृश्य पर रोशनी डालते हुए उन्होनें रण्ेन्द्र के ग्लोबल गाँव के देवता और वीरेन उंगवाक के 'ये हमने कैसा समाज रच डाला' के माध्यम से भूमंडलीकरण तथा नवउपनिवेशवाद के चुनौतियों को विस्तारपूर्वक समझाया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि हमारे देश की विविधतापूर्ण संस्कृति को भारतीय साहित्य समग्रता में प्रतिबिम्बित करती है। साहित्य के मूल में सबके हित और सहित की भावना मुख्य है। कार्यक्रम के संचालक डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी ने आज के भारतीय साहित्य के समक्ष खड़ी चुनौतियों को सामने रखा। शोध छात्रा विजिया पटेल तथा एमए की छात्रायें कु. लकेश्वरी एवं दिपिका ने महत्वपूर्ण प्रश्नों को पूछकर इस संवाद को सार्थकता दी। हिन्दी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. यशेश्वरी ध्रुव ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर डॉ. ज्योति भरणे सहित स्नातकोत्तर की छात्रायें उपस्थित थी।

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

PRINCIPAL
Govt Dr Ww. Patankar
Girls PG. College, Durg (C.G.)

(डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य

संविधान की रक्षा करने अधिकारियां   निगम में भी संविधान दिवस अवसर   के साथ संविधान की प्रस्तावना का   अधिकारी मौजूद थे.

संविधान की विशेषताओं से रूबरू हुई छात्राएं

नवभारत 27/11/18

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग में संविधान दिवस मनाया गया। स्नातकोत्तर राजनीतिशास्त्र विभाग के तत्वाधान में आयोजित संगोष्ठी में भारतीय संविधान की विशेषताओं पर वक्ताओं ने प्रकाश डाला. विभागाध्यक्ष डॉ. सुचित्रा खोब्रागड़े ने बताया कि 26 नवंबर 1949 को भारत गणराज्य का संविधान बनकर तैयार हुआ था. संविधान निर्मात्री समिति के अध्यक्ष डॉ. भीमराव आंबेडकर के 125 वें जयंती वर्ष के रूप में 26 नवंबर 2015 को संविधान दिवस मनाया गया. डॉ. खोब्रागड़े ने कहा कि हमारा संविधान 2 वर्ष 11 माह 18 दिन में पूरा हुआ

और राष्ट्र को समर्पित किया गया. महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने सभी छात्राओं एवं प्राध्यापकों के साथ संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठ किया और संकल्प दिलाया कि वे सामाजिक, विचार अभिव्यक्ति, धर्म, विश्वास और उपासना की स्वतंत्रता की रक्षा करेंगें और देश की एकता और अखंडता बढ़ाने के लिए कार्य करेंगें. महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी.अग्रवाल ने भी संविधान की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डाला. इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक, कर्मचारी एवं छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित थे. समारोह के अंत में 26 नवंबर के मुंबई हमले में शहीद जवानों को श्रद्धांजली अर्पित की गयी.

PRINCIPAL
Govt Dr W.W. Patankar
Girl's PG. College, Curg (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 26.11.2018

प्रेस विज्ञप्ति
गर्ल्स कॉलेज में
संविधान दिवस मनाया गया

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग में संविधान दिवस मनाया गया। स्नातकोत्तर राजनीतिशास्त्र विभाग के तत्वाधान में आयोजित संगोष्ठी में भारतीय संविधान की विशेषताओं पर वक्ताओं ने प्रकाश डाला।

विभागाध्यक्ष डॉ. सुचित्रा खोब्रागढ़े ने बताया कि 26 नवंबर 1949 को भारत गणराज्य का संविधान बनकर तैयार हुआ था। संविधान निर्मात्री समिति के अध्यक्ष डॉ. भीमराव आंबेडकर के 125 वें जयंती वर्ष के रूप में 26 नवंबर 2015 को संविधान दिवस मनाया गया।

डॉ. खोब्रागढ़े ने कहा कि हमारा संविधान 2 वर्ष 11 माह 18 दिन में पूरा हुआ और राष्ट्र को समर्पित किया गया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने सभी छात्राओं एवं प्राध्यापकों के साथ संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठ किया और संकल्प दिलाया कि वे सामाजिक, विचार अभिव्यक्ति, धर्म, विश्वास और उपासना की स्वतंत्रता की रक्षा करेगें और देश की एकता और अखंडता बढ़ाने के लिए कार्य करेगें।

महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी.अग्रवाल ने भी संविधान की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक, कर्मचारी एवं छात्राएँ बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

समारोह के अंत में 26 नवंबर के मुंबई हमले में शहीद जवानों को श्रद्धांजली अर्पित की गयी।

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

(डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य

शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

PRINCIPAL
Govt Dr WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 13.10.2018

प्रेस विज्ञप्ति

गर्ल्स कॉलेज में

गरबा नृत्य स्पर्धा में भारती समूह प्रथम रहा

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में देसी डे का आयोजन किया गया। यह आयोजन अपनी संस्कृति को जीवन में ढालने और उस पर गर्व करने के महती उद्देश्य से विगत दो वर्षों से आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर नृत्य विभाग द्वारा गरबा नृत्य प्रतियोगिता रखी गई, जिसमें 16 समूहों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि इस तरह के आयोजन से छात्रायें देश की विभिन्न सांस्कृतिक विरासत से परिचित होती है और फिर वे सांस्कृतिक परम्परा की वाहक भी बनती है। प्राचार्य महोदय ने देसी डे के अवसर पर छात्राओं द्वारा भारतीय परिधान के पहनने पर उन्हें साधूवाद दिया। इस दिन छात्राओं ने पाश्चात्य वेशभूषा का पूर्णतः परित्याग किया। बड़ी संख्या में उपस्थित छात्राओं, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों को मतदान के प्रति जागरूक करते हुये उन्हें मतदान की शपथ भी दिलाई गई। गरबा प्रस्तुति करने वाली छात्राओं ने भी मतदान के दिन सभी को अपने मताधिकार का प्रयोग करने का आग्रह किया।

नृत्य विभाग की प्राध्यापक डॉ. ऋचा ठाकुर ने बताया कि भाग लेने वाले सभी समूहों के नाम भारतीय स्वरूप में रखे गये थे। जैसे– नटराज, कांवरिया, गरबावली, मोहिनी, भारती, गरबा रास, शक्ति आदि। स्पर्धा में प्रथम स्थान पर भारती डांडिया समूह, द्वितीय – गरबा रास तथा तृतीय स्थान शक्ति एवं मोहिनी समूह रहा। कड़ी स्पर्धा में प्रथम रहे भारती समूह में प्रिया देवांगन, शीतल निषाद, भारती गुप्ता, यामिनी साहू, चंचल त्रिपाठी, मनीलता, सरस्वती, पोमा यादव, तुलिका साहू, भारती बैरागी।

प्रतियोगिता के निर्णायक श्वेता नायक, टी.एस. सुनयना एवं राजेन्द्र सुनगरिया थे।

इस अवसर पर महाविद्यालय की जनभागीदारी अध्यक्ष श्रीमती जयश्री समर्थ एवं प्राध्यापक एवं छात्रायें बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

(डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 29.09.2018

प्रेस विज्ञप्ति

गर्ल्स कॉलेज में

सर्जिकल स्ट्राइक की वर्षगांठ मनायी गयी

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में सर्जिकल स्ट्राइक के अवसर पर परिचर्चा का आयोजन किया गया तथा सर्जिकल स्ट्राइक पर आधारित लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सीमा अग्रवाल ने बताया कि परिचर्चा में प्राध्यापक डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी ने चर्चा की शुरूआत करते हुए विद्यार्थियों को बताया कि अमेरिका और इजरायल जैसे विकसित राष्ट्र ही सर्जिकल स्ट्रइक के लिए चर्चित रहे है।

हमारे देश के जंबाज सैनिकों ने भी दुश्मनों के आतंकवादि ठिकानों को ध्वस्त कर सकुशल वापसी की है जो हमें गर्वान्वित करती है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि हमारे सेना ने दुनिया को दिखा दिया है कि हम भी किसी से कम नहीं है।

इस अवसर पर वरिष्ठ प्राध्यापक, डॉ. डी.सी. अग्रवाल, श्रीमती ज्योति भरणे तथा छात्राओं ने सहभागिता की। आभार प्रदर्शन डॉ. यशेश्वरी ध्रुव ने किया। सर्जिकल स्ट्राइक पर आधारित लघु चित्र को सभी ने सराहा।

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

PRINCIPAL
Govt Dr WW. Patenkar
Girls PG College, Durg (C.G.)

(डॉ० सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 19.09.2018

प्रेस विज्ञप्ति
गर्ल्स कॉलेज में
अंतर्राष्ट्रीय राजनीति पर व्याख्यान

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग के राजनीति विज्ञान विभाग की ओर से संयुक्तराष्ट्र पर आधारित अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें दिल्ली विश्वविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. दिलीप मौर्य जी ने संयुक्तराष्ट्र से संबंधित व्याख्यान दिया। डॉ. मौर्य ने संयुक्त राष्ट्र के निर्माण उद्देश्यों एवं उसके विभिन्न अंगों पर अपने विचार रखते हुए कहा कि वर्तमान समय में संयुक्तराष्ट्र की प्रासंगिकता महत्वपूर्ण है। उन्होनें विश्लेषण करते हुये बताया कि भारत संयुक्त राष्ट्र का प्रमुख सदस्य उस समय था जब देश आजाद भी नहीं हुआ था। आज भारत विश्व राजनीति में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। संयुक्त राष्ट्र के सभी अंगों में भारत को प्रमुख दर्जा मिला हुआ है ऐसे में सुरक्षा परिषद में स्थाई सदस्य हेतु भारत की दावेदरी प्रबलता से उठ रही है। डॉ. मौर्य ने भारत एवं विश्व के अन्य देशों के बीच विदेश संबंधों पर भी विस्तार पूर्वक चर्चा की।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि भारत और संयुक्तराष्ट्र संघ के विषय पर अध्ययन छात्राओं के लिये आवश्यक और ज्ञानवर्धक भी है।

कार्यक्रम का संचालन राजनीति विज्ञान विभाग डॉ. सुचित्रा खोब्रागढ़े ने किया एवं श्रीमती भावना दिवाकर ने आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल, डॉ. अनिल जैन, डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी एवं छात्रायें उपस्थित थी।

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

PRINCIPAL
Govt Dr. W.W. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

(डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 14.09.2018

प्रेस विज्ञप्ति

गर्ल्स कॉलेज में हिन्दी दिवस मनाया गया

छात्राओं ने काव्य गोष्ठी में सुनाई कविताएँ

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग में हिन्दी दिवस के अवसर पर काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया।

भाषा सिर्फ सम्प्रेषण का माध्यम ही नहीं अपितु मानव ह्रदय के उद्‌गारों एवं भावनाओं की अभिव्यक्त करने वाली अक्षय निधि है और ह्रदय के भाव सर्वाधिक सशक्त तौर पर कविता में प्रस्तुत होते हैं।

इस मूल मर्म को ध्यान में रखकर हिन्दी दिवस के अवसर पर हिन्दी काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह अवसर हिन्दी भाषा के दो प्रमुख कवियों भारत रत्न माननीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी एवं प्रसिद्ध गीतकार गोपाल दास नीरज जी को याद करने का भी था। जिन्होनें सातवीं शताब्दी के अमीर खुसरो, कबीर, सूर, तुलसी से लेकर निराला, प्रसाद, महादेवी वर्मा आदि की हिन्दी काव्य परम्परा में महत्वपूर्ण रचनात्मक योगदान दिया है। अटल जी एवं नीरज जी को समर्पित काव्य गोष्ठी की शुरूआत डॉ. ऋचा ठाकुर प्राध्यापक (नृत्य) द्वारा दोनों कवियों की काव्य पंक्तियों के वाचन से हुआ। बी.ए. प्रथम की छात्रा वैभवी चौबे ने अटल जी द्वारा रचित ''गीत नहीं गाता हूँ'' को प्रस्तुत किया।

''संभावों के शहर में मैं मौन बेचती हूँ'' स्वरचित कविता द्वारा तृप्ति नायर ने श्रोताओं का मन छू लिया। स्नातकोत्तर की छात्रा काजल ने हिन्दी भाषा पर कविता सुनाई। वाणिज्य की छात्रा प्रज्ञा मिश्रा ने बेटियों पर एक नज्म प्रस्तुत की। संगीत के प्राध्यापक मिलिंद अमृतफले ने नीरज के फिल्मी गीतों से परिचय कराते हुए, ''कारवां गुजर गया, गुबार देखते रहे'' सुनाया। भावना, परवीन बानो, अनीता, विभा, मोनिका, ममता आदि विभिन्न कक्षाओं की छात्राओं ने अपने कविता पाठ से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। साथ ही प्रोफेसर अनिल जैन, डॉ. निसरीन हुसैन, डॉ. यशेश्वरी ध्रुव एवं डॉ. ज्योति भरणें आदि प्राध्यापकों ने भी अपनी रचनाओं के पाठ से सभी श्रोत्राओं को सम्मोहित किया।

हिन्दी दिवस पर आयोजित इस गोष्ठी के रचनात्मक महत्व को समझाते हुए प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने न केवल छात्राओं से हिन्दी भाषा को पढ़ने रचने एवं गढ़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का आह्वान किया अपितु नीरज की प्रसिद्ध पंक्ति ''जितना कम सामान रहेगा/उतना सफर आसान रहेगा'' भी सुनाई। प्राचार्य ने प्रतिभागियों को डायरी देकर सम्मानित भी किया।

हिन्दी विभाग की तरफ से आयोजित इस कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी ने किया। आभार प्रदर्शन डॉ. यशेश्वरी ध्रुव ने किया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं छात्राएँ बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

(डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2212207 फैक्स 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 07.08.2018

प्रेस विज्ञप्ति

नैतिक मूल्यों से ही बनता है जीवन अमूल्य : डॉ. जय सिंह

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग में "सार्वभौमिक मूल्यो की वर्तमान समाज में आवश्यकता" विषय पर व्याख्यान आयोजित हुआ। पी.जी. कॉलेज कांकेर के प्राध्यापक डॉ. जयसिंह ने व्यापक एवं वैश्विक संदर्भों में नैतिक मूल्यों पर विचार रखें। उन्होनें कहा कि 'सत्य नैतिकता की जननी है वर्तमान परिवेश में दिनों–दिन नैतिक मूल्यों का ह्रास हो रहा है। वेद, रामायण आदि पौराणिक कथाओं तथा भगवान राम, हरिश्चन्द्र, बुद्ध, महावीर जैसे महापुरूषों का अनुशीलन कर रही भारतभूमि ने सत्य, अहिंसा, सदाचरण, प्रेम तथा शांति का संदेश विश्व को दिया। इन्हीं सत्यान्वेषियों के तप, त्याग और अहिंसा के उच्चादर्शों के आधार पर ही हम विश्वगुरू कहलाए। और अगर हमें फिर से विश्वगुरू बनना है तो उन्हीं आदर्शों को आत्मसात करना होगा। अंत में डॉ. सिंह ने छात्राओं के सुखद भविष्य हेतु महामना मदन मोहन मालवीय जी के जीवनसूक्ति को उद्धृत किया– "दूध पियो, कसरत करो, नित्य जपो हरिनाम! मन लगाई विद्या पढ़ो पूरन हो सब काम।।

शासकीय महाविद्यालय भखारा से पधारे दूसरे वक्ता डॉ. भुवाल सिंह ठाकुर ने नैतिक मूल्यों के संदर्भ में युरोपीय नवजागरण एवं भारतीय पुनर्जागरण के मूल्यों–तार्किकता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानवता एवं स्वतंत्रता बोध की महत्ता को रेखांकित किया। भारतीय संविधान के हम की भावना को याद दिलाते डॉ. ठाकुर ने कहा कि 'बेटियाँ ही सद्समाज की कर्णधार और नैतिक मूल्यों के समग्रबोध की प्रतिनिधि होती है। जिस दिन हम सबमें माँ के विराट भाव संसार का एक भी गुण आ जायेगा तो हम वास्तव में नैतिक हो जाएंगे। जब ईदगाह के हामिद का आवबोध हमारे रगों में दौड़ने लगे तब हम नैतिक बनेगे।

प्रोफेसर डी.सी. अग्रवाल ने छात्राओं को जीवन–संघर्ष में नैतिक मूल्यों की उपयोगिता समझाई। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने छात्राओं को सदाचरण, धैर्य और एकाग्रता जैसे मूल्यों को दैनिक जीवन में अपनाने हेतु प्रेरित किया। उन्होनें बताया कि नैतिक मूल्यों को अपने आचरण में उतारने पर ही हम अच्छे व्यक्तित्व अच्छे समाज और बेहतर देश का निर्माण कर सकते है।

कार्यक्रम का संचालन कर रहे डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी ने महात्मा गाँधी और विवेकानन्द के जीवन का मार्गदर्शक के रूप में अनुसरण करने की बात कही। इस अवसर पर आई.क्यू.ए.सी की समन्वयक डॉ. अमिता सहगल, डॉ. रेशमा लाकेश, श्री योगेन्द्र त्रिपाठी समेत समस्त प्राध्यापक एवं छात्राएँ उपस्थित रहीं।

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girls PG College, Durg (C.G.)

(डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य

गर्ल्स कॉलेज में

'यूथ स्पार्क' प्रतियोगिता में छात्राओं का उमड़ा उत्साह

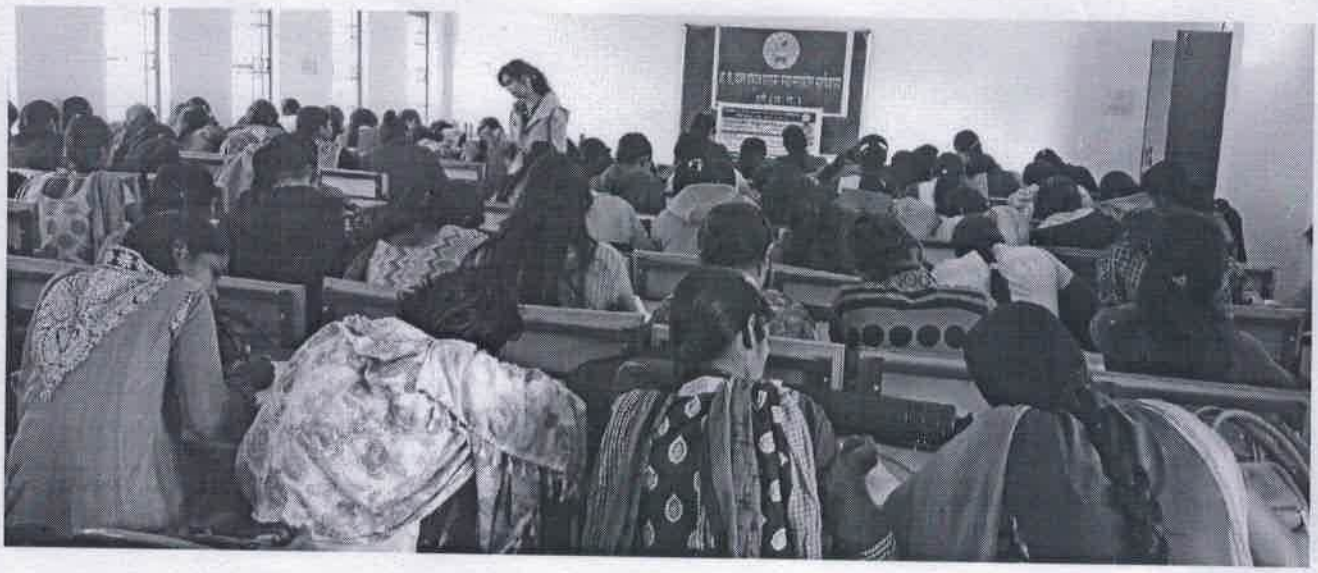

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2212207 फैक्स 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 03.08.2018

प्रेस विज्ञप्ति

गर्ल्स कॉलेज में

युथ स्पार्क–2 में उमड़ा उत्साह

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा महाविद्यालयीन छात्र–छात्राओं के लिए "यूथ फॉर एकात्मता– एक है हम" प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

जिसमें महाविद्यालय की 439 छात्राओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता के प्रथम चरण में 10 वाक्यों में निर्धारित विषय पर विचार लिखने थे। जिसमें प्रमुख (1) जनजातीय समाज की विशेषताएँ (2) छत्तीसगढ़ के एक महापुरूष या संत की जीवनी। (3) भारतीय संस्कृति भारत की एकात्मता का आधार है। (4) छत्तीसगढ़ शासन की कल्याणकारी योजनाएँ। कुल 20 चयनित प्रतिभागियों का नाम अगले चरण के लिए भेजा गया। नोडल अधिकारी डॉ. ऋचा ठाकुर ने बताया कि छात्राओं में इस स्पर्धा के लिए भारी उत्साह रहा। उल्लेखनीय है कि इस स्पर्धा में 51000/–रूपये का प्रथम पुरूस्कार, 31000/–रू. का द्वितीय पुरस्कार एवं 21000/–रूऋ का तृतीय पुरस्कार घोषित किया गया है। चयनित छात्राओं को स्पर्धा के द्वितीय चरण में भाग लेने का मौका मिलेगा।

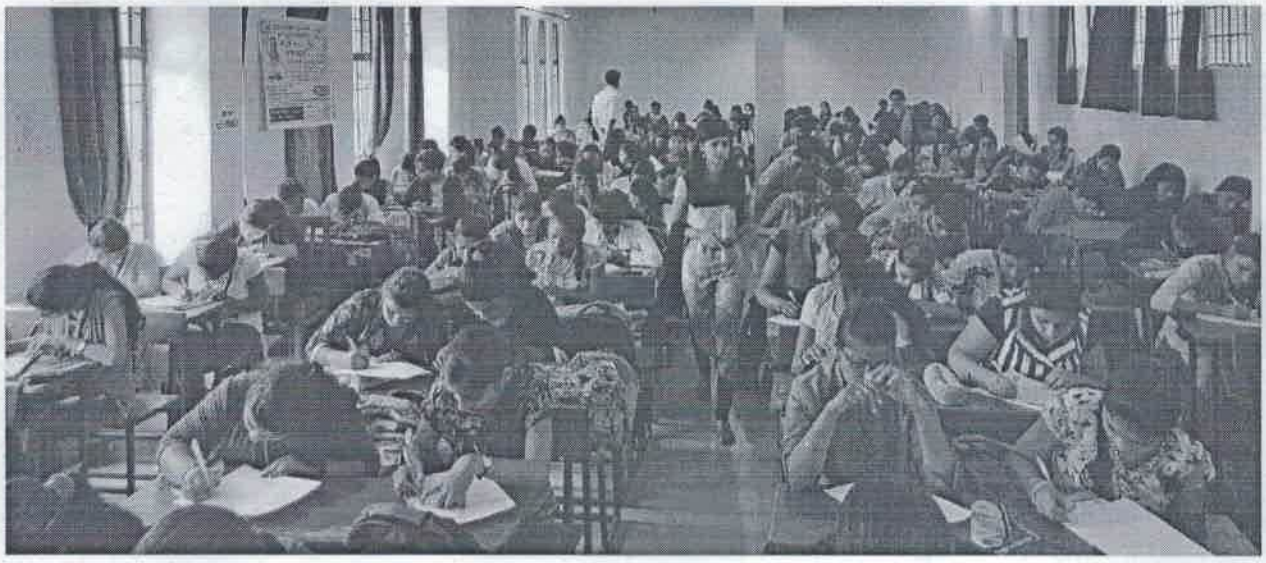

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

(डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's P.G. College, Durg (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2212207 फैक्स 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 31.07.2018

प्रेस विज्ञप्ति

गर्ल्स कॉलेज में

प्रेमचंद की रचनाएँ जनजीवन का चित्रण है

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग में 'प्रेमचंद की कहानी– ईदगाह, कफन और गोदान की जुबानी' कार्यक्रम का आयोजन कर मुंशी प्रेमचंद को याद किया गया।

एम.ए. की छात्रा परवीन बानो ने प्रेमचंद की कहानी, ईदगाह, कु. काजल ने गोदान के स्त्री पात्रों धनिया और मालती का शब्द–चित्र प्रस्तुत किया। बी.ए. प्रथम वर्ष की छात्राएँ वैभवी चौबे एवं आकांक्षा ठाकुर ने घीसू और माधव का चरित्र निभाकर प्रेमचंद की प्रसिद्ध कहानी 'कफन' का वाचन किया। एम.ए. तृतीय सेमेस्टर की छात्रा भावना सोनवानी ने प्रेमचंद के कालजयी उद्धरणों को प्रस्तुत किया जो आज भी प्रासंगिक है। हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. ध्रुव ने इन कहानियों का सामाजिक एवं वैज्ञानिक विश्लेषण प्रस्तुत किया। डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी ने प्रेमचंद के जीवन संघर्षों को बताते हुए प्रेमचंद को न केवल हिन्दी का बल्कि विश्व साहित्य का महत्वपूर्ण कथाकार बताया।

अर्थशास्त्र के प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल ने हिन्दी समाज में प्रेमचंद की लोकप्रियता और व्यापक जनस्वीकृति के महत्व को रेखांकित किया।

प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने इस अवसर पर कहा कि प्रेमचंद की कहानियाँ जनजीवन से जुड़ी हुई हैं अगर उन्हें जनजीवन का चितेरा कहें तो अतिश्योक्ति नहीं होगी।

प्रेमचंद की कहानियों के वाचन से आत्मावलोकन के साथ ही आत्मविस्तार भी होता है। प्रेमचंद तत्कालीन समाज की विषमतापूर्ण यथार्थ को अपनी रचनाओं में प्रस्तुत कर आज भी हमारे समाज के युवाओं को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे है।

डॉ. ऋचा ठाकुर ने सत्यजित रे कि फिल्म सद्गति में अपने अभिनय के माध्यम से प्रेमचंद की कहानियों की सशक्तता को रेखांकित किया। इस अवसर पर प्राध्यापक एवं छात्राएँ बड़ी संख्या में उपस्थित थे। आभार प्रदर्शन डॉ. ज्योति भरणे ने किया।

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

S.2

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patenkar
Girls P.G. College, Durg (C.G.)

S.2

(डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य

पत्रिका PLUS
om/entertainment
Bhilai .Thursday
22/02/2018
citylive infocus

भाषा ही है भावनाओं और संवेदनाओं को व्यक्त करने का माध्यम

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

गर्ल्स कॉलेज में मनाया अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस

भिलाई ● शासकीय डॉ. वावा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर हिन्दी विभाग की ओर से संगोष्ठी रखी गई। जिसमें कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि मातृभाषा भावनाओं एवं संवेदनाओं का सबसे बेहतर माध्यम है जिसके जरिए हम कठिन से कठिन विषय वस्तु को आसानी से ग्राह्य कर लेते हैं। उन्होंने कहा कि कई राष्ट्र तो मातृभाषा के जरिए ही समृद्धि एवं विकास कर पाए हैं। जिसमें चीन एवं जापान इसका प्रत्यक्ष उदाहरण हैं। उन्होंने कहा कि हमारे देश में कई प्रांतीय भाषाएं है जो समृद्ध हैं किंतु संप्रेषण, सहयोग, समन्वय की कमी से वे विस्तारित नहीं हो पाई ।

छात्राओं ने दी प्रस्तुति

कार्यक्रम में तृष्णा नायर एवं तृप्ति नायर ने बांग्ला गीत प्रस्तुत किए । किरण ने छत्तीसगढ़ी गीत, ज्योति भरणे ने मराठी गीत एवं डॉ.ऋचा ठाकुर ने मैथिली कविता सुनाई। डॉ. योगेन्द्र त्रिपाठी ने मोर संग चलो रे... गीत प्रस्तुत कर छत्तीसगढ़ी भाषा की बानगी से समारोह को संगीतमय बना दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी ने किया।

मातृभाषा विकास में सहायक

हिन्दी के प्राध्यापक डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी ने कहा कि यूनेस्को ने भी मातृभाषा की महत्ता स्वीकार की है, किसी भी राष्ट्र के विकास में व्यक्ति अपना योगदान मातृभाषा में काम करके ही दे सकता है। वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डीसी अग्रवाल ने कहा कि मातृभाषा का प्रभाव व्यक्ति के समूचे व्यक्ति त्व पर पड़ता है। विश्व की लुप्त प्राय मातृ भाषाओं को बचाने का प्रयास होना चाहिए। हिन्दी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. यशेश्वरी ध्रुव ने छत्तीसगढ़ी भाषा के इतिहास एवं उसके सौंदर्य को रेखांकित किया। उन्होंने भोजली गीत, पंथी गीत, गौर गीत की पंक्तियों के माध्यम से छत्तीसगढ़ी भाषा की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर शॉर्ट फिल्म मेरी सपनों की भाषा एवं मातृभाषा भी दिखाई गई।

PRINCIPAL
Govt Dr. W.W. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

देशबन्धु

भाषा भावनाओं व संवेदनाओं की अभिव्यक्ति का माध्यम

दुर्ग, 21 फरवरी (देशबन्धु)। शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। हिन्दी विभाग के तत्वाधान में आयोजित संगोष्ठी में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि मातृभाषा भावनाओं एवं संवेदनाओं का सबसे बेहतर माध्यम है जिसके जरिए हम कठिन से कठिन विषय वस्तु को आसानी से ग्राह्य कर लेते है। उन्होंने कहा कि कई राष्ट्र मातृभाषा के जरिए ही समृद्धि एवं विकास कर पाये है। चीन एवं जापान इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है।

डॉ. तिवारी ने कहा कि हमारे देश में अनेको प्रांतीय भाषाएँ है जो समृद्ध है किंतु संप्रेषण, सहयोग, समन्वय की कमी से वे विस्तारित नहीं हो पायी है।

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस

हिन्दी के प्राध्यापक डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी ने कहा कि यूनेस्को ने भी मातृभाषा की महत्ता स्वीकार की है, किसी भी राष्ट्र के विकास में व्यक्ति अपना समुचित योगदान मातृभाषा पर गर्व करके और उसमें काम करके ही दे सकता है।

वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल ने कहा कि मातृभाषा का प्रभाव व्यक्ति के समूचे व्यक्तित्व पर पड़ता हैं। विश्व की लुप्तप्राय मातृभाषाओं को बचाने का प्रयास होना चाहिए।

हिन्दी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. यशेश्वरी ध्रुव ने छत्तीसगढ़ी भाषा के इतिहास एवं उसके सौंदर्य को रेखांकित किया। उन्होंने भोजली गीत, पंथी गीत, गौर गीत की पंक्तियों के माध्यम से छत्तीसगढ़ी भाषा की मनोहारी प्रस्तुति दी। इस अवसर पर "मेरी सपनों की भाषा एवं मातृभाषा" लघु फिल्म >> शेष पृष्ठ 9 पर >

14 नईदुनिया
रायपुर, गुरुवार 22 फरवरी 2018

भाषा, भावनाओं की अभिव्यक्ति का माध्यम

कन्या महाविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर आयोजन

दुर्ग। नईदुनिया प्रतिनिधि

पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। हिन्दी विभाग के तत्वावधान में उक्त कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में छात्राओं ने भी हिस्सा लिया।

आयोजित संगोष्ठी में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि मातृभाषा भावनाओं एवं संवेदनाओं का सबसे बेहतर माध्यम है जिसके जरिए हम कठिन से कठिन विषय वस्तु को आसानी से ग्राह्य कर लेते हैं। उन्होंने कहा कि कई राष्ट्र मातृभाषा के जरिए ही समृद्धि एवं विकास कर पाये है। चीन एवं जापान इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है। डॉ. तिवारी ने कहा कि हमारे देश में अनेकों प्रांतीय भाषाएं हैं जो समृद्ध है, लेकिन संप्रेषण, सहयोग, समन्वय की कमी से वे विस्तारित नहीं हो पायी है। हिन्दी के प्राध्यापक डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी ने कहा कि यूनेस्को ने भी मातृभाषा की महत्ता स्वीकार की है, किसी भी राष्ट्र के विकास में व्यक्ति अपना समुचित योगदान मातृभाषा पर गर्व करके और उसमें काम करके ही दे सकता है। वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डीसी अग्रवाल ने कहा कि मातृभाषा का प्रभाव व्यक्ति के समूचे व्यक्तित्व पर पड़ता है।

कन्या कॉलेज में आयोजन के दौरान उपस्थित प्रोफेसर्स व छात्राएं।

लघु फिल्म भी दिखाई

इस अवसर पर 'मेरी सपनों की भाषा एव मातृभाषा' लघु फिल्म भी दिखाई गयी। कार्यक्रम में कु. तृष्णा नायर तथा कु. तृप्ति नायर ने बांग्ला गीत प्रस्तुत किए तो कुमारी किरण ने छत्तीसगढ़ी गीत अरपा पैरी के धार से प्रभावित किया। ज्योति भरणे ने मराठी गीत 'छुक-छुक गाड़ी' का प्रस्तुति दी। डॉ. ऋचा ठाकुर ने मैथिली कविता सुनाई। कार्यक्रम में डॉ. योगेन्द्र त्रिपाठी ने मोर संग चलो रे गीत प्रस्तुत कर छत्तीसगढ़ी भाषा की बानगी से समारोह को संगीतमय बना दिया।

PRINCIPAL
Govt Dr ... Patankar
Girl's PG. College ...

दैनिक भास्कर

BHILAI-RAIPUR, TUESDAY, 06/02/2018 . 19

सिटी ACTIVITY

कार्यशाला | छात्राओं को रिसर्च प्रोजेक्ट तैयार करने की बताई गई तकनीक

रिसर्च प्रोजेक्ट के लिए सिनोप्सिस और सब्जेक्ट का चयन है सबसे ज्यादा जरूरी : डॉ. माखीजा

सिटी रिपोर्टर। भिलाई

कोई भी रिसर्च के लिए उसका सब्जेक्ट और सिनोप्सिस बहुत जरूरी है। प्रोजेक्ट में इनोवेशन और नई बातों को सबसे पहले लिखना चाहिए। साथ ही रिफरेंस की भी अनदेखी नहीं करना चाहिए। इन तकनीकों का पालन करने से रिसर्च को एक नई ऊंचाई मिलती है और वह जनोपयोगी भी साबित हो सकता है।

गर्ल्स कॉलेज दुर्ग में रिसर्च प्रोजेक्ट पर हुई कार्यशाला में राजनांदगांव के साइंस कॉलेज के प्रोफेसर डॉ. एएन माखीजा ने छात्राओं को बताया कि कॉमर्स में रिसर्च करने की असीम संभावनाएं हैं। इसमें भी शोध की जरूरत है। कॉमर्स में अधिक से अधिक शोध होने से लोगों को कॉमर्शियल चीजों की जानकारी मिलेगी। इसकी बारीकियों को आसानी से समझ सकेंगे। टैक्स, खरीदी, बिक्री, उत्पादन, परिवहन और लाभांश आदि चीजों को बहुत आसानी से समझ सकेंगे। उनकी रुचि इस दिशा में बढ़ेगी।

गर्ल्स कॉलेज की छात्राओं को प्राचार्य डॉ. सुशीलचंद्र तिवारी ने प्रोजेक्ट बनाने से संबंधित कई प्रमुख बातें बताईं। उन्हें इसके फायदे भी बताए गए। इसका उपयोग भी बताया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. शशि कश्यप ने किया।

सिनोप्सिस देखते ही पता चल जाता है का प्रोजेक्ट का सब्जेक्ट

किसी भी रिसर्च प्रोजेक्ट को सामने रखने के पहले उसका सिनोप्सिस पर हमारी नजर पड़ती है। इसके इंडेक्स में विषयवस्तु से संबंधित चीजों को प्वाइंटर के रूप में रखा जाता है। इसमें विषय का प्रस्तावना होता है। इससे उस विषय में शोध करने का उद्देश्य और उसके लिए किए गए काम की जानकारी नक नजर डालते ही मिल जाती है। इसके बाद इसके प्रेजेंटेशन का स्वरूप सामने आता है।

प्रोजेक्ट का इस तरह कर सकते हैं प्रेजेंटेशन

अपनी बातों को प्रमुख बिंदुओं, पाई चार्ट, डाटा बेस, ग्राफ और प्रोजेक्ट में मिले रिजल्ट को एक एक करके प्रस्तुत करना चाहिए। इसका प्रस्तुतिकरण में तकनीकी शब्दों के साथ सामान्य शब्दों का भी उपयोग करने से वह जन सामान्य की समझ में भी जाती है। इसकी वजह से इसकी भाषा सहज और सरल होनी चाहिए। साथ ही इसे आकर्षक तरीके से सजाएं भी। इससे इसे समझने में भी आसानी होती है।

सिर्फ परीक्षा के लिए ही न बनाएं प्रोजेक्ट : डॉ. राठी

वाणिज्य संकाय के अध्यक्ष डॉ. केएल राठी ने कहा कि सिर्फ परीक्षा के लिए ही प्रोजेक्ट न बनाएं, बल्कि ठोस काम करें। प्रोजेक्ट में ठोस काम करने के साथ उसे सीखने और समझने की जरूरत है। रिसर्च प्रोजेक्ट अपनी बातों को रखने की एक प्रक्रिया है। इसके लिए चरणबद्ध तरीके से लिखना होगा।

PRINCIPAL
Govt Dr WW. Patankar
Girl's PG College, Durg (C.G.)

चुनौतियों का डटकर सामना करें: सतीश शर्मा

दुर्ग, 31 जनवरी (देशबन्धु)। शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 'भारत को जानो' विषय पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया।

भारत की संस्कृति, प्राचीन इतिहास को रेखांकित करती इस गोष्ठी के मुख्य वक्ता प्रसिद्ध विचारक एवं वक्ता सतीश शर्मा जी थे। उन्होनें अपने ओजस्वी संबोधन में कहा कि भारत ने दुनिया को बहुत कुछ दिया है लिया कुछ भी नहीं है। उन्होनें सविस्तार चाहे विज्ञान का क्षेत्र हो, तकनीकी का क्षेत्र हो, अंतरिक्ष विज्ञान हो भारत ने विश्व में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया है। भारत में सभी धर्मों का सम्मान होता है। हमारी संस्कृति ने सिखाया है कि हम हर प्राणी की रक्षा करें तथा सभी संस्कृतियों एवं भाषाओं का सम्मान करें। उन्होनें रानी लक्ष्मी बाई, रानी चेनम्मा का उदाहरण देते हुए मातृशक्ति के महती योगदान को रेखांकित किया। उन्होनें आव्हान करते हुए कहा कि हमें भारत को समझने का प्रयास करना है

52

PRINCIPAL
Govt. Dr. W.W. Patankar
Girls P.G. College, Durg

रघुपति राघव राजाराम से गूंजा कैंपस

भिलाई • **कन्या** महाविद्यालय में मंगलवार को शहीद दिवस पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का पुण्य स्मरण किया गया। महाविद्यालय के संगीत विभाग ने इस अवसर पर गीतों भरी श्रद्धांजली कार्यक्रम आयोजित किया। संगीत की छात्राओं ने शहीदों को गीतों के माध्यम से श्रद्धांजली अर्पित की। विभागाध्यक्ष डॉ. मिलिन्द अमृतफले ने वैष्णव जन.. एवं रघुपति राघव राजाराम को प्रस्तुत किया।नेहा साहू ने ऐ वतन तेरे...एवं तृप्ति, तृष्णा, डिगेश्वरी, बबीता के समूह ने मेरा देश रंगीला गीत से शमां बांधा। निखत अंजुम एवं रागेश्वरी ने ऐ मेरे वतन के लोगों गीत को आवाज दी।

PRINCIPAL

देशभक्ति गीतों से बापू का किया पुण्य स्मरण

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में शहीद दिवस पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का पुण्य स्मरण किया गया. महाविद्यालय के संगीत विभाग ने इस अवसर पर गीतो भरी श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया. संगीत विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. मिलिन्द अमृतफले ने वैष्णव जन एवं रघुपति राघव राजाराम को प्रस्तुत कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया. बीएससी भाग-2 की नेहा साहू ने ऐ वतन तेरे लिए गीत प्रस्तुत किया एवं तृप्ति, तृष्णा, डिंगेश्वरी, बबीता के समूह ने मेरा देश रंगीला गीत

से शमां बांधा. निखत अंजुम एवं रागेश्वरी ने ऐ मेरे वतन के लोगो गीत प्रस्तुत किया. महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. व्ही.के. वासनिक एवं डॉ. मुक्ता बांखला ने भी देशभक्ति से ओतप्रोत गीत प्रस्तुत किये. इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य, प्राध्यापक एवं छात्राएं उपस्थित थी. राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में रुचि शर्मा के नेतृत्व में छात्राओं ने परिसर में साफ-सफाई की.

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girls PG

TheHitavada
Thursday ■ January 18 ■ 2018

Annual function of Govt Dr WW Patankar Girls College begins

■ Staff Reporter
DURG, Jan 17

Dignitaries on the dais at annual function of Government Dr WW Patankar Girls College on Wednesday.

"EDUCATION should have social utility. The purpose of education is to make students self reliant and have self respect. It should also instill feeling of co-existence. Presently the tendency is to search for easy way. Hardwork (labour) has great significance in education but modern youth hesitate to do such jobs. Kitchen system is our USP. 125 crore people are fed with its help. In fact western countries have adopted our best and we are accepting their waste. Education does not mean having merely a degree, it should also teach how to lead life", expressed chief guest and Minister Higher Education Prem Prakash Pandey while inaugurating annual function of Government Dr WW Patankar Girls College on Wednesday. The Minister made significant announcement of opening PG classes of History and laboratories for science faculty.

Padma Shree Shamshad Begum was Guest of Honour and Principal Dr Sushil Chandra Tiwari presided over the function. Shamshad Begum said given the opportunity girls by their talent can take the nation to the pinnacle. Daughters are very sensitive; they can give direction to the nation and the society. Future building should be the first priority of daughters. She threw light on noteworthy achievements and problems of girls. All class toppers were felicitated with medals. Books authored by faculty members Dr Nisreen Hussein and Dr Reshma Lakesh were released on the occasion.

This year's annual function theme was 'Hamar (our) Culture'. Fine Arts department organised painting exhibition. Students Union President Suman Kushwaha put up demands of science faculty building, hostel and appointment of faculty members. Dr Richa Thakur conducted the programme and Students Union Secretary Devika proposed a vote of thanks. Variety cultural programmes of folk dances, drama and songs entertained the audience.

52

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG College, Durg (C.G.)

दैनिक भास्कर

BHILAI-RAIPUR, THURSDAY, 18/01/2018 . 19

सिटी ACTIVITY

नृत्य नाटिका | गर्ल्स कॉलेज दुर्ग के वार्षिकोत्सव का आयोजन, छात्राओं ने दी शानदार प्रस्तुति

छेड़खानी और बंदिशों के खिलाफ़ छात्राओं ने बुलंद की आवाज, निडर होने का दिया संदेश

सिटी रिपोर्टर | भिलाई

रास्ते से जाते समय होने वाली छेड़खानी की घटनाओं और छात्राओं पर आम तौर पर लगाई जाने वाली बंदिशों पर गुस्सा दिखाते हुए गर्ल्स कॉलेज दुर्ग की छात्राओं द्वारा नृत्य नाटिका प्रस्तुत की गई। जिसमें दृश्य दिखाया गया कि छेड़खानी होने पर छात्रा सहम जाती है। इस पर गीत द्वारा कहा गया कि अपना चरित्र ऊंचा कर दुष्टों का संहार करो। साथ ही लगाई जाने वाली बंदिशों को बेड़ियों के रूप दिखाकर इसे तोड़ने की सलाह दी। जिसमें पढ़ाई न करने देने के साथ ही दूसरी चीजें भी शामिल की गई थीं।

गर्ल्स कॉलेज दुर्ग का वार्षिकोत्सव बुधवार को आयोजित किया गया। कॉलेज से सभी विभाग से स्टूडेंट्स ने इसमें अपनी प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मंत्री प्रेमप्रकाश पांडेय उपस्थित थे। विशिष्ट अतिथि पद्मश्री शमशाद बेगम थीं। कार्यक्रम के दौरान प्राचार्य डॉ. सुशील तिवारी ने भी छात्राओं का मार्गदर्शन किया। डॉ. ऋचा ठाकुर, डॉ. डीसी अग्रवाल, डॉ. केएल राठी, अनुजा चौहान सहित अन्य शिक्षक और छात्राएं भी कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित थीं।

गर्ल्स कॉलेज में आयोजित वार्षिकोत्सव में प्रस्तुति देती छात्राएं।

माता के नौ रूपों से सशक्तिकरण का दिया संदेश

मां शैल पुत्री, ब्रह्मचारिणी और कात्यायनी सहित नौ रूपों की प्रस्तुति छात्राओं द्वारा दी गई। कहीं न कहीं इस नृत्य के माध्यम से छात्राओं द्वारा महिला सशक्तिकरण का संदेश भी प्रतीत हो रहा था। कार्यक्रम में स्टेज को हमर कल्चर की थीम पर सजाया गया था। जिसमें छत्तीसगढ़ की पारंपरिक वेशभूषा में ढोल बजाते हुए और नृत्य करते हुए पोस्टर लगाया गया था। इंडो वेस्टर्न थीम पर फैशन शो का भी आयोजन किया गया था।

मंत्री पांडेय गेस्ट के रूप में शामिल हुए

पंथी नृत्य की भी प्रस्तुति दी।

सत्यमेव जयते का संगीत और हास्य नाटिका में घूमते जग ने दर्शकों को खूब हंसाया

संगीत विभाग की छात्राओं द्वारा सत्य मेव जयते पर गीत प्रस्तुत किया गया। इसी के साथ एक हास्य नाटिका की प्रस्तुति भी दी गई। जिसमें विभिन्न गानों पर मजाक छात्राओं ने किया। जैसे की जग घुमया गीत पर जग को घुमाते दिखाया। पागल की एक्टिंग करती एक छात्रा को देख सामी ने खूब ठहाके लगाए। कार्यक्रम में मौजूद अतिथियों ने बच्चों को संबोधित किया। इस दौरान कॉलेज की प्राचार्या ने बताया कि वे एक योजना चला रहे हैं। जिसमें हर शिक्षक एक छात्रा का सारा खर्च वहन करेंगे। गरीब छात्राओं के लिए ये किया गया है।

पढ़ाई व कौशल विकास पर भी दें ध्यानः मंत्री पांडेय

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि केबिनेट मंत्री प्रेमप्रकाश पांडेय थे। उन्होंने कहा कि स्टूडेंट्स पढ़ाई के साथ ही कौशल विकास पर भी ध्यान दें। मेहनत करने पर ही सफलता मिलेगी। साथ ही कॉलेज में इतिहास विषय का पीजी शुरू करने पर सहमति दी। कॉलेज प्राचार्य ने बताया कि सभी शिक्षकों ने मोर नोनी योजना चला रहे है।

स्टूडेंट्स ने पंथी नृत्य में दिखाए करतब

कॉलेज की छात्राओं के द्वारा पंथी नृत्य की प्रस्तुति दी गई। जिसमें छात्राओं ने एक से बढ़कर एक करतब दिखाए। जब-जब वे करतब दिखाते पूरा कार्यक्रम स्थल तालियों से गूंज उठता। साथ ही अंजू गायकवाड़ ने सखी रे सखी गीत पर अपनी प्रस्तुति दी। शिव तांडव और भरतनाट्यम भी इस दौरान देखने को मिला।

PRINCIPAL
Govt. Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

गर्ल्स कॉलेज में

कड़ी मेहनत व लगन से मिलती है मंजिल :– उमेश साहू

Govt. Dr. V.V. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2212207 फैक्स 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 12.01.2018

प्रेस विज्ञप्ति

गर्ल्स कॉलेज में

कड़ी मेहनत व लगन से मिलती है मंजिल :– उमेश साहू

शासकीय डॉ. वा. वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर सामान्य ज्ञान पर आधारित "ओपन क्वीज" प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि "कौन बनेगा करोड़पति" के प्रतिभागी भिलाई स्टील प्लांट के डिप्टी मैनेजर श्री उमेश कुमार साहू थे। इस कार्यक्रम में नक्सल प्रभावित क्षेत्र के वे बच्चे भी शामिल हुए जिनकी शिक्षा की जिम्मेदारी उमेश साहू जी ने ली है।

अपने संबोधन में उन्होनें छात्राओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि सतत् मेहनत और लगन से लक्ष्य की प्राप्ति होती है। अर्जुन की तरह लक्ष्य को फोकस करना ही सफलता का मूलमंत्र है।

उन्होनें कौन बनेगा करोड़पति में अपनी सफलता के अनुभव भी सांझा किए वहीं नक्सल प्रभावित बच्चों की शिक्षा के लिए किए जा रहे प्रयासों की भी जानकारी दी। उन्होनें बताया कि जीती गई 12 लाख 50 हजार की राशि वे इन बच्चों की आवास व्यवस्था पर खर्च करेगें।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने बताया कि इस क्वीज स्पर्धा का आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में सामान्य ज्ञान के प्रति रूचि पैदा करना तथा उन्हें अपने देश, राज्य की संस्कृति से परिचित करना है।

क्वीज स्पर्धा का संचालन डॉ. डी.सी. अग्रवाल ने किया अपने चिरपरिचित अंदाज में किया। इस प्रतियोगिता में विकल्प राउंड, विजुअल एवं ऑडियो राउंड के अंतर्गत प्रोजेक्टर के माध्यम से प्रश्न पूछे गए थे जिसमें सही उत्तर देने वाली छात्रा को तत्काल पुरस्कार प्रदान किये गये। प्रश्नों में विभिन्न राज्यों की प्रसिद्ध इमारतों, राष्ट्रीय स्तर के ख्यातिप्राप्त व्यक्तियों के विषय में पूछा गया तो वहीं संगीत, फिल्म एवं खेल से भी रोचक प्रश्नों की श्रृंखला थी।

इस प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में छात्राओं ने भागीदारी की व पुरस्कार जीते। महाविद्यालय की ओर से प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने उमेश साहू जी को स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस अवसर पर प्राध्यापक, छात्रायें एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

(डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2212207 फैक्स 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 12.01.2018

<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

गर्ल्स कॉलेज में

कड़ी मेहनत व लगन से मिलती है मंजिल :– उमेश साहू

शासकीय डॉ. वा. वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर सामान्य ज्ञान पर आधारित "ओपन क्वीज" प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि "कौन बनेगा करोड़पति" के प्रतिभागी भिलाई स्टील प्लांट के डिप्टी मैनेजर श्री उमेश कुमार साहू थे। इस कार्यक्रम में नक्सल प्रभावित क्षेत्र के वे बच्चे भी शामिल हुए जिनकी शिक्षा की जिम्मेदारी उमेश साहू जी ने ली है।

अपने संबोधन में उन्होनें छात्राओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि सतत् मेहनत और लगन से लक्ष्य की प्राप्ति होती है। अर्जुन की तरह लक्ष्य को फोकस करना ही सफलता का मूलमंत्र है।

उन्होनें कौन बनेगा करोड़पति में अपनी सफलता के अनुभव भी सांझा किए वहीं नक्सल प्रभावित बच्चों की शिक्षा के लिए किए जा रहे प्रयासों की भी जानकारी दी। उन्होनें बताया कि जीती गई 12 लाख 50 हजार की राशि वे इन बच्चों की आवास व्यवस्था पर खर्च करेगें।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने बताया कि इस क्वीज स्पर्धा का आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में सामान्य ज्ञान के प्रति रूचि पैदा करना तथा उन्हें अपने देश, राज्य की संस्कृति से परिचित करना है।

क्वीज स्पर्धा का संचालन डॉ. डी.सी. अग्रवाल ने किया अपने चिरपरिचित अंदाज में किया। इस प्रतियोगिता में विकल्प राउंड, विजुअल एवं ऑडियो राउंड के अंतर्गत प्रोजेक्टर के माध्यम से प्रश्न पूछे गए थे जिसमें सही उत्तर देने वाली छात्रा को तत्काल पुरस्कार प्रदान किये गये। प्रश्नों में विभिन्न राज्यों की प्रसिद्ध इमारतों, राष्ट्रीय स्तर के ख्यातिप्राप्त व्यक्तियों के विषय में पूछा गया तो वहीं संगीत, फिल्म एवं खेल से भी रोचक प्रश्नों की श्रृंखला थी।

इस प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में छात्राओं ने भागीदारी की व पुरस्कार जीते। महाविद्यालय की ओर से प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने उमेश साहू जी को स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस अवसर पर प्राध्यापक, छात्रायें एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

(डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2212207 फैक्स 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 10.01.2018

प्रेस विज्ञप्ति

गर्ल्स कॉलेज में

बिखेरी छत्तीसगढ़ी व्यंजनों की खुशबू और भारतीय संस्कृति की छटा

शासकीय डॉ. वा. वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में वार्षिक प्रतियोगिताओं के अन्तर्गत "छत्तीसगढ़ी व्यंजन स्पर्धा का आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं ने आंचलित नमकीन एवं मीठे व्यंजनों की खुशबू परिसर में बिखेर दी। प्रभारी प्राध्यापक डॉ. सीमा अग्रवाल ने जानकारी दी कि नमकीन व्यंजनों की श्रृंखला में छात्राओं ने फरा, हराभरा गोजा, ठेठरी, चीला, चौसेला, अंगाकर रोटी, सोहारी को बड़े सुंदर तरीके से प्रस्तुत किया।

मीठे व्यंजनों ने तो सभी के मुंह में पानी लाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। तसमई, दूधफरा, खुरमी, अरसा, लड्डू की प्रस्तुति बेहतरीन रही।

इसी श्रृंखला में 'दुल्हन सजाओ प्रतियोगिता' में छात्राओं ने देश के विभिन्न प्रांतों की झलकियाँ मंच में प्रस्तुत की।

प्रतियोगिता प्रभारी डॉ. बबीता दुबे ने बताया कि हमारी संस्कृति एवं सभ्यता के अनुसार विभिन्न अंचलों में दुल्हन के श्रृंगार की कई विधाएँ प्रचलित है। पश्चिम बंगाल और असम मेघालय के परिधान व श्रृंगार की अलग सुंदरता है तो दक्षिण भारत और गुजरात की बानगी देखते ही बनती है। छात्राओं ने विभिन्न सभी प्रांतों की झलक प्रस्तुत कर खूब वाहवाही लूटी। उत्तर और दक्षिण की संस्कृति और पूरब का श्रृंगार प्रस्तुत करते हुए बड़ी संख्या में छात्राओं ने इस प्रतियोगिता में हिस्सा लिया।

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

(डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG College, Durg (C.G.)

शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

गर्ल्स कॉलेज में

बिखेरी छत्तीसगढ़ी व्यंजनों की खुशबू और भारतीय संस्कृति की छटा

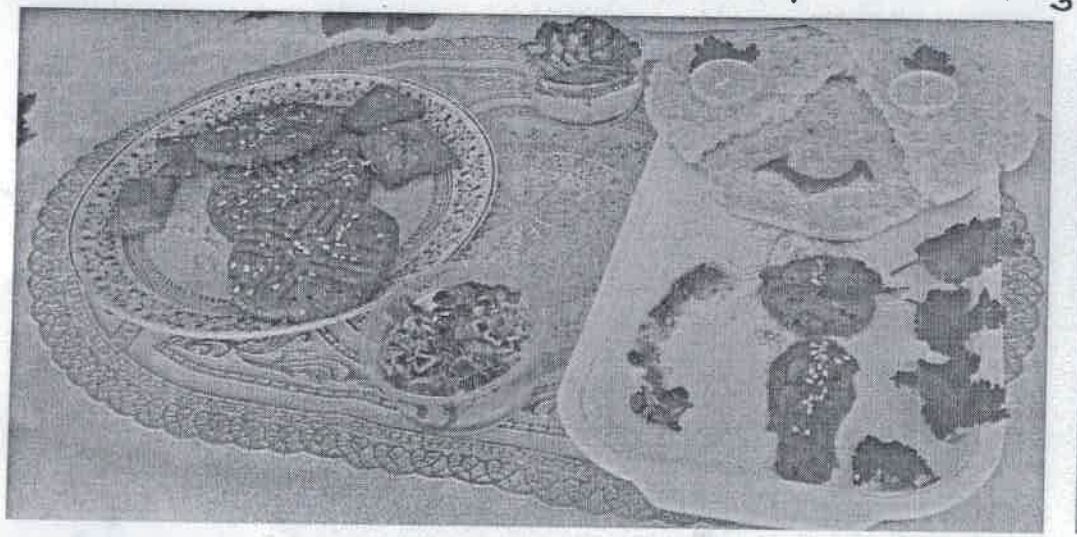

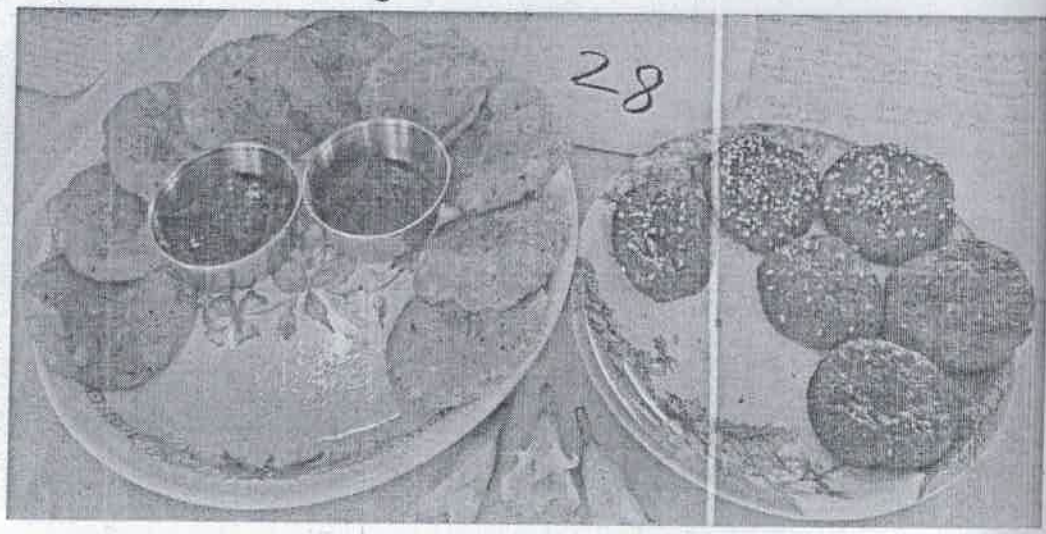

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girls PG. College Durg (C.G.)

शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

गर्ल्स कॉलेज में

परिचर्चा और वाद–विवाद में छात्राओं ने रखे अपने विचार

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG College, Durg (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2212207 फैक्स 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 09.01.2018

प्रेस विज्ञप्ति

गर्ल्स कॉलेज में

परिचर्चा और वाद–विवाद में छात्राओं ने रखे अपने विचार

शासकीय डॉ. वा. वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय की वार्षिक स्पर्धाओं के अन्तर्गत परिचर्चा एवं वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। परिचर्चा का विषय – "वर्तमान में महिला सुरक्षा पहली प्राथमिकता होनी चाहिए" था।

जिस पर चर्चा में भाग लेते हुए छात्राओं ने एक ओर जहां सुरक्षा व्यवस्था में सुधार की जरूरत बतलाई वहीं उन सामाजिक, मानसिक, आर्थिक कारणों को भी प्रस्तुत किया जो होने वाली घटनाओं के लिए जिम्मेदार है।

बी.एससी. भाग–2 की निशी जैन कहती है कि महिलाएं सशक्त है बस सोच बदलने की जरूरत है। बी.कॉम. भाग–2 की राजेशवरी चौधरी का मानना है कि प्रदेश में महिला सुरक्षा के बेहतर उपाय किए गए है। रक्षाटीम के साथ ही हेल्पलाईन सेवा के जरिए प्रयास किए गए है।

एम.ए. अर्थशास्त्र की सबा मरियम कहती है कि सड़क में ही सुरक्षा नहीं बल्कि महिला को घर में समाज में सुरक्षा मिलनी चाहिए। उन्हें आर्थिक सुरक्षा मन से दी जानी चाहिए। मरियम कहती है ग्रामीण महिलाओं का शिक्षित होना सबसे जरूरी है।

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर की नेहा साहू बढ़ती अत्याचार और बालात्कार की घटनाओं का जिक्र करते हुए कहती है कि महिला के अंदर सुरक्षित होने की भावना जगानी होगी वरना आज तक हर पहलु पर महिला संघर्ष ही करती रह जाएगी।

छात्राओं ने परिचर्चा में बड़ी संख्या के हिस्सेदारी की जिससे इस विषय पर सकारात्मक विचार प्रस्तुत हुए।

वाद–विवाद प्रतियोगिता भी बड़ी रोचक रही "इस सदन की राय में प्रदेश में छात्रसंघ में मनोनयन बेहतर है। विषय पर छात्राओं ने जहाँ इस विषय की पुरजोर वकालत की वहीं विपक्षी छात्राओं ने इसे बिल्कुल नहीं स्वीकारा।

पूर्व छात्रसंघ उपाध्यक्ष रही कु. नेहा साहू ने कहा कि देश की राजनीति में युवाओं की भागीदारी अति आवश्यक है और इसे सभी स्वीकारते हैं तब छात्रसंघ में इसे क्यों दूर किया जा रहा है। छात्रसंघ चुनाव से ही राजनीति में नये नेतृत्व आते है।

कु. अनिता यादव इसे सिरे से खारिज करती है कहती है कि छात्रसंघ चुनाव के बाद की परिस्थितियाँ किसी से छिपी नहीं है। ज्ञान का मंदिर जंग का अखाड़ा बन जाता है। जिससे पढ़ाई के साथ ही परिसर का पूरा वातावरण वैमनस्यता भरा हो जाता है।

कु. जुबैदा कहती है जरूरी नहीं उच्च अंकों वाला नेतृत्व में भी अव्वल हों। घर से बाहर न निकलने वाला पढ़ाकू पूरे समूह का बेहतर नेतृत्व करने लगेगा ऐसा सोचना गलत है।

बी.एससी. भाग–3 की सिमरन राजपूत ने भी छात्रसंघ चुनाव के मनोनयन पर ऐतराज जताते हुए सही नेतृत्व के लिए मतदान प्रणाली को उपयुक्त बताया। एम.ए. की सबा मरियम ने मनोनयन पद्धति को बेहतर बताते हुए कहा कि मेधावी विद्यार्थियों को भी अवसर दिया जाना प्रशंसनीय कदम है।

प्रतियोगिता का संचालन डॉ. यशेश्वरी ध्रुव ने किया। महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित थी।

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

(डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य

Govt. Dr. W.W. Patankar Girl's PG. College, Durg (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2212207 फैक्स 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 09.01.2018

प्रेस विज्ञप्ति
गर्ल्स कॉलेज में

राष्ट्रीय युवा महोत्सव के लिए 'रूचि' चयनित

शासकीय डॉ. वा. वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय की एम.कॉम. तृतीय सेमेस्टर की छात्रा कु. रूचि शर्मा का चयन राष्ट्रीय युवा महोत्सव के लिए हुआ है।

प्रतिवर्ष स्वामी विवेकानन्द की जन्मतिथि पर युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर युवा महोत्सव का आयोजन किया जाता है जिसमें देश के सभी प्रांतों से विभिन्न विधाओं एवं संगठनों से युवाओं का चयन किया जाता है।

इस वर्ष 12 जनवरी 2018 से 16 जनवरी 2018 तक राष्ट्रीय युवा महोत्सव गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय ग्रेटर नोयडा में आयोजित किया जा रहा है जिसमें भाग लेने प्रदेश के युवाओं की टीम रवाना हो गयी है।

कु. रूचि शर्मा महाविद्यालय की पूर्व छात्रसंघ रही है साथ ही वे राष्ट्रीय सेवा योजना, स्वीप कार्यक्रम में सक्रियता से जुड़ी है। रूचि को महाविद्यालय का जेण्डर चैम्पियन भी नियुक्त किया गया है। कु. रूचि ने छात्राओं का एक कस्तूरबा समूह गठित किया है जो ग्रामीण क्षेत्रों तथा झोपड़पट्टी इलाकों में जाकर सेवा कार्य एवं बच्चों की शिक्षा के लिए मदद करता है।

रूचि का चयन नेहरू युवा केन्द्र संगठन द्वारा किया गया है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल तथा प्राध्यापकों एवं छात्राओं ने उन्हें बधाई दी है।

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

(डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य

PRINCIPAL
Govt Dr WW. Patankar
Girls PG College, Durg (C.G.)

दैनिक भास्कर

BHILAI-RAIPUR, SATURDAY, 23/12/2017 . 21

यूथ स्पॉर्कः स्टूडेंट्स ने बताई सरकार की बेस्ट स्कीम और प्रदेश के टॉप टूरिस्ट स्पॉट

सिटी रिपोर्टर | भिलाई

गर्ल्स कॉलेज दुर्ग में प्रदेश सरकार के 14 वर्षों की उपलब्धियों एवं विकास क मौके पर यूथ स्पॉर्क का आयोजन किया गया। इसका थीम दिया गया खेलेगा छत्तीसगढ़, जीतेगा छत्तीसगढ़। प्रतियोगिता के पहले चरण में कॉलेज स्तर पर चयन स्पर्धा आयोजित हुई। इसमें सुबह 11 बजे से 11.15 बजे तक स्टूडेंट्स को चार विषयों में से किसी एक विषय में अधिकतम 10 वाक्य लिखना था।

यह प्रतियोगिता 5 चरणों में होगी। इसका अंतिम चरण 8 जनवरी को होगा। द्वितीय चरण से पांचवे चरण की प्रतियोगिता चयनित (क्वालीफाई) विद्यार्थियों के मध्य स्मार्ट फोन से होगी। प्रतियोगिता के अंतिम चरण में विजेता को प्रथम पुरस्कार 51000 रुपए, द्वितीय 31000 रुपए तथा तृतीय पुरस्कार 21000 रुपए दिया जाएगा। इसी तरह तृतीय एवं चतुर्थ चरण में भी पुरस्कार दिए जाएगा। शुक्रवार को प्रतियोगिता में कन्या महाविद्यालय की 368 छात्राओं ने हिस्सा लिया। स्पर्धा में डॉ. डीसी अग्रवाल, डॉ. केएल राठी, डॉ. ऊषा चंदेल, डॉ. शशि कश्यप समेत अन्य मौजूद रहें।

गर्ल्स कॉलेज दुर्ग में यूथ स्पॉर्क का आयोजन हुआ।

योजनाओं को जानने के लिए स्पर्धा

कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुशीलचंद्र तिवारी ने कहा कि कॉलेज से प्रत्येक विषय से श्रेष्ठ 05 प्रतिभागियों को द्वितीय चरण में प्रवेश मिलेगा। स्पर्धा के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रतियोगिता विद्यार्थियों को अपने राज्य के विषय में जानने तथा शासन की योजनाओं से परिचित होने का सशक्त माध्यम है।

इन विषयों पर स्टूडेंट्स ने लिखे विचार

- छग का कौन सा पर्यटन स्थल आपको प्रिय है?
- शासन की कौन सी योजना आपको सर्वाधिक महत्वपूर्ण लगती है? और क्यों?
- राज्य के किस व्यक्तित्व से आप प्रेरित होते हैं?
- सरकार ने विकास की दृष्टि से देश में सर्वोच्च स्थान पर पहुंचाया है?

52

Govt ... Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2212207 फैक्स 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 22.12.2017

प्रेस विज्ञप्ति

गर्ल्स कॉलेज में

'यूथ स्पार्क' प्रतियोगिता में छात्राओं का उमड़ा उत्साह

शा. डॉ. वा. वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में छत्तीसगढ़ शासन की 14 वर्षों की उपलब्धियों एवं विकास पर 'यूथ स्पार्क .... खेलेगा छत्तीसगढ़, जितेगा छत्तीसगढ़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता का प्रथम चरण महाविद्यालयीन स्तर पर चयन स्पर्धा के रूप में आज संपन्न हुआ। इसमें प्रातः 11:00 से 11:15 बजे तक विद्यार्थी चार विषयों में से किसी एक विषय में अधिकतम 10 वाक्य कक्षा में लिखकर जमा करना था। जो विषय निर्धारित किए गए थे उनमें

- छत्तीसगढ़ राज्य का कौन सा पर्यटन स्थल आपको प्रिय है और क्यों?
- छत्तीसगढ़ शासन की कौन सी जनकल्याणकारी योजना आपको सर्वाधिक महत्वपूर्ण लगती है? और क्यों?
- छत्तीसगढ़ राज्य के किस व्यक्तित्व से आप प्रेरित होते है?
- छत्तीसगढ़ सरकार ने छ.ग. राज्य को विकास की दृष्टि से देश में सर्वोच्च स्थान पर पहुँचाया है आप सहमत है?

सम्पूर्ण प्रतियोगिता 5 चरणों में होगी जिसका अंतिम चरण 8 जनवरी को होगा। द्वितीय चरण से पांचवे चरण की प्रतियोगिता चयनित (क्वालीफाई) विद्यार्थियों के मध्य स्मार्ट फोन से होगी। इस प्रतियोगिता के अंतिम चरण में विजेता को प्रथम पुरस्कार 51000रू. द्वितीय 31000रू. तथा तृतीय पुरस्कार 21000रू. दिया जावेगा। इसी तरह तृतीय एवं चतुर्थ चरण में भी पुरस्कार दिए जावेगें। आज इस प्रतियोगिता में कन्या महाविद्यालय की 368 छात्राओं ने हिस्सा लिया।

प्रतियोगिता संचालन के नियुक्त नोडल अधिकारी डॉ. ऋचा ठाकुर ने जानकारी दी कि छात्राओं में इस प्रतियोगिता के लिए काफी दिनों से उत्साह का वातावरण था और आज उन्होनें बढ़–चढ़ करके भाग लिया।

महाविद्यालय से प्रत्येक विषय से श्रेष्ठ 05 प्रतिभागियों को द्वितीय चरण में प्रवेश मिलेगा। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने इस प्रतियोगिता के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह प्रतियोगिता विद्यार्थियों को अपने राज्य के विषय में जानने तथा शासन की कल्याणकारी योजनाओं से परिचित होने का सशक्त माध्यम है जिससे वे जागरूकता अभियान के जरिए आमजन तक पहुंचाएं।

प्रतियोगिता के सफल संचालन में डॉ. डी.सी.अग्रवाल, डॉ. के.एल. राठी, डॉ. ऊषा चंदेल, डॉ. शशि कश्यप का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

(डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य

पत्रिका PLUS
Bhilai . Wednesd
20/12/20
ertainment
citylive

पढ़ते वक्त रीढ़ की हड्डी सीधी रखें, नहीं भूलेंगे पढ़ा हुआ, लेटकर या गलत बैठकर पढ़ने से याद नहीं रहेगा सबकुछ

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

भिलाई • मंगलवार को कन्या महाविद्यालय, दुर्ग में विद्यार्थियों को परीक्षा के भय को दूर करने व पढ़ाई का सही तरीका समझाने व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता सुप्रसिद्ध सायकोलॉजिस्ट डॉ. केसी भगत थे। उन्होंने कहा कि परीक्षा के समय विद्यार्थियों के भीतर डर बैठ जाता है, जिसके बहुत से कारण है। परीक्षा में सफलता हमारी स्मरण शक्ति पर निर्भर करती है। हमारी एकाग्रता, हमारी स्मरण शक्ति इस पर निर्भर करती है कि हम पढ़ाई कैसे करते है। उन्होंने बताया कि पढ़ाई के समय सीधे बैठे, रीढ़ की हड्डी सीधी होनी चाहिए। विभिन्न असहज मुद्राओं में बैठकर पढ़ने से हमारा मस्तिष्क उतनी फुर्ती से विषय-वस्तु ग्रहण नहीं कर पाता। डॉ. भगत के अनुसार रात को देर तक जागकर पढ़ने की तुलना में सुबह जल्दी उठकर पढ़ना ज्यादा बेहतर होता है। । पढ़ाई के तरीकों में लिखकर पढ़ना और समूह में पढ़ने से फायदें हैं। व्याख्यान में छात्राओं ने पढ़ाई से संबंधित कई प्रश्न भी पूछे जिनका समाधान डॉ. भगत ने किया।

छात्राओं ने पूछा, पढ़ते वक्त क्यों आती है नींद

अपने बीच विशेषज्ञ को पाकर छात्राओं ने सवालों की बौछार कर दी। एक छात्रा ने पूछा कि, एकाग्रता लाने के लिए क्या चाहिए? जबकि एक छात्रा ने सवाल किया, पढ़ने के वक्त नींद आने लगती है, ऐसे में क्या करें? पढ़ा हुआ जल्दी भूल जाते हैं? और उतने नंबर नहीं मिलते जितनी ज्यादा पढ़ाई करते हैं? डॉ. भगत ने छात्राओं को एकाग्रता के तरीके, याद करने की विधियां और परीक्षा के वक्त खान-पान का ध्यान

टाइम मैनेजमेंट भी जरूरी

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि परीक्षा के लिए तैयारी में टाइम मैनेजमेंट अहम भूमिका निभाता है। समयबद्ध तरीके से पढ़ाई और लिखकर उसका अभ्यास जरूरी है। इस अवसर पर वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डीसी अग्रवाल, डॉ. अमिता सहगल, डॉ. रेशमा लाकेश, डॉ. अंकिता भगत मौजूद रहीं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. तृप्ति बाला ने किया।

16 नईदुनिया
रायपुर, बुधवार 20 दिसंबर 2017

परीक्षा के भय को दूर करने दिए टिप्स

दुर्ग के पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में विद्यार्थियों के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया

परीक्षा से डरें नहीं, पढ़ने का तरीका सीखें

दुर्ग। नईदुनिया प्रतिनिधि

पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में विद्यार्थियों को परीक्षा के भय को दूर करने तथा पढ़ाई कैसे करें पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। परीक्षा के समय विद्यार्थियों के भीतर भय व्याप्त हो जाता है, इन कारणों पर फोकस किया गया।

व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में सायकोलॉजिस्ट डॉ.केसी भगत थे। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि परीक्षा के समय विद्यार्थियों के भीतर भय व्याप्त हो जाता है, जिसके बहुत से कारण है। परीक्षा में सफलता हमारी स्मरणशक्ति पर निर्भर करती है। हमारी एकाग्रता, हमारी स्मरणशक्ति इस पर निर्भर करती है कि हम पढ़ाई कैसे करते है। उन्होंने बताया कि पढ़ाई के समय सीधे बैठे, रीढ़ की हड्डी सीधी होनी चाहिए। विभिन्न असहज मुद्राओं में बैठकर पढ़ने से हमारा मस्तिष्क उतनी फुर्ती से विषय-वस्तु ग्रहण नहीं कर पाता। डॉ. भगत के अनुसार प्रातः काल पढ़ना ज्यादा श्रेयस्कर होता है। रात्रि को देर तक जागकर पढ़ने की तुलना में। पढ़ाई के तरीकों में लिखकर पढ़ना और समूह में पढ़ने से फायदे हैं।

सोमवार को पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में व्याख्यान के दौरान उपस्थित छात्राएं। फोटो : नईदुनिया

पढ़ाई से संबंधित प्रश्न भी पूछे

व्याख्यान में छात्राओं ने पढ़ाई से संबंधित कई प्रश्न भी पूछे जिनका समाधान डॉ. भगत ने किया। छात्राओं ने पूछा एकाग्रता कैसे लाएं? पढ़ने के वक्त नींद आने लगती है। पढ़ा हुआ जल्दी भूल जाते हैं? और उतने नंबर नही मिलते जितनी ज्यादा पढ़ाई करते हैं। डॉ. भगत ने छात्राओं को एकाग्रता के तरीके, याद करने की विधियां तथा परीक्षा के वक्त खान-पान का ध्यान रखने की सलाह दी। अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य डॉ. सुशीलचन्द तिवारी ने कहा कि परीक्षा के लिए तैयारी में टाईम मैनेजमेंट अहम भूमिका निभाता है। समयबद्ध तरीके से पढ़ाई तथा लिखकर उसका अभ्यास जरूरी है। वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ.डीसी अग्रवाल, डॉ. अमिता सहगल, डॉ. रेशमा लाकेश, डॉ. अंकिता भगत सहित छात्राएं उपस्थित थी।

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2212207 फैक्स 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 19.12.2017

प्रेस विज्ञप्ति

गर्ल्स कॉलेज में व्याख्यान
परीक्षा से डरें नहीं पढ़ने का तरीका सीखें :– डॉ. भगत

शा. डॉ. वा. वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में विद्यार्थियों को परीक्षा के भय को दूर करने तथा पढ़ाई कैसे करें पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

मुख्य वक्ता सुप्रसिद्ध सायकोलॉजिस्ट डॉ. के.सी. भगत थे। उन्होनें अपने उद्‌बोधन में कहा कि परीक्षा के समय विद्यार्थियों के भीतर भय व्याप्त हो जाता है जिसके बहुत से कारण है। परीक्षा में सफलता हमारी स्मरणशक्ति पर निर्भर करती है। हमारी एकाग्रता, हमारी स्मरणशक्ति इस पर निर्भर करती है कि हम पढ़ाई कैसे करते है। उन्होनें बताया कि पढ़ाई के समय सीधे बैठे, रीढ़ की हड्डी सीधी होनी चाहिए। विभिन्न असहज मुद्राओं में बैठकर पढ़ने से हमारा मस्तिष्क उतनी फुर्ती से विषय–वस्तु ग्रहण नहीं कर पाता। डॉ. भगत के अनुसार प्रातः काल पढ़ना ज्यादा श्रेयस्कर होता है रात्रि को देर तक जागकर पढ़ने की तुलना में। पढ़ाई के तरीकों में लिखकर पढ़ना और समूह में पढ़ने से फायदे है।

व्याख्यान में छात्राओं ने पढ़ाई से संबंधित कई प्रश्न भी पूछे जिनका समाधान डॉ. भगत ने किया।

छात्राओं ने पूछा एकाग्रता कैसे लायें? पढ़ने के वक्त नींव आने लगती है? पढ़ा हुआ जल्दी भूल जाते हैं? और उतने नंबर नहीं मिलते जितनी ज्यादा पढ़ाई करते हैं?

डॉ. भगत ने छात्राओं को एकाग्रता के तरीके, याद करने की विधियाँ तथा परीक्षा के वक्त खान–पान का ध्यान रखने की सलाह दी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि परीक्षा के लिए तैयारी में टाईम मेनेजमेंट अहम भूमिका निभाता है। समयबद्ध तरीके से पढ़ाई तथा लिखकर उसका अभ्यास जरूरी है। इस अवसर पर वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल, डॉ. अमिता सहगल, डॉ. रेशमा लाकेश, डॉ. अंकिता भगत सहित छात्राएँ उपस्थित थी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. तृप्ति बाला ने किया।

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

(डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG College, Durg (C.G.)

रविवार 17 दिसंबर को दोपहर
दुर्ग ग्रामीण, भिलाई नगर, भिलाई
...ण उपस्थित रहेंगे.

नवभारत 5
www.navabharat.org

गर्ल्स कॉलेज की छात्राओं ने देखी संयंत्र में स्टील उत्पादन

इस्पात बनते देख रोमांचित हुई छात्राएं

दुर्ग. शा. डॉ. वा. वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग की छात्राओं का एक दल भिलाई इस्पात संयंत्र के भ्रमण के लिये गया. भ्रमण उपरांत छात्राओं ने अपने अनुभवों द्वारा इस्पात संयंत्र की विभिन्न गतिविधियों का एवं लोहे को फौलाद बनाने की निर्माण विधि की जानकारी विभाग को प्रस्तुत की.

भ्रमण में शामिल छात्राएं

छात्राओं को सहा. महाप्रबंधक जे.एन. ठाकुर एवं उनकी टीम ने संयंत्र की विभिन्न गतिविधियों से छात्राओं को रूबरू कराया. छात्राओं ने संयंत्र के अन्दर रेल एवं स्ट्रक्चर मिल का अवलोकन किया, जहां 13, 26, 78 एवं 260 मीटर की रेलपातें बनती है. इस मिल से इतनी रेलपातों का उत्पादन हो चुका है जिससे पूरे विश्व को 10 बार लपेटा जा सकता है. छात्राओं ने मिल के प्रभारी अधिकारी से विभिन्न देशों में निर्यात होने वाले रेलपातों के बारे में भी जानकारी ली. जम्मू से बारामूला के बीच 345 कि.मी. का रेलमार्ग यहां की पटरियों से ही बना है. छात्राओं ने प्लेट मील का भी अवलोकन किया, जहां छात्राओं को बताया गया कि यहां निर्मित प्लेटें जहाज निर्माण में प्रयुक्त होती है. अधिकारियों ने बताया कि भारत द्वारा निर्मित आईएनएस कोमॉर्ट नामक एन्टीसबमेरिन में भिलाई का ही लोहा लगा है.

भ्रमण दल को कोक ओवन एवं ब्लास्ट फर्नेंज को भी नजदीक से देखने का मौका मिला. मिट्टी के ढेर में समाया लोहा कैसे फौलाद का रूप लेता है यह देखकर छात्राएं बड़ी रोमांचित हुई. संयंत्र के अधिकारियों ने बताया कि यहां के लिए कच्चा लोहा दल्लीराजहरा से तथा लाईम स्टोन नंदनी माईन से तथा डोलोमाईट हिर्री माईंस से प्राप्त होता है. छात्राओं ने भिलाई इस्पात संयंत्र का भ्रमण डॉ. डीसी अग्रवाल एवं डॉ. सीमा अग्रवाल के नेतृत्व में किया.

भिलाई हरिभूमि 18

लोहे को पिघलते व आकार लेता देख रोमांचित हुई छात्राएं

हरिभूमि न्यूज ▸▸। दुर्ग

- कन्या महाविद्यालय की छात्राओं ने किया बीएसपी भ्रमण

कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग की छात्राओं का एक दल भिलाई इस्पात संयंत्र के भ्रमण के लिये गया। भ्रमण उपरांत छात्राओं ने अपने अनुभवों के द्वारा इस्पात संयंत्र की विभिन्न गतिविधियों का एवं लोहे को फौलाद बनाने की निर्माण विधि की जानकारी विभाग को प्रस्तुत की।

छात्राओं को सहायक महाप्रबंधक जेएन ठाकुर एवं उनकी टीम ने संयंत्र की विभिन्न गतिविधियों से छात्राओं को रूबरू कराया। छात्राओं ने संयंत्र के अन्दर रेल एवं स्ट्रक्चर मिल का अवलोकन किया जहां 13, 26, 78 एवं 260 मीटर की रेलपातें बनती है। प्रभारी ने बताया कि लगभग 32 देशों में यहां की बनी रेलपातें निर्यात होती है। जम्मू से बारामूला के बीच 345 किमी का रेलमार्ग यहां की पटरियों से ही बना है। छात्राओं ने प्लेट मील का भी अवलोकन किया जहां छात्राओं को बताया गया कि यहां निर्मित प्लेटें जहाज निर्माण में प्रयुक्त होती है। अधिकारियों ने बताया कि भारत द्वारा निर्मित आईएनएस कोमॉर्ट नामक एन्टीसबमेरिन में भिलाई का ही लोहा लगा है। भ्रमण दल को कोक ओवन एवं ब्लास्ट फर्नेश को भी नजदीक से देखने का मौका मिला। संयंत्र के अधिकारियों ने बताया कि यहां के लिए कच्चा लोहा दल्लीराजहरा से तथा लाईम स्टोन नंदनी माईन से तथा डोलोमाईट हिर्री माईंस से प्राप्त होता है। 4 फरवरी 1959 को तात्कालिक राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद द्वारा उद्घाटित यह इस्पात संयंत्र उस समय प्रतिवर्ष 2.5 मिलियन टन का उत्पादन करता था जो अब बढ़कर 14 मिलियन टन प्रतिवर्ष हो गया है। भिलाई इस्पात संयंत्र प्रबंधन ने पर्यावरण सुरक्षा के अंतर्गत पूरे भिलाई शहर को इतनी हरियाली दी है कि बाहर से आने वाले लोगों के लिए यह एक उदाहरण बन गया है। प्रबंधन द्वारा उत्पादकता, गुणवत्ता, कार्यक्षमता एवं पर्यावरण सुरक्षा के प्रयास में लगातार वृद्धि किये जाने के फलस्वरूप भिलाई इस्पात संयंत्र को कई बार प्रधानमंत्री ट्रॉफी से भी नवाजा जा चुका है। छात्राओं ने भिलाई इस्पात संयंत्र का भ्रमण डॉ. डीसी अग्रवाल एवं डॉ. सीमा अग्रवाल के नेतृत्व में किया।

PRINCIPAL
Govt. Dr. W.W. Patankar
Girl's P.G. College, Durg (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2212207 फैक्स 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 16.12.2017

प्रेस विज्ञप्ति

गर्ल्स कॉलेज की छात्राओं द्वारा भिलाई इस्पात संयंत्र का भ्रमण
इस्पात बनते देख रोमांचित हुयी छात्राएँ

शा. डॉ. वा. वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग की छात्राओं का एक दल भिलाई इस्पात संयंत्र के भ्रमण के लिये गया। भ्रमण उपरांत छात्राओं ने अपने अनुभवों के द्वारा इस्पात संयंत्र की विभिन्न गतिविधियों का एवं लोहे को फौलाद बनाने की निर्माण विधि की जानकारी विभाग को प्रस्तुत की।

छात्राओं को सहा. महाप्रबंधक श्री जे.एन. ठाकुर एवं उनकी टीम ने संयंत्र की विभिन्न गतिविधियों से छात्राओं को रूबरू कराया। छात्राओं ने संयंत्र के अन्दर रेल एवं स्ट्रक्चर मिल का अवलोकन किया जहाँ 13, 26, 78 एवं 260 मीटर की रेलपातें बनती है। इस मिल से इतनी रेलपातों का उत्पादन हो चुका है जिससे पूरे विश्व को 10 बार लपेटा जा सकता है। छात्राओं ने मिल के प्रभारी अधिकारी से विभिन्न देशों में निर्यात होने वाले रेलपातों के बारे में भी जानकारी ली। प्रभारी ने बताया कि लगभग 32 देशों में यहाँ की बनी रेलपातें निर्यात होती है। जम्मू से बारामूला के बीच 345 कि.मी. का रेलमार्ग यहाँ की पटरियों से ही बना है। छात्राओं ने प्लेट मील का भी अवलोकन किया जहाँ छात्राओं को बताया गया कि यहाँ निर्मित प्लेटें जहाज निर्माण में प्रयुक्त होती है। अधिकारियों ने बताया कि भारत द्वारा निर्मित आईएनएस कोमॉर्ट नामक एन्टीसबमेरिन में भिलाई का ही लोहा लगा है।

भ्रमण दल को कोक ओवन एवं ब्लास्ट फर्नेश को भी नजदीक से देखने का मौका मिला। मिट्टी के ढेर में समाया लोहा कैसे फौलाद का रूप लेता है यह देखकर छात्राएँ बड़ी रोमांचित हुई। संयंत्र के अधिकारियों ने बताया कि यहां के लिए कच्चा लोहा दल्लीराजहरा से तथा लाईम स्टोन नंदनी माईन से तथा डोलोमाईट हिर्री माईंस से प्राप्त होता है। 04 फरवरी 1959 को तात्कालिक राष्ट्रपति महामहिम डॉ. राजेन्द्र प्रसाद द्वारा उद्घाटित यह इस्पात संयंत्र उस समय प्रतिवर्ष 2.5 मिलियन टन का उत्पादन करता था जो अब.बढ़कर 14 मिलियन टन प्रतिवर्ष हो गया है।

भिलाई इस्पात संयंत्र प्रबंधन ने पर्यावरण सुरक्षा के अंतर्गत पूरे भिलाई शहर को इतनी हरियाली दी है कि बाहर से आने वाले लोगों के लिए यह एक उदाहरण बन गया है। प्रबंधन द्वारा उत्पादकता, गुणवत्ता, कार्यक्षमता एवं पर्यावरण सुरक्षा के प्रयास में लगातार वृद्धि किये जाने के फलस्वरूप भिलाई इस्पात संयंत्र को कई बार प्रधानमंत्री ट्रॉफी से भी नवाजा जा चुका है।

छात्राओं ने भिलाई इस्पात संयंत्र का भ्रमण डॉ. डीसी.अग्रवाल एवं डॉ. सीमा अग्रवाल के नेतृत्व में किया।

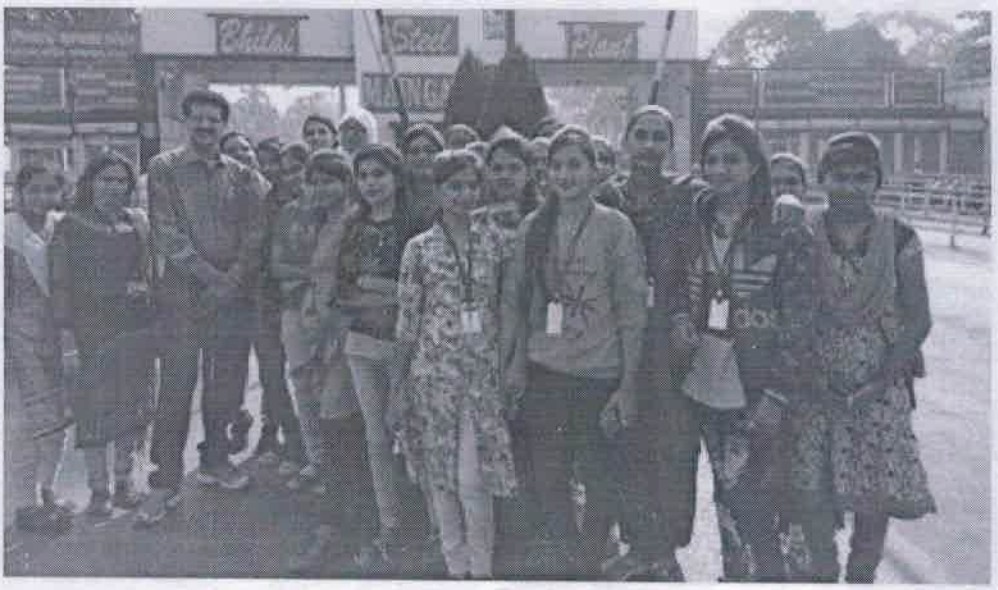

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG College, Durg (C.G.)

(डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य

शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

अर्थशास्त्र विभाग के छात्राओं द्वारा भिलाई इस्पात संयंत्र का भ्रमण

दिनांक : 15.11.2016

PRINCIPAL
Govt. Dr. WW. Patankar
's PG. College, Durg (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com
College Code : 1602

// प्रतिवेदन //

अर्थशास्त्र विभाग
भिलाई इस्पात संयंत्र का भ्रमण

दिनांक 15.11.2016 को शासकीय विज्ञान महाविद्यालय की छात्र–छात्राओं के साथ इस महाविद्यालय की 23 छात्राएं एवं तीन प्राध्यापकों सहित कुल 27 सदस्यों का एक संयुक्त दल भिलाई इस्पात संयंत्र के लिए प्रातः 10 बजे पहुँचा। लगभग दो घंटे की औपचारिकताओं के बाद दल के सभी सदस्य अपने सिर पर सुरक्षा के लिए हेलमेट लगाकर दो गाइड के साथ संयंत्र के अंदर अपने वाहनों से पहुँचे।

संयंत्र के अंदर आते ही उसकी विशालता का अंदाज लगाया जा सकता था। विशाल भू–भाग में फैला संयंत्र चारो तरफ मशीनरी एवं निर्मित इस्पात का जादुई घर जैसा लग रहा था। लगभग 150 वर्ग कि.मी. के भू–भाग पर फैले इस संयंत्र में लगभग 28000 कर्मचारी एवं अधिकारीगण कार्यरत है।

गाईड ने हमें बताया कि इस संयंत्र की शुरूआत सन् 1955 में तात्कालिक राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद द्वारा की गई थी। USSR के सहयोग से निर्मित यह संयंत्र SAIL की सबसे ज्यादा लाभ देने वाली इकाई है। इसकी उत्पादकता, गुणवत्ता, कार्यक्षमता एवं क्षेत्र के समग्र विकास के दृष्टिकोण से B.S.P. को अब तक 11 बार प्रधानमंत्री ट्राफी से नवाजा जा चुका है।

हमें आकर्षित करने वाला यहां का मुख्य विभाग Rail & structure mill था। यहाँ हमने पहली बार इतनी लम्बी रेल की पाते बनती देखी। यहाँ पर 13 मीटर, 26 मीटर एवं 78 मीटर रेल बनती है। 32 देशों को निर्यात की जाने वाली रेल की लम्बाई 260 मीटर तक भी रही है। यह इतनी रेलपातों का उत्पादन हो चुका है। जिससे पूरे विश्व को 10 बार लपेटा जा सकता है। जम्मू से बारामूला के बीच 345 कि.मी. का रेलमार्ग इन पटरियों से ही बना है। इस विभाग के अलावा हमें प्रभावित करने वाला दूसरा विभाग प्लेट मिल का था। यहां की बनी Plat Ship Building तथा LPG Cyclenders विदेशों को निर्यात होते हैं। किस तरह एक लोहपिण्ड को प्लेट की साईज मिलती है, यह देखना रोमान्चकारी था। यहाँ की marchant mill भी आकर्षित करने वाली थी। यहां निर्मत Light Structures, Engineering and Construction Medium Round (Plain & IMS) Heavy Round Plain यहाँ निर्मित Rebars का प्रयोग अत्यधिक ऊँचाई पर स्थित Tunnel

बनिहा दर्रे (जम्मू–कश्मीर) में उपयोग की गई है। गाईड एवं marchant mill के अधिकारियों ने बताया कि भारत की INS Kamorts नामक anti Submarine में यहां का ही लोहा लगा है।

इसके अलावा wire rod mill इसमें EQ wire rods electrode बनाये जाते हैं, जिसका विश्व स्तर पर व्यापार किया जाता है।

दल को Cock overn एवं ब्लास्ट फर्नेस को भी देखने और महसूस करने का मौका मिला। वास्तव में यहां की उष्णता एवं पिघलता लोहा भिलाई की तरक्की की दास्ता बड़ी ही गर्माहट से बता रहा था। कच्चे माल से इस्पात बनते तक और रेल बनने तक या प्लेट बनने तक की पूरी प्रक्रिया अचंभित कर देने वाली थी। किस तरह मिट्टी का ढेर सा लगने वाला कच्चा लोहा किसी जहाज का आधार बनने वाला फौलादी इस्तपा बनता है या नजदीक से देखकर हमारा दल गौरवान्वित हुआ।

गाईड ने हमें बताया कि इस्पात बनाने के लिए Iron Ore दल्लीराजहरा नामक स्थान में तथा लाईमस्टोन नंदनी माइन्स से तथा Dolomite हिर्री माइन्स से मिलता है जो सब भिलाई के नजदीक है। इन तीनों कचे माल की उलब्धता वाले स्थानों के कारण भिलाई को लौह नगरी बनने का गौरव प्राप्त हुआ।

इस तरह 1955 से शुरू हुआ था इस्पात बनाने का दौर यह हमने एक दिन की संयंत्र यात्रा में महसूस किया। यह भ्रमण रोमांचकारी एवं जोखिम भरा था, क्योंकि संयंत्र में हाल ही में जहरीली गैस रिसाव के कारण एक हादसा हुआ था फिर भी गाईड एवं प्राध्यापकों के कुषल मार्गदर्शन एवं छात्र–छात्राओं के अनुशासन के कारण हमारा यह भ्रमण निर्विघ्न सम्पन्न हुआ।

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम--शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788-2212207 फैक्स 0788-2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 11.12.2017

प्रेस विज्ञप्ति

गर्ल्स कॉलेज में

राष्ट्रीय मानव अधिकार दिवस आयोजित

शास. डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग में राष्ट्रीय मानव अधिकार दिवस पर संगोष्ठी आयोजित की गयी तथा छात्राओं, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को मानव अधिकार संरक्षण एवं संवर्धन की शपथ दिलाई गयी।

राजनीतिशास्त्र विभाग के तत्वाधान में आयोजित संगोष्ठी में डॉ. भावना दिवाकर ने मानव अधिकार के अंतर्गत महिला अधिकारों पर पावर पाईंट के माध्यम से सारगर्भित चर्चा की गई। उन्होनें छात्राओं को महिला अधिकारों के तहत घरेलू हिंसा, दहेज प्रताड़ना, छेड़छाड़ की घटनाओं, भरण पोषण संबंधी, पैतृक संपत्ति संबंधी, कानून तथा स्वतंत्रता के अधिकारों पर प्रकाश डाला।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने इस अवसर पर छात्राओं को जागरूक रहने एवं अपने अधिकारों से परिचित रहने तथा विधि के ज्ञान की आवश्यकता को महत्वपूर्ण बताया।

वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल ने मानव अधिकार के संरक्षण एवं संवर्धन में सबकी सहभागिता की आवश्यकता बतलाई। कार्यक्रम का संचालन विभागाध्यक्ष डॉ. सुचित्रा खोब्रगढ़े ने किया अभार प्रदर्शन कु. ज्योति साहू ने किया। इस अवसर पर स्नातकोत्तर कक्षाओं की छात्राएँ तथा शिक्षकगण उपस्थित थे।

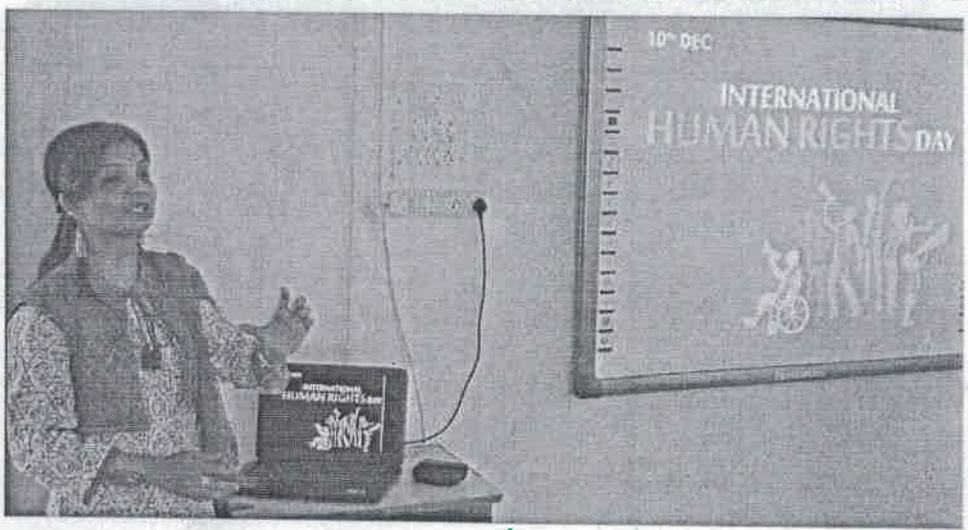

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

(डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य

रायपुर, सोमवार 11 दिसम्बर 2017 नवभारत

गर्ल्स कॉलेज में आयोजित आदि-रंग पर कार्यशाला का हुआ समापन, विभिन्न प्रांतों के चित्रकारों ने बिखेरे रंग

एकाग्रता व तल्लीनता से सीखी चित्रकला की बारीकियां

■ हमारे प्रतिनिधि | दुर्ग.

शास. डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में चित्रकला विभाग एवं रजा फाउण्डेशन नईदिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय कार्यशाला का विधिवत समापन रविवार को हुआ. सात दिनों तक कॉलेज की छात्राओं व चित्रकला से जुड़े कलाकारों ने चित्रकारी की बेजोड़ प्रस्तुति से मंत्रमुग्ध हुए. विभिन्न प्रांतों से आए चित्रकला के नामी गिरामी कलाकारों ने अपने चित्रकारी के माध्यम से ऐतिहासिक पौराणिक गाथाओं को जीवंत किया और आने वाले पीढ़ी को इन गाथाओं से जुड़ने व समझने प्रेरित किया. कार्यशाला में कलाकारों की एकाग्रता व तल्लीनता ने चित्रकला की बारीकियों को समझाया. छात्राएं भी तल्लीन होकर पूरे सात दिन चित्रकला की हर पहलुओं को जाना और समझा.

चित्रकला विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. योगेन्द्र त्रिपाठी ने कार्यशाला की उपयोगिता एवं प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह कार्यशाला विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं चित्रकारों के लिये अविस्मरणीय रहेगी. उन्होंने बताया कार्यशाला में दिल्ली विश्वविद्यालय, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी रायपुर, इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़, दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव, कमला देवी महाविद्यालय एवं महिला पॉलिटेक्नीक राजनांदगांव, अजिम प्रेमजी फाउण्डेशन धमतरी, भिलाई महिला महाविद्यालय, सांई महाविद्यालय, रूंगटा महाविद्यालय, शासकीय महाविद्यालय भिलाई-3, डीपीएस भिलाई, खालसा पब्लिक स्कूल, सेंट जेवियर्स स्कूल के विद्यार्थी व शिक्षकों ने सहभागिता दी.

समारोह में मौजूद कॉलेज की छात्राएं व प्राध्यापक

अतिथियों ने किया चित्रकारो का सम्मान

कार्यशाला मे आये देश के विभिन्न प्रांतो के चित्रकारो का शाल-श्रीफल से सम्मान किया गया. समारोह मे मुख्य अतिथि डॉ. दीपक कारकून तथा विशिष्ट अतिथि भिलाई इस्पात संयंत्र के वरिष्ठ अधिकारी विजय मेरॉल थे. कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने की. डॉ. कारकून ने कहा कि हमारी भारतीय लोककला एवं पेंटिंग विश्व के किसी भी चित्रशैली से कमतर नहीं है. विदेशो मे हमारी भारतीय कलाशैली की बहुत ज्यादा मांग है. विशिष्ट अतिथि विजय मेरॉल ने कार्यशाला की विविधता को रेखांकित करते हुए नार्थ ईस्ट का उदाहरण सामने रखकर कला की सुंदरता को अभिव्यक्त किया. उन्होंने कहा कि व्यक्तित्व के विकास के लिये ऐसे रचनात्मक माहौल की आवश्यकता है. कार्यक्रम के अध्यक्ष प्राचार्य डॉ. तिवारी ने प्रतिभागियों द्वारा इस कार्यशाला मे सीखे गये कौशल को हमेशा अभ्यास कर विकसित करने को महत्वपूर्ण बताया. डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी ने कार्यशाला के लोक-कलाकारो का साक्षात्कार लिया तथा कार्यशाला की गतिविधियो का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया. कार्यक्रम का संचालन डॉ. ऋचा ठाकुर तथा आभार प्रदर्शन डॉ. योगेन्द्र त्रिपाठी ने किया.

अमूर्त चित्रकार योगेन्द्र

कार्यशाला के संयोजक व गर्ल्स कॉलेज के चित्रकला विभाग के सहायक प्राध्यापक योगेन्द्र त्रिपाठी, चित्रकला जगत से असाधारण व्यक्ति हैं. वे अमूर्त चित्रकार हैं जिनकी चित्रकारी का प्रदर्शन दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, लंदन, जर्मनी, सेनफ्रांसिस्को, पेरिस सहित अन्य देशों में किया जा चुका है. उन्हें वर्ष 1999 में मध्यप्रदेश कला परिषद का अवार्ड दिया गया है. इसके अलावा वर्ष 2002 में उन्हें ललित कला एकेडमी का राष्ट्रीय पुरस्कार से

चित्रकला का दिखा अद्भुत नजारा

पेंटिंग का प्रदर्शन करतीं प्रिया चंद्राकर, भगवती ठाकुर व पी.एस. शिवानी

गर्ल्स कॉलेज की बीएससी तृतीय की प्रिया चंद्राकर व भगवती ठाकुर तथा बीकॉम तृतीय की पी.एस. शिवानी ने कहा कि कार्यशाला में चित्रकला का अद्भुत नजारा देखने को मिला. विभिन्न प्रांत से आए कलाकारों ने ऐतिहासिक तथ्यों को चित्रकारी के माध्यम से बताया. इन छात्राओं ने कहा कि उन्हें पिथौरा, गोदना, मधुबनी पेंटिंग की बारीकियां सीखने को मिला.

परिचित हुए चित्रकला की शैली से

पेंटिंग का प्रदर्शन करतीं टिकेश्वरी सिन्हा, रितु ठाकुर व विनीता यादव

गर्ल्स कॉलेज की बीए तृतीय की टिकेश्वरी सिन्हा, बीकॉम तृतीय की रितु ठाकुर व विनीता यादव ने कहा कि उन्होंने कार्यशाला में पिथौरा गोदना, गोड़ व मधुबनी की चित्रकारी बनाना सीखे और चित्रकला की शैली से भी परिचित हुए. इन छात्राओं ने कहा कि इस तरह की कार्यशाला हर साल आयोजित किया जाना चाहिए.

PRINCIPAL Govt Dr. WW. Patanker Girls PG. College, Durg (C.G.)

20 नईदुनिया
रायपुर, रविवार 10 दिसंबर 2017

प्रशिक्षण | पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में चित्रकला की बारिकियां सीख रही छात्राएं

आदि-रंग कार्यशाला में चित्रकारों का सम्मान

नईदुनिया प्रतिनिधि

-रंग कार्यशाला में देश के विभिन्न से आए चित्रकारों का सम्मान गया। इस दौरान कार्यशाला की विधियों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया

शासकीय डॉ.पाटणकर कन्या कोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में कला विभाग एवं रा फाउण्डेशन दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में जित सात दिवसीय कार्यशाला का वार को समापन हुआ। इस मौके पर जित समारोह में मुख्य अतिथि डॉ. कारकून तथा विशिष्ट अतिथि ई इस्पात संयंत्र के वरिष्ठ अधिकारी मेरॉल थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र री ने की। डॉ. कारकून ने कार्यक्रम संबोधित करते हुए कहा कि हमारी ीय लोककला एवं पेंटिंग विश्व के भी चित्रशैली से कमतर नहीं है।

कार्यशाला में कला की बारीकियां जानती छात्राएं।

छग की प्राचीन कला की जानकारी भी कार्यशाला में दी जा रही है।

विदेशों में हमारी भारतीय कलाशैली की बहुत ज्यादा मांग है।

विशिष्ट अतिथि विजय मैरॉल ने कार्यशाला की विविधता को रेखांकित करते हुए नार्थ ईस्ट का उदाहरण सामने रखकर कला की सुंदरता को अभिव्यक्त किया। उन्होंने कहा कि व्यक्तित्व के विकास के लिए ऐसे रचानात्मक महौल की आवश्यकता है। कार्यक्रम के अध्यक्ष प्राचार्य डॉ.तिवारी ने प्रतिभागियों द्वारा इस कार्यशाला में सीखे गए कौशल को हमेशा अभ्यास कर विकसित करने को महत्वपूर्ण बताया।

उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को तल्लीन और एकाग्र होकर घण्टों चित्रकारी करते रहना एक सुखद क्षण है। ऐसे रचनात्मक आयोजन के लिये रा फाउण्डेशन का महाविद्यालय परिवार आभारी है। डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी ने कार्यशाला के लोक-कलाकारों का साक्षात्कार लिया तथा कार्यशाला की गतिविधियों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। चित्रकला विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. योगेन्द्र त्रिपाठी ने कार्यशाला की उपयोगिता एवं प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह कार्यशाला विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं चित्रकारों के लिये अविस्मरणीय रहेगी। जहां देश के विभिन्न लोककलाओं का संगम हुआ।

विद्यार्थियों-शिक्षकों को प्रमाण पत्र

कार्यक्रम मे सहभागी विद्यार्थियो एवं शिक्षकों को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। कार्यशाला में दिल्ली विश्वविद्यालय, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी रायपुर, इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़, दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव, कमला देवी महाविद्यालय एवं महिला पॉलिटेक्नीक राजनांदगांव, अजिम प्रेमजी फाउण्डेशन धमतरी, भिलाई महिला महाविद्यालय, सांई महाविद्यालय, रूंगटा महाविद्यालय, शासकीय महाविद्यालय भिलाई-3, डीपीएस भिलाई, खालसा पब्लिक स्कूल, सेंट जेवियर्स स्कूल के विद्यार्थी एवं शिक्षक बड़ी संख्या मे कार्यशाला में सहभागिता दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ.ऋचा ठाकुर और आभार प्रदर्शन डॉ.योगेन्द्र त्रिपाठी ने किया।

दैनिक भास्कर

देशभर के चित्रकारों ने बताई लोककला की बारीकियां, चित्रकला विभाग ने किया सम्मान

सिटी रिपोर्टर | भिलाई

गर्ल्स कॉलेज दुर्ग में शनिवार सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिसमें चित्रकारों का सम्मान किया गया। जिसमें विभिन्न राज्यों से आए चित्रकार शामिल थे। 7 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन गर्ल्स कॉलेज के चित्रकला विभाग और रजा फाउंडेशन द्वारा आयोजित किया गया था।

गर्ल्स कॉलेज में 7 दिवसीय चित्रकला कार्यशाला हुई, सम्मान करते अतिथि।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में दीपक कारकुन थे। विशिष्ट अतिथि बीएसपी से विजय मेरॉल थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. सुशील तिवारी ने की। इस दौरान डॉ. कारकुन ने कहा कि भारतीय संस्कृति लोककला और पेंटिंग विश्व के किसी भी चित्रशैली के कमतर नहीं। विदेशों में हमारी भारतीय कला शैली की बहुत ज्यादा मांग है। विजय मेरॉल ने नार्थ ईस्ट का उदाहरण रखकर कला की सुंदरता के प्रति व्याख्यान दिया। इस दौरान डॉ. अंबरीश त्रिपाठी, डॉ. योगेन्द्र त्रिपाठी, ऋचा ठाकुर सहित कॉलेज स्टाफ उपस्थित रहे। अतिथियों ने उत्साहवर्धन किया।

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG College, Durg

...मुख्य अतिथि मुकेश बलदेव, अध्यक्ष कृषि स्थायी समिति थे. अध्यक्षता डॉ. पी.एल. चौधरी, निदेशक विस्तार शिक्षा, छग कामधेनु विश्वविद्यालय द्वारा की गई. अन्य विशिष्ट अतिथि जगन्नाथ यादव, सरपंच ग्राम पंचायत, महमरा उपस्थित थे.

गर्ल्स कॉलेज दुर्ग में चल रही पेंटिंग पर कार्यशाला, कलाकार केनवास पर उकेर रहे लोक कला संस्कृति

हर पेंटिंग है खास, कर रही लोक गाथाओं को जीवंत

पिथौरा पेंटिंग को जीवंत कर रहा कलाकार

■ हमारे प्रतिनिधि | दुर्ग.

पारम्परिक लोक कला संस्कृति के संरक्षण व संवर्धन के लिए गर्ल्स कॉलेज दुर्ग में पेंटिंग पर कार्यशाला लगाई गई है. कार्यशाला के दूसरे दिन विभिन्न प्रांतों से आए कलाकार अपनी कला का जादू बिखेरे. कॉलेज की लड़कियां भी उनके कलाकारों से पेंटिंग की कलाबाजी सीखने आतुर दिखाई दी. एक ओर जहां बिहार की मधुबनी पेंटिंग लोकगाथाओं को जीवंत कर रही है, तो वहीं दूसरी ओर भील पेंटिंग, गोड़ पेंटिंग, पिथौरा पेंटिंग तथा गोदना पेंटिंग ने पौराणिक गाथाओं को सामने लाने का प्रयास किया है. कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुशीलचंद्र तिवारी की दूरदर्शी सोच तथा कार्यक्रम के संयोजक प्रो. योगेन्द्र त्रिपाठी के संयोजन ने कार्यशाला को एक नया आयाम दिया है.

गोदना प्रिंट बेहद आकर्षक

सरगुजा की साफियानो पायले गोदना प्रिंट की सिद्धहस्त कलाकार है. वे कपड़े, कुरती, कोसा में गोदना प्रिंट की अमिट छाप छोड़ रही है. बारीक नक्काशी के जरिए उसमें देशी तरीके से तैयार पक्का रंग भरती है. रंग के लिए वे हर्रा, बहेरा, तेंदू का काला छिलका, परसा के फूल इत्यादि का उपयोग करती है. अपने गांव में हर साल 150 महिलाओं को गोदना विधा का गुर सिखाती हैं. वे शिमला, उदयपुर, राजस्थान, इलाहाबाद इत्यादि जगहों पर गोदना प्रिंट का प्रदर्शन कर चुकी है.

गोदना प्रिंट की कलाकार साफियानो

आदिवासी जनजातियों पर गोड़ पेंटिंग

डिंडौरी भोपाल निवासी मंगरू उइके गोड़ पेंटिंग के मशहूर कलाकार हैं. वे पर्यावरण व प्रकृति का संदेश देते आदिवासी जनजातियों पर चित्रीय चित्र उकेरते हैं. इसे आजीविका का साधन मानते हुए अपना पेंटिंग उन्होंने स्वीटरलैंड, न्यूयार्क, फ्रांस सहित अन्य देशों के लोगों को दिया. जिन्होंने उनके पेंटिंग को खूब सराहा. गुजरात के हरि सिंह राठौड़ व राकेश द्वारा पिथौरा पेंटिंग प्रदर्शित किया गया. यह पेंटिंग खासतौर पर मन्नत के लिए किया जाता है.

गोड़ पेंटिंग बनाते मंगरू उइके

गांव के सभी सिद्धहस्त

बिहार प्रांत के मधुबनी जिला के जीतवारपुर गांव के श्रवण पासवान मिथिला लोकनृत्य पर मधुबनी पेंटिंग का बेजोड़ नमूना प्रदर्शित किया. श्रवण का कहना है कि उनके गांव के सभी लोग संस्कृति को बचाने मधुबनी पेंटिंग में माहिर हैं. उन्हें इस पेंटिंग पर ललित कला एकेडमी अवार्ड केरला, कालीदास अवार्ड उज्जैन तथा विद्यापति अवार्ड सियालदाह कोलकाता दिया गया है.

मधुबनी पेंटिंग उकेरते श्रवण पासवान)

S.2
PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College,

लोक कलाओं में धड़कता जीवन-राग

दुर्ग, 7 दिसंबर (देशबन्धु)। शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में चित्रकला विभाग तथा रजा फाण्डेशन दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला 'आदि-रंग' में आदिवासी एवं लोक चित्रकला शैली के विविध रंग देखनें को मिल रहे है। देश के विभिन्न कोनों से आए लोक चित्रकार विभिन्न शैलियों से प्रशिक्षुओं को न केवल परिचित करा रहे है। वरन शैली की बारिकियों को भी समझा सिखा रहे है। मधुबनी, गुजराती कलमकारी, गोंड़, भील, पिथौरा एवं गोदना आदि प्रमुख लोक चित्रकला शैलियाँ प्रदेश के लिए आकर्षण का केन्द्र बनी हुई है। अमेरिका एवं यूरोप में भी कई शो कर चुके गोंड़ पेंटिंग के चित्रकार मंगरू बताते है कि महाविद्यालय की छात्राएं तथा आए प्रतिभागियों की सीखने की लगन काबिले तारीफहै। गोदना पेंटिंग को विशिष्ट पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली सूफ्यिानों बाई का मानना है कि महाविद्यालय के आत्मीय एवं कलाप्रेमी वातावरण के कारण वह बड़ी सहजता से चित्रकारी कर पा रही हैं। चटख-हरे, लाल, नीले, पीले रंगों से सजी ग्रामीण जीवन को प्रदर्शित करती पिथौरा पेंटिंग का कैनवास सहज ही लोगों को अपनी ओर खींच रहा है।

डी.पी.एस. भिलाई की कक्षा चार की छात्रा दित्या तथा शहर के विद्यार्थियों को चित्रकला सिखाने वाली रोहिणी पाटणकर, लॉ स्नातक रिया दुबे के साथ ही शहर के .प्रतिष्ठित चित्रकार डॉ. सुनीता वर्मा, राजेन्द्र सुनगरिया, अरविन्द पाठक, हुकुम लाल, खैरागढ़ संगीत विश्वविद्यालय, महिला महाविद्यालय सेक्टर-9, सांई महाविद्यालय, आर्य कन्या महाविद्यालय एवं राजनांदगांव के विभिन्न महाविद्यालयों के छात्र, चित्रकला प्रेमियों एवं पैर से चित्र बनाते दिव्यांग गौकरण पाटिल के लोककला सीखने की ललक इस कार्यशाला की उपयोगिता को बयां कर रही है।

बच्चों को चित्रकारी सीखाने वाली डॉ. निवेदिता वर्मा कहती है कि जिन लोकचित्रों के बारे में पढ़ा-सुना है उन सबको एक साथ यहां दुर्ग में देखना और सीखना सपनो को साकार करने जैसा है। सभी लोक रंग शैलियों में प्रकृति का सर्वाधिक महत्व है। अपने विविध रूपों में भिन्न शैलियों में प्रकृति ही अभिव्यक्त हो रही है। मानव एवं प्रकृति के अटूट रिश्ते को स्नेह एवं संवेदना से परिपूर्ण करने को आह्वान करती ये सात दिवसीय कार्यशाला 10 तारीख को समाप्त हो रही है। कलाकार अपने हुनर को सीखाने के साथ ही बनाए गए चित्रों की प्रदर्शनी भी लगा रहे है।

छात्राएं सीख रहीं चित्रकला की बारीकियां, लगेगी प्रदर्शनी

रजा फाउंडेशन की ओर से गर्ल्स कॉलेज में हुई चित्रकला पर कार्यशाला।

सिटी रिपोर्टर | भिलाई

कन्या महाविद्यालय दुर्ग में चित्रकला विभाग और रजा फाउंडेशन दिल्ली के द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला आदि-रंग में आदिवासी और लोक चित्रकला शैली के विविध रंग देखने को मिल रहे है। देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोक चित्रकार विभिन्न शैलियों से स्टूडेंट्स को सिखाने के साथ ही कला से उन्हें परिचित भी करवा रहे है।

महाविद्यालय के प्राचार्य सुशील तिवारी ने बताया कि मधुबनी, गुजराती कलमकारी, गोंड़, भील, पिथौरा और गोदना जैसे प्रमुख लोक चित्रकला शैलियां आकर्षण

यूरोप में भी कई शो कर चुके गोंड़ पेंटिंग के चित्रकार मंगरू ने बताया कि महाविद्यालय की छात्राओं सहित अन्य लोग भी इसे सीखने पहुंच रहे है। गोदना पेंटिंग की विशेषज्ञ सूफियानों बाई द्वारा विभिन्न प्रकार के गोदना आर्ट भी सिखाए जा रहें है।

खैरागढ़ संगीत विश्वविद्यालय, महिला महाविद्यालय सेक्टर-9, सांई महाविद्यालय, आर्य कन्या महाविद्यालय और राजनांदगांव के विभिन्न महाविद्यालयों के स्टूडेंट्स भी इस कार्यशाला में भाग ले रहें है। कार्यशाला में बनाई जा रहीं पेंटिंग्स लगभग पुरी होती दिख रही है। सात दिवसीय कार्यशाला 10 दिसंबर को समाप्त हो रही है। बनाए गए चित्रों

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

पत्रिका PLUS
patrika.com/entertainment
Bhilai . Friday
08/12/2017
citylive infocus

ANCHOR

भील पेंटिंग में नजर आया कुदरत का अद्भुत करिश्मा

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

भिलाई • गर्ल्स कॉलेज दुर्ग में लोक-जनजातीय चित्रकारी के प्रशिक्षण में इन दिनों छात्राएं एवं कलाकार काफी कुछ नया सीख रहे हैं। दूसरे प्रदेशों की खास पेंटिंग और उनसे जुड़ी दंत कथाएं उनकी ट्रेनिंग को और भी रोचक बना रही है। खासकर गुजराती कलमकारी को सीखने छात्राओं में अलग ही उत्साह नजर आ रहा है। गुजरात से आए जगदीश चितारा चादर पर कलमकारी को सीखा रहे है। वहीं गुजरात के ही राकेश राठवा और हरिसिंह राठवा पिथौरा पेंटिंग की जानकारी दे रहे हैं। गुजरात के साथ ही मध्यप्रदेश के झाबुआ जिले से आए कलाकार गोंड पेंटिंग की बारीकियां सिखा रहे हैं। उनकी पेंटिंग में जहां आदिवासियों की देवी-देवताओं के प्रति अपनी आस्था अलग ही नजर आती है।

गर्ल्स कॉलेज में आदि-रंग की वर्कशॉप

कॉलेज के फाइन आर्ट डिपार्टमेंट के एचओडी डॉ योगेश त्रिपाठी बताते हैं कि इस तरह की वर्कशॉप से ना सिर्फ छात्राओं को नई चित्रकारी सीखने मिल रही है, साथ ही वे हमारे देश की सांस्कृतिक धरोहर को भी समझ रही है। क्योंकि चित्र तो कोई भी देखकर बना सकता है, लेकिन उन चित्रों के पीछे कलाकार की क्या भावना है यह समझना जरूरी है।

मां भगवती को चढ़ते हैं कमलकारी वाले कपड़े

गुजरात के कलाकार जगदीश चितारा ने बताया कि गुजरात में चादरों पर मां अंबे, काली के प्रसंगों को कलमकारी के जरिए दर्शाया जाता है। इसे गुजराती में 'माता नी पिछौड़ी' कहा जाता है। मूलरूप से इस कलमकारी में काले और लाल रंगों का ही ज्यादा प्रयोग किया जाता है। इतना ही नहीं यह रंग भी वे खुद तैयार करते हैं। काला रंग तैयार करने लोहे की कड़ाही में इमली के बीज और गुड़ से तैयार किया जाता है। जबकि लाल रंग के पत्थर सेत तैयार किया जाता है। पीले रंग के लिए हल्दी या हरमन पत्थर का उपयोग किया जाता है। उन्होंने बताया कि इस कलमकारी में खोड़ियार

माता, विशद माता, मेलणी माता, मां काली, मां अंबे से जुड़ी कथाओं को उकेरा जाता है। इस कलमकारी वाली चादर को लोग मन्नत पूरी होने पर माता को अर्पण करते हैं।

आदिवासी संस्कृतिक का दर्पण है भील पेंटिंग

गुजरात, राजस्थान, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र में बसें भील जनजाति की संस्कृति काफी मिलती-जुलती है। जल और शिकार से जुड़े होने के कारण उनकी चित्रकारी में ज्यादातर जंगल, शिकार, और ग्रामीण परिवेश का चित्रण ज्यादा मिलता है। गुजरात के ही हरिसिंह राठवा एवं राकेश राठवा बताते हैं कि भील पेंटिंग को पिथौरा चित्र भी कहा जाता है। इसमें ज्यादातर आइदवासी अपने देवता को घोड़े के रूप में चित्रित करते हैं। जब घर में कोई अनुष्ठान होता है यह चित्र दीवारों पर उकेरे जाते हैं, लेकिन अब यह चित्र कैनवास और साड़ियों तक पहुंच गए हैं। इस डिजानिंग में इसका उपयोग अब ज्यादा किया जाने लगा है।

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG College

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2212207 फैक्स 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 07.12.2017

प्रेस विज्ञप्ति

गर्ल्स कॉलेज में
लोक कलाओं में धड़कता जीवन–राग

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में चित्रकला विभाग तथा रजा फाण्डेशन दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला 'आदि–रंग' में आदिवासी एवं लोक चित्रकला शैली के विविध रंग देखनें को मिल रहे है। देश के विभिन्न कोनों से आए लोक चित्रकार विभिन्न शैलियों से प्रशिक्षुओं को न केवल परिचित करा रहे है। वरन शैली की बारिकियों को भी समझा सिखा रहे है। मधुबनी, गुजराती कलमकारी, गोंड़, भील, पिथौरा एवं गोदना आदि प्रमुख लोक चित्रकला शैलियाँ प्रदेश के लिए आकर्षण का केन्द्र बनी हुई है। अमेरिका एवं यूरोप में भी कई शो कर चुके गोंड़ पेंटिंग के चित्रकार मंगरू बताते है कि महाविद्यालय की छात्राएं तथा आए प्रतिभागियों की सीखने की लगन काबिले तारीफ है। गोदना पेंटिंग को विशिष्ट पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली सूफियानों बाई का मानना है कि महाविद्यालय के आत्मीय एवं कलाप्रेमी वातावरण के कारण वह बड़ी सहजता से चित्रकारी कर पा रही हैं। चटख–हरे, लाल, नीले, पीले रंगों से सजी ग्रामीण जीवन को प्रदर्शित करती पिथौरा पेंटिंग का कैनवास सहज ही लोगों को अपनी ओर खींच रहा है।

डी.पी.एस. भिलाई की कक्षा चार की छात्रा दित्या तथा शहर के विद्यार्थियों को चित्रकला सिखाने वाली रोहिणी पाटणकर, लॉ स्नातक रिया दुबे के साथ ही शहर के प्रतिष्ठित चित्रकार डॉ. सुनीता वर्मा, राजेन्द्र सुनगरिया, अरविन्द पाठक, हुकुम लाल, खैरागढ़ संगीत विश्वविद्यालय, महिला महाविद्यालय सेक्टर–9, सांई महाविद्यालय, आर्य कन्या महाविद्यालय एवं राजनांदगांव के विभिन्न महाविद्यालयों के छात्र, चित्रकला प्रेमियों एवं पैर से चित्र बनाते दिव्यांग गौकरण पाटिल के लोककला सीखने की ललक इस कार्यशाला की उपयोगिता को बयां कर रही है।

बच्चों को चित्रकारी सीखाने वाली डॉ. निवेदिता वर्मा कहती है कि जिन लोकचित्रों के बारे में पढ़ा–सुना है उन सबको एक साथ यहां दुर्ग में देखना और सीखना सपनो को साकार करने जैसा है।

सभी लोक रंग शैलियों में प्रकृति का सर्वाधिक महत्व है। अपने विविध रूपों में भिन्न शैलियों में प्रकृति ही अभिव्यक्त हो रही है। मानव एवं प्रकृति के अटूट रिश्ते को स्नेह एवं संवेदना से परिपूर्ण करने को आह्वान करती ये सात दिवसीय कार्यशाला 10 तारीख को समाप्त हो रही है। कलाकार अपने हुनर को सीखाने के साथ ही बनाए गए चित्रों की प्रदर्शनी भी लगा रहे है।

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG College, Durg

(डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य

पत्रिका PLUS
Bhilai . TUESDAY
05/12/201
ainment
citylive info

CITY live

साड़ियों और चादर पर बनी पेंटिंग की होगी अपनी कहानी...

सात दिनों में छात्राएं बनेंगी कलमकारी की माहिर, गोदना और मधुबनी पेंटिंग होगी खास

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

भिलाई • सिल्क की साड़ियों में बनी बिहार की मधुबनी पेंटिंग में छिपी लोककथा तो गुजरात की कलमकारी में लोककलाओं का नमूना। वहीं बस्तर के आदिवासियों की संस्कृति को गोदना के जरिए समझाते कलाकार.. और इनके पास लगी छात्राओं की भीड़। हर कोई उत्सुक था अपने प्रदेश और देश की कलाकारी को समझने। मौका था गर्ल्स कॉलेज में पेंटिंग के नेशनल सेमिनार के उद्घाटन अवसर का।

सोमवार को गर्ल्स कॉलेज दुर्ग में पेंटिंग की 7 दिवसीय वर्कशॉप शुरू हुई। इसमें देश भर से आए कई कलाकार 7 दिनों तक छात्राओं को कला की बारीकियां सिखाएंगे। इस वर्कशॉप के उद्घाटन अवसर पर पहुंची इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ माडवी सिंह ने कहा कि लोक कलाओं को प्रोत्साहन देने कॉलेज का यह अच्छा प्रयास है। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति और परंपरा को समझने

का इससे अच्छा अवसर नहीं मिलेगा। रज़ा फाउंडेशन एवं कन्या महाविद्यालय के इस आयोजन में देश के लोक कलाकारों को आमंत्रित कर छत्तीसगढ़ के विद्यार्थियों में लोक कलाओं के प्रति अनुराग पैदा करने का यह प्रयास एक अच्छी पहल है। विशेष अतिथि लक्ष्मी ध्रुव ने लोक कलाओं के माध्यम से प्राकृतिक जुड़ाव के पक्ष को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि बस्तर में जनजाति कला का अद्भुत नजारा देखने को मिलता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कार्यशाला के उद्देश्यों को बताया। कार्यक्रमका संचालन डॉ. ऋचा ठाकुर एवं आभार प्रदर्शन डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी ने किया।

फैब्रिक में भी नजर आएगी कलाकारी

इस कार्यशाला में प्रशिक्षण देने आए कलाकार छात्राओं को अपनी पेंटिंग के जरिए उन्हें साड़ी डिजाइनिंग, चादर डिजाइनिंग, पेंटिंग, वॉल पेंटिंग करना सिखाएंगे। ताकि वे ट्रेडिशनल लुक के साथ एक नई तरह की डिजाइन बना सकें। वर्कशॉप में पहले दिन ही छात्राओं ने अपनी-अपनी रूचि के अनुसार पेंटिंग सीखनी शुरू की। इस वर्कशॉप में दुर्ग गर्ल्स कॉलेज सहित अन्य कॉलेजों से भी छात्राएं शामिल हो रही हैं।

यह कला सीखेंगी

कार्यक्रम के संयोजक प्रो योगेन्द्र त्रिपाठी ने बताया कि आमंत्रित कलाकार अपनी-अपनी कला में माहिर हैं और छात्राएं उनसे इन सात दिनों में काफी कुछ सीख सकती है। इसमें उन्हें भील पेंटिंग रमेश बरिया, गोंड़ पेंटिंग मंगरू एवं राधेश्याम, पिथौरा पेंटिंग हरिसिंह एवं राकेश राठवा, गोदना सूफियानो बाई, गुजराती कलमकारी जगदीश चितारा एवं मधुबनी पेंटिंग श्रवण कुमार सिखाएंगे।

दैनिक भास्कर सिटी ACTIVITY

आर्ट वर्कशॉप | देश भर के एक्सपर्ट कार्यशाला में जुटे प्रतिभाओं को दे रहे टिप्स

आदि-रंग में स्टूडेंट्स ने लोक मान्यताओं की पेंटिंग करना व प्रकृति से रंग बनाना सीखा

सिटी रिपोर्टर | भिलाई

गुजराती कलमकारी की कला को कैनवास में उतारने में यूं तो समय ज्यादा लगता है। लेकिन विशेषज्ञों ने छात्राओं के लिए इसे सप्ताह भर में पूरा करने और उन्हें सिखाने की भी तैयारी कर रहे है। गुजरात के जगदीश चितारा ने बताया कि नेचुरल कलर से वे पेंटिंग बना रहे और सिखा रहे। जिसमें वे कलर के लिए लोआ, गुड़, तेल, दावरी के फुल का इस्तेमाल कर रहे है। इस पेंटिंग को गुजरात का आदिवासी समाज नवरात्रि में पूजा करने के उद्देश्य से बनाते है। ऐसी पेंटिंग को बनने में सप्ताह भर से ज्यादा का समय लगता है, पेंटिंग को सप्ताह के भीतर ही बनाकर कंप्लीट करने की कोशिश कर रहे है।

गर्ल्स कॉलेज दुर्ग में सोमवार से आदि रंग की राष्ट्रीय कार्यशाला शुरुआत हुई। प्रथम दिवस के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में खैरागढ़ संगीत विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ . मांडवी सिंह उपस्थित थी।

मिथिला पेंटिंग बनाकर दिखाया बिहार का रंग

कार्यशाला में बिहार के श्रवण कुमार छात्राओं को मिथिला पेंटिंग का प्रशिक्षण दे रहे है। इस पेंटिंग के बारे में बताते हुए कुमार ने बताया कि श्रीराम की बारात जबं अयोध्या से निकली थी तब मिथिला पेंटिंग से ही सजावट की गई थी। बताया कि इस पेंटिंग में अनेक रंगो का इस्तेमाल किया जाता है। बिहार प्रदेश की इस कला में ब्लैक कलर से रंग भरे जाते है और ब्लैक लाइनिंग भी रखी जाती है। जिसे काचनी और भरनी कहते है। इस पेंटिंग की शुरुआत नाक से बनाकर की जाती है। और इसमें नाक, हाथ, पैर सहित अन्य हिस्से लंबे बनाए जाते है। कुमार ने बताया कि ये पेंटिंग बिहार की ऐसी महिलाओं की देन है जो अपना नाम भी नहीं लिख सकती थी।

मंगरू सिखा रहे गोंड पेंटिंग

गोंड जनजाति द्वारा बनाई जाने वाली पेंटिंग का प्रशिक्षण मंगरू उइके दे रहे है। इस पेंटिंग के बारे में मंगरू ने बताया कि सप्ताह भर का समय इस पेंटिंग को बनाने में लगता है। पेंटिंग में पूरी तरह से प्रकृति का वर्णन किया जाता है। गोंड जनजाति के लोग जंगल के आस पास निवास करते है। इसलिए इसमें वन और वन प्राणियों का चित्रण दिखाई देता है। रमेश बारले ने भी भील पेंटिंग बनाई बताया कि त्यौहारों के समय ऐसी पेंटिंग बनाई जाती है।

कला से बनती है पहचान

कार्यशाला में कला व्यक्ति को संपूर्णता प्रदान करती है। छात्राओं को इस अमूल्य विधा में पारंगत होना चाहिए। विद्यार्थियों को इस विषय से जुड़ना चाहिए। लक्ष्मी ध्रुव ने कहा कि बस्तर में जनजाति कला का अद्भुत नजारा देखने को मिलता है। प्राचार्य सुशील तिवारी ने कार्यशाला की उपयोगिता के बारे में छात्राओं को जानकारी दी। इसका संयोजन योगेंद्र त्रिपाठी ने किया।

05.12.2017

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

जनजातीय कला और संस्कृति से विद्यार्थी होंगे परिचित

दुर्ग। नईदुनिया प्रतिनिधि

पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में चित्रकला पर सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला आदि-रंग का आयोजन किया गया है। सोमवार को उक्त कार्यशाला का उद्घाटन हुआ। इसमें प्राचीन एवं जनजातीय कला एवं संस्कृति से छात्राओं को अवगत कराया जाएगा।

इस कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में कुलपति, इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ के कुलपति डॉ.मण्डावी सिंह उपस्थित थे। उन्होंने लोक कलाओं को प्रोत्साहन देने एवं युवा पीढ़ी को अपना परंपरागत चित्र शैली से रूबरू कराने के इस सार्थक कार्यशाला के आयोजन पर महाविद्यालय को सराहा। उन्होनें कहा कि कलाएं व्यक्ति को सम्पूर्णता प्रदान करती है। रा फाण्डेशन एवं कन्या महाविद्यालय ने देश के विभिन्न कोनों से लोक कलाकारों को आमंत्रित कर छत्तीसगढ़ के विद्यार्थियों में लोक कलाओं के प्रति अनुराग उत्पन्न करने हेतु यह विशिष्ट मंच प्रदान किया है। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि श्रीमती लक्ष्मी ध्रुव ने लोक कलाओं के माध्यम से प्राकृतिक जुड़ाव के पक्ष को रेखांकित किया। कहा कि बस्तर में जनजाति कला का अद्भुत नजारा देखने को मिलता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कार्यशाला की उपयोगिता एवं महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जनजाति कला से छात्राओं को परिचित कराना है। रजा फाउण्डेशन के माध्यम से किया इसका आयोजन किया गया। कार्यक्रम के संयोजक योगेन्द्र त्रिपाठी ने विभिन्न राज्यों से आए कलाकारों की कलाओं का संक्षिप्त परिचय देते हुए लोक कलाओं को जीवन के लिए महत्वपूर्ण बताया।

गर्ल्स कॉलेज में सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला आदि-रंग

दुर्ग कन्या महाविद्यालय में सोमवार को कार्यशाला में प्रतिभागी।

यह दे रहे प्रशिक्षण

आमंत्रित कलाकारों में भील पेंटिंग के रमेश बरिया गोंड पेंटिंग के मंगरू एवं राधेश्याम, पिथौरा पेंटिंग के हरिसिंह एवं राकेश राठवा, गोदना की सूफियानो बाई, गुजराती कलमकारी के जगदीश चितारा तथा मुधबनी के श्रवण कुमार शामिल हैं। उद्घाटन सत्र का संचालन डॉ.ऋचा ठाकुर एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी ने किया। कार्यशाला में दुर्ग जिले के विभिन्न महाविद्यालयों से प्राध्यापक एवं विद्यार्थियों ने भी प्रतिभागिता की।

नवभारत

गर्ल्स कॉलेज में चित्रकला 'आदि-रंग' पर लगी कार्यशाला

दुर्ग. शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में चित्रकला पर सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला 'आदि-रंग' का उद्घाटन हुआ.

कार्यशाला की मुख्य अतिथि डॉ. माण्डवी सिंह, कुलपति, इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ ने लोक कलाओं को प्रोत्साहन देने एवं युवा पीढ़ी को अपना परंपरागत चित्र शैली से रूबरू कराने के इस सार्थक कार्यशाला के आयोजन पर महाविद्यालय को बधाई दी. उन्होंने कहा कि कलाएं व्यक्ति को सम्पूर्णता प्रदान करती है. रजा फाण्डेशन एवं कन्या महाविद्यालय ने देश के विभिन कोनों से लोक कलाकारों को आमंत्रित कर छत्तीसगढ़ के विद्यार्थियों में लोक कलाओं के प्रति अनुराग उत्पन्न करने हेतु यह विशिष्ट मंच प्रदान किया है. कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि श्रीमती लक्ष्मी ध्रुव ने लोक कलाओं के माध्यम से प्राकृतिक जुड़ाव के पक्ष को रेखांकित किया. उन्होंने कहा कि बस्तर में जनजाति कला का अद्भुत नजारा देखने को मिलता है. कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कार्यशाला की उपयोगिता एवं महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जनजाति कला से छात्राओं को परिचित कराना तथा राष्ट्रीय स्तर के चित्रकारों के सानिध्य में प्रशिक्षण प्राप्त करना अविस्मरणीय अनुभव है. कार्यक्रम के संयोजक योगेन्द्र त्रिपाठी ने विभिन्न राज्यों से आए कलाकारों की कलाओं का संक्षिप्त परिचय देते हुए लोक कलाओं को जीवन के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण बताया.

कार्यशाला में ड्राईंग पेंटिंग करती छात्राएं

आमंत्रित कलाकारों में भील पेंटिंग के रमेश बरिया गोंड पेंटिंग के मंगरू एवं राधेश्याम, पिथौरा पेंटिंग के हरिसिंह एवं राकेश राठवा, गोदना की सूफियानो बाई, गुजराती कलमकारी के जगदीश चितारा तथा मुधबनी के श्रवण कुमार शामिल हैं. उद्घाटन सत्र का संचालन डॉ. ऋचा ठाकुर एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी ने किया. कार्यशाला में दुर्ग जिले के विभिन्न महाविद्यालयों से प्राध्यापक एवं विद्यार्थियों ने भी प्रतिभागिता की.

05-12-2017

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

पत्रिका

सात दिनों में सीखीं चित्रकारी की बारीकियां

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

भिलाई ● कन्या महाविद्यालय, दुर्ग में चित्रकला विभाग एवं रजा फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित सात दिवसीय कार्यशाला के समापन शनिवार को हुआ। इस दौरान देश के विभिन्न प्रांतों से आए कलाकारों को सम्मानित किया गया। समापन समारोह में डॉ. दीपक कारकून एवं बीएसपी जनसंपर्क विभाग के अधिकारी विजय मैराल बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने की। डॉ. कारकून ने कहा कि हमारी भारतीय लोककला एवं चित्रकारी विश्व के किसी भी चित्रशैली से कमतर नहीं है। विदेशों में हमारी भारतीय कलाशैली की बहुत ज्यादा मांग है। अतिथि विजय मैराल ने कार्यशाला की विविधता को रेखांकित करते हुए नार्थ ईस्ट का उदाहरण सामने रखकर कला की सुंदरता को अभिव्यक्त किया। उन्होंने कहा कि व्यक्तित्व के विकास के लिए ऐसे रचनात्मक माहौल की जरूरत है। प्राचार्य डॉ. तिवारी ने प्रतिभागियों द्वारा इस कार्यशाला में सीखे गए कौशल को हमेशा अभ्यास कर विकसित करने को महत्वपूर्ण बताया। डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी ने कार्यशाला के लोक-कलाकारों का साक्षात्कार लिया और कार्यशाला की गतिविधियों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। चित्रकला विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. योगेन्द्र त्रिपाठी ने कार्यशाला की उपयोगिता एवं प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह कार्यशाला विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं चित्रकारों के लिए यादगार रहेगी।

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patsnkar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2212207 फैक्स 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 04.12.2017

प्रेस विज्ञप्ति

गर्ल्स कॉलेज में
कला से ही व्यक्ति का सम्पूर्ण व्यक्तित्व निर्मित होता है : डॉ. माण्डवी सिंह

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में चित्रकला पर सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला आदि–रंग का उद्घाटन सम्पन्न हुआ।

कार्यशाला की मुख्य अतिथि डॉ. माण्डवी सिंह, कुलपति, इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ ने लोक कलाओं को प्रोत्साहन देने एवं युवा पीढ़ी को अपना परंपरागत चित्र शैली से रू–ब–रू कराने के इस सार्थक कार्यशाला के आयोजन पर महाविद्यालय को बधाई दी। उन्होनें कहा कि – कलाएँ व्यक्ति को सम्पूर्णता प्रदान करती है। रज़ा फाण्डेशन एवं कन्या महाविद्यालय ने देश के विभिन कोनों से लोक कलाकारों को आमंत्रित कर छत्तीसगढ़ के विद्यार्थियों में लोक कलाओं के प्रति अनुराग उत्पन्न करने हेतु यह विशिष्ट मंच प्रदान किया है। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि श्रीमती लक्ष्मी ध्रुव ने लोक कलाओं के माध्यम से प्राकृतिक जुड़ाव के पक्ष को रेखांकित किया। उन्होनें कहा कि बस्तर में जनजाति कला का अद्भूत नजारा देखने को मिलता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कार्यशाला की उपयोगिता एवं महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जनजाति कला से छात्राओं को परिचित कराना तथा राष्ट्रीय स्तर के चित्रकारों के सानिध्य में प्रशिक्षण प्राप्त करना अविस्मरणीय अनुभव है। जिसका लाभ महाविद्यालय की छात्राओं को रज़ा फाउण्डेशन के माध्यम से मिल रहा है। कार्यक्रम के संयोजक श्री योगेन्द्र त्रिपाठी ने विभिन्न राज्यों से आए कलाकारों की कलाओं का संक्षिप्त परिचय देते हुए लोक कलाओं को जीवन के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण बताया। आमंत्रित कलाकारों में भील पेंटिंग के रमेश बरिया गोंड पेंटिंग के मंगरू एवं राधेश्याम, पिथौरा पेंटिंग के हरिसिंह एवं राकेश राठवा, गोदना की सूफियानो बाई, गुजराती कलमकारी के जगदीश चितारा तथा मुधबनी के श्रवण कुमार शामिल है। उद्घाटन सत्र का संचालन डॉ. ऋचा ठाकुर एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी ने किया। कार्यशाला में दुर्ग जिले के विभिन्न महाविद्यालयों से प्राध्यापक एवं विद्यार्थियों ने भी प्रतिभागिता की।

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patenkar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

(डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य

गर्ल्स कॉलेज में

कला से ही व्यक्ति का सम्पूर्ण व्यक्तित्व निर्मित होता है : डॉ. माण्डवी सिंह

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

4 देशबन्धु

सिसुफा उर्वरक का भंडार
व विक्रय निलंबि

जैसी सोच वैसा ही सृजनः डॉ. भारद्वाज

दुर्ग, 28 नवंबर (देशबन्धु)। शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में मनोविज्ञान विभाग के तत्वाधान में अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता मनोवैज्ञानिक डॉ. संजय भारद्वाज थे। डॉ. भारद्वाज ने बताया कि व्यक्ति अपने भविष्य का निर्माता स्वयं है। हम जैसा सोचते है वैसा ही बन जाते है। हमारी निरंतर सोच के अनुसार वर्तमान और भविष्य सृजित होता है। डॉ. भारद्वाज ने शोध कार्यों के आधार पर प्रायोगिक प्रश्नों एवं जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए उन्होनें पढ़ाई और दैनिक जीवन से संबंधित समस्याओं का निराकरण भी किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि मनोविज्ञान विषय रोजगारपरक है जिसके अध्ययन से विद्यार्थी काउंसलर के रूप में रोजगार पा सकते है। उन्होनें मनोविज्ञान में बढ़ती छात्राओं की संख्या को देखते हुए स्नातकोत्तर कक्षा की आवश्यकता बताई जिसके लिए भरसक प्रयास किया जावेगा। इस अवसर पर गृहविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. अमिता सहगल ने भी छात्राओं को मनोवैज्ञानिक विश्लेषण पद्धति पर जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. तृप्तिबाला अनुरागी ने किया।

नवभारत

जैसी सोच वैसा ही सृजन- डॉ. भारद्वाज

दुर्ग. शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मनोविज्ञान विभाग के तत्वावधान में अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया. मुख्य वक्ता मनोवैज्ञानिक डॉ. संजय भारद्वाज ने बताया कि व्यक्ति अपने भविष्य का निर्माता स्वयं है. हम जैसा सोचते है वैसा ही बन जाते है. हमारी निरंतर सोच के अनुसार वर्तमान और भविष्य सृजित होता है. डॉ. भारद्वाज ने शोध कार्यों के आधार पर प्रायोगिक प्रश्नों एवं जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए उन्होंने पढ़ाई और दैनिक जीवन से संबंधित समस्याओं का निराकरण भी किया.कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि मनोविज्ञान विषय रोजगारपरक है जिसके अध्ययन से विद्यार्थी काउंसलर के रूप में रोजगार पा सकते है. उन्होंने मनोविज्ञान में बढ़ती छात्राओं की संख्या को देखते हुए स्नातकोत्तर कक्षा की आवश्यकता बताई जिसके लिए भरसक प्रयास किया जाएगा. इस अवसर पर गृहविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. अमिता सहगल ने भी छात्राओं को मनोवैज्ञानिक विश्लेषण पद्धति पर जानकारी दी. कार्यक्रम का संचालन डॉ. तृप्तिबाला अनुरागी ने किया. इस अवसर पर बीए भाग-1, 2 एवं 3 की छात्राएं उपस्थित थी.

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girls PG College

दैनिक भास्कर

BHILAI-RAIPUR, WEDNESDAY, 29/11/2017 . 21

हम जैसा सोचते हैं वैसे ही बन जाते हैं: डॉ. भारद्वाज

सिटी रिपोर्टर | भिलाई

गर्ल्स कॉलेज में हुए व्याख्यान में स्टूडेंट्स बड़ी संख्या में शामिल हुए।

गर्ल्स कॉलेज दुर्ग में मनोविज्ञान विभाग की ओर से हुए व्याख्यान में मुख्यवक्ता मनोवैज्ञानिक डॉ. संजय भारद्वाज ने बताया कि व्यक्ति अपने भविष्य का निर्माता खुद है। जैसा सोचते हैं, वैसे ही बन जाते हैं। हमारी निरंतर सोच के अनुसार वर्तमान और भविष्य सृजित होता है। उन्होंने शोध कार्यों के आधार पर प्रायोगिक प्रश्नों और जिज्ञासाओं का समाधान किया। पढ़ाई और दैनिक जीवन से संबंधित समस्याओं पर चर्चा की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे संस्था के प्राचार्य डॉ.. सुशीलचंद्र तिवारी ने कहा कि मनोविज्ञान विषय रोजगारपरक है। इसके अध्ययन से विद्यार्थी काउंसलर के रूप में रोजगार पा सकते हैं। उन्होंने मनोविज्ञान में बढ़ती छात्राओं की संख्या को देखते हुए स्नातकोत्तर कक्षा की आवश्यकता बताई।

उसके लिए प्रयास किया जाएगा। इस अवसर पर गृहविज्ञान विभाग की अध्यक्ष डॉ.अमिता सहगल ने भी छात्राओं को मनोवैज्ञानिक विश्लेषण पद्धति पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जीवन में संतुलन रखना बेहद जरूरी है। मानसिक विकास के लिए ये बेहद जरूरी है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. तृप्ति बाला अनुरागी ने किया। इस अवसर पर बीए भाग-1, 2 और 3 की छात्राओं सहित मनोविज्ञान विभाग की शिक्षिकाएं उपस्थित थीं।

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम-शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788-2212207 फैक्स 0788-2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 28.11.2017

प्रेस विज्ञप्ति

गर्ल्स कॉलेज में

जैसी सोच वैसा ही सृजन :– डॉ. भारद्वाज

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में मनोविज्ञान विभाग के तत्वाधान में अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता मनोवैज्ञानिक डॉ. संजय भारद्वाज थे। डॉ. भारद्वाज ने बताया कि व्यक्ति अपने भविष्य का निर्माता स्वयं है। हम जैसा सोचते है वैसा ही बन जाते है। हमारी निरंतर सोच के अनुसार वर्तमान और भविष्य सृजित होता है। डॉ. भारद्वाज ने शोध कार्यों के आधार पर प्रायोगिक प्रश्नों एवं जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए उन्होनें पढ़ाई और दैनिक जीवन से संबंधित समस्याओं का निराकरण भी किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि मनोविज्ञान विषय रोजगारपरक है जिसके अध्ययन से विद्यार्थी काउंसलर के रूप में रोजगार पा सकते है। उन्होनें मनोविज्ञान में बढ़ती छात्राओं की संख्या को देखते हुए स्नातकोत्तर कक्षा की आवश्यकता बताई जिसके लिए भरसक प्रयास किया जावेगा।

इस अवसर पर गृहविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. अमिता सहगल ने भी छात्राओं को मनोवैज्ञानिक विश्लेषण पद्धति पर जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. तृप्तिबाला अनुरागी ने किया। इस अवसर पर बी.ए. भाग–1, 2 एवं 3 की छात्राएँ उपस्थित थी।

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg

(डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य

संविधान दिवस पर हुई निबंध स्पर्धा

हरिभूमि न्यूज ›› दुर्ग

कन्या महाविद्यालय में संविधान दिवस पर राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई तथा राजनीतिशास्त्र विभाग द्वारा निबंध लेखन स्पर्धा का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने छात्राओं, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को शपथ दिलाई। वाणिज्य विभाग में संविधान की उद्देशिका का पठन किया गया। जिसमें उल्लेख किया गया कि भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व संपन्न लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा सबमें व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखण्डता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्पित है। स्पर्धा में प्रथम सबा अली, द्वितीय तृप्ति नायर तथा तृतीय स्थान पर तृष्णा नायर रही। प्राध्यापक डॉ. डीसी अग्रवाल, डॉ. केएल राठी, डॉ. ऋचा ठाकुर, डॉ. शशि कश्यप, डॉ. ज्योति भरणे आदि उपस्थित थे।

- स्पर्धा में सबा अली प्रथम व तृप्ति नायर रहे द्वितीय स्थान पर

अधिकारी एवं कर्मचारियों ने ली शपथ

दुर्ग हरिभूमि 15

देशबन्धु

गर्ल्स कॉलेज में संविधान दिवस मनाया

दुर्ग, 27 नवंबर (देशबन्धु)। शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में ''संविधान दिवस'' मनाया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई तथा राजनीतिशास्त्र विभाग के तत्वाधान में इस अवसर पर निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने छात्राओं, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को शपथ दिलाई। वाणिज्य विभाग में संविधान की उद्देशिका का पठन किया गया। जिसमें उल्लेख किया गया कि भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व संपन्न लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा सबमें व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखण्डता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़संकल्पित है। निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर कु. सबा अली, एम.ए., द्वितीय स्थान पर कु. तृप्ति नायर, बी.ए.-2 तथा तृतीय स्थान पर तृष्णा नायर, बी.ए.-2 रही। महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल, डॉ.के.एल.राठी, डॉ. ऋचा ठाकुर, डॉ. शशि कश्यप, डॉ. ज्योति भरणे, डॉ. सीमा अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

28.11.17

52

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG College

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2212207 फैक्स 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 27.11.2017

प्रेस विज्ञप्ति

गर्ल्स कॉलेज में

"संविधान दिवस" मनाया गया

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में "संविधान दिवस" मनाया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई तथा राजनीतिशास्त्र विभाग के तत्वाधान में इस अवसर पर निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने छात्राओं, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को शपथ दिलाई। वाणिज्य विभाग में संविधान की उद्देशिका का पठन किया गया। जिसमें उल्लेख किया गया कि भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व संपन्न लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा सबमें व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखण्डता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़संकल्पित है।

निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर कु. सबा अली, एम.ए., द्वितीय स्थान पर कु. तृप्ति नायर, बी.ए.–2 तथा तृतीय स्थान पर तृष्णा नायर, बी.ए.–2 रही।

महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल, डॉ.के.एल.राठी, डॉ. ऋचा ठाकुर, डॉ. शशि कश्यप, डॉ. ज्योति भरणे, डॉ. सीमा अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

(डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

दैनिक भास्कर
भिलाई-दुर्ग

इतिहास हर किसी के लिए जरूरी, प्रतियोगी परीक्षाओं का भी महत्वपूर्ण हिस्सा: अग्रवाल

सिटी रिपोर्टर | भिलाई

इतिहास विषय की जानकारी हर किसी के लिए जरूरी है, इतिहास खुद को हमेशा दोहराता है। ये कहना है अंचल के इतिहासविद और प्राध्यापक डॉ. केके अग्रवाल का। गर्ल्स कॉलेज दुर्ग में इतिहास विभाग द्वारा आयोजित इतिहास विषय में जानकारी के कार्यक्रम में अतिथि व्याख्यान के रूप में अग्रवाल ने ये बातें बताई। आगे अग्रवाल ने बताया कि पाषाण काल से लेकर आधुनिक काल तक के इतिहास के प्रमुख बिन्दुओं पर चर्चा की।

उन्होंने इतिहास में विभाजित तिथियों जैसे ईसवी, सन, विक्रम संवत, शक संवत और हिजरी सन् की व्याख्या के साथ ही बताया कि दुर्ग अंचल में अनेक स्थानों में पुरातात्विक धरोहर के अवशेष

गर्ल्स कॉलेज में प्रतियोगी परीक्षा का महत्व बताया।

प्राप्त हुए है। यह अंचल पुरातात्विक अवशेषों का केंद्र है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि इतिहास विषय की मांग हमेशा बनी रहती है। प्राध्यापक डॉ. केएल राठी ने बताया कि मुद्राओं का चलन भी प्राचीन काल से चला आ रहा है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ऋचा ठाकुर ने किया। इसमें कॉलेज की छात्राएं भी उपस्थित थी।

दुर्ग अंचल पुरातात्विक धरोहर का केन्द्रः डॉ. अग्रवाल

दुर्ग, 15 नवंबर (देशबन्धु)। इतिहास विषय हर किसी के लिए अहम् है और इतिहास अपने को दोहराता है। ये उद्गार अंचल के इतिहासविद् एवं प्राध्यापक डॉ. के.के. अग्रवाल ने शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में इतिहास विभाग द्वारा आयोजित अतिथि व्याख्यान में व्यक्त किए। डॉ. अग्रवाल ने पाषाण काल से लेकर आधुनिक काल तक के इतिहास के प्रमुख बिन्दुओं पर चर्चा की। उन्होनें इतिहास में विभाजित ईस्वी, सन् विक्रम संवत, शकसंवत, हिजरी सन् की व्याख्या के साथ ही बताया कि दुर्ग अचंल में अनेक स्थानों में पुरातात्विक धरोहर के अवशेष प्राप्त हुए है। यह अंचल पुरातात्विक अवशेषों का केन्द्र है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि इतिहास विषय की मांग हमेशा बनी रहती

है, जितनी भी प्रतियोगी परीक्षाएं होती है उसमें इतिहास का महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। प्राध्यापक डॉ. के.एल. राठी ने बताया कि मुद्राओं का चलन प्राचीन काल से चला आ रहा है जिसका रूप बदलता रहा है। धातु के सिक्कों से अब प्लास्टिक मनी तक हम पहुँच चुके है।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. ऋचा ठाकुर ने किया इस अवसर पर बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित थी। उन्होनें प्रश्नों के माध्यम से अपनी जिज्ञासा का समाधान प्राप्त किया। इतिहास की प्राध्यापक कु. शबीना बेगम ने आभार प्रदर्शित किया।

देशबन्धु

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2212207 फैक्स 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 27.11.2017

प्रेस विज्ञप्ति

गर्ल्स कॉलेज में

"संविधान दिवस" मनाया गया

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में "संविधान दिवस" मनाया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई तथा राजनीतिशास्त्र विभाग के तत्वाधान में इस अवसर पर निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने छात्राओं, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को शपथ दिलाई। वाणिज्य विभाग में संविधान की उद्देशिका का पठन किया गया। जिसमें उल्लेख किया गया कि भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व संपन्न लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा सबमें व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखण्डता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़संकल्पित है।

निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर कु. सबा अली, एम.ए., द्वितीय स्थान पर कु. तृप्ति नायर, बी.ए.–2 तथा तृतीय स्थान पर तृष्णा नायर, बी.ए.–2 रही।

महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल, डॉ.के.एल.राठी, डॉ. ऋचा ठाकुर, डॉ. शशि कश्यप, डॉ. ज्योति भरणे, डॉ. सीमा अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

(डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girls PG. College, Durg (C.G.)

दैनिक भास्कर

इतिहास हर किसी के लिए जरूरी, प्रतियोगी परीक्षाओं का भी महत्वपूर्ण हिस्सा: अग्रवाल

सिटी रिपोर्टर | भिलाई

गर्ल्स कॉलेज में प्रतियोगी परीक्षा का महत्व बताया।

इतिहास विषय की जानकारी हर किसी के लिए जरूरी है, इतिहास खुद को हमेशा दोहराता है। ये कहना है अंचल के इतिहासविद और प्राध्यापक डॉ. केके अग्रवाल का। गर्ल्स कॉलेज दुर्ग में इतिहास विभाग द्वारा आयोजित इतिहास विषय में जानकारी के कार्यक्रम में अतिथि व्याख्यान के रूप में अग्रवाल ने ये बातें बताई। आगे अग्रवाल ने बताया कि पाषाण काल से लेकर आधुनिक काल तक के इतिहास के प्रमुख बिन्दुओं पर चर्चा की।

उन्होंने इतिहास में विभाजित तिथियों जैसे ईस्वी, सन, विक्रम संवत, शक संवत और हिजरी सन् की व्याख्या के साथ ही बताया कि दुर्ग अंचल में अनेक स्थानों में पुरातात्विक धरोहर के अवशेष प्राप्त हुए है। यह अंचल पुरातात्विक अवशेषों का केंद्र है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि इतिहास विषय की मांग हमेशा बनी रहती है। प्राध्यापक डॉ. केएल राठी ने बताया कि मुद्राओं का चलन भी प्राचीन काल से चला आ रहा है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ऋचा ठाकुर ने किया। इसमें कॉलेज की छात्राएं भी उपस्थित थी।

दुर्ग अंचल पुरातात्विक धरोहर का केन्द्रः डॉ. अग्रवाल

दुर्ग, 15 नवंबर (देशबन्धु)। इतिहास विषय हर किसी के लिए अहम् है और इतिहास अपने को दोहराता है। ये उद्गार अंचल के इतिहासविद् एवं प्राध्यापक डॉ. के.के. अग्रवाल ने शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में इतिहास विभाग द्वारा आयोजित अतिथि व्याख्यान में व्यक्त किए। डॉ. अग्रवाल ने पाषाण काल से लेकर आधुनिक काल तक के इतिहास के प्रमुख बिन्दुओं पर चर्चा की। उन्होंने इतिहास में विभाजित ईस्वी, सन, विक्रम संवत, शक संवत, हिजरी सन् की व्याख्या के साथ ही बताया कि दुर्ग अचंल में अनेक स्थानों में पुरातात्विक धरोहर के अवशेष प्राप्त हुए है। यह अंचल पुरातात्विक अवशेषों का केन्द्र है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि इतिहास विषय की मांग हमेशा बनी रहती है, जितनी भी प्रतियोगी परीक्षाएं होती है उसमें इतिहास का महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। प्राध्यापक डॉ. के.एल. राठी ने बताया कि मुद्राओं का चलन प्राचीन काल से चला आ रहा है जिसका रूप बदलता रहा है। धातु के सिक्कों से अब प्लास्टिक मनी तक हम पहुँच चुके है।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. ऋचा ठाकुर ने किया इस अवसर पर बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित थी। उन्होनें प्रश्नों के माध्यम से अपनी जिज्ञासा का समाधान प्राप्त किया। इतिहास की प्राध्यापक कु. शबीना बेगम ने आभार प्रदर्शित किया।

देशबन्धु

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2212207 फैक्स 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 15.11.2017

प्रेस विज्ञप्ति

गर्ल्स कॉलेज में व्याख्यान

"दुर्ग अचंल पुरातात्विक धरोहर का केन्द्र" :– डॉ. के.के. अग्रवाल

इतिहास विषय हर किसी के लिए अहम् है और इतिहास अपने को दोहराता है। ये उद्‌गार अंचल के इतिहासविद् एवं प्राध्यापक डॉ. के.के. अग्रवाल ने शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में इतिहास विभाग द्वारा आयोजित अतिथि व्याख्यान में व्यक्त किए। डॉ. अग्रवाल ने पाषाण काल से लेकर आधुनिक काल तक के इतिहास के प्रमुख बिन्दुओं पर चर्चा की।

उन्होनें इतिहास में विभाजित ईस्वी, सन्, विक्रम संवत, शक संवत, हिजरी सन् की व्याख्या के साथ ही बताया कि दुर्ग अचंल में अनेक स्थानों में पुरातात्विक धरोहर के अवशेष प्राप्त हुए है। यह अंचल पुरातात्विक अवशेषों का केन्द्र है।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि इतिहास विषय की मांग हमेशा बनी रहती है, जितनी भी प्रतियोगी परीक्षाएं होती है उसमें इतिहास का महत्वपूर्ण हिस्सा होता है।

प्राध्यापक डॉ. के.एल. राठी ने बताया कि मुद्राओं का चलन प्राचीन काल से चला आ रहा है जिसका रूप बदलता रहा है। धातु के सिक्कों से अब प्लास्टिक मनी तक हम पहुँच चुके है।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. ऋचा ठाकुर ने किया इस अवसर पर बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित थी। उन्होनें प्रश्नों के माध्यम से अपनी जिज्ञासा का समाधान प्राप्त किया। इतिहास की प्राध्यापक कु. शबीना बेगम ने आभार प्रदर्शित किया।

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

(डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य

गर्ल्स कॉलेज में

"मुक्तिबोध की कविताओं में जीवन का यथार्थ है।"

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

(डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2212207 फैक्स 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 13.11.2017

प्रेस विज्ञप्ति

गर्ल्स कॉलेज में

"मुक्तिबोध की कविताओं में जीवन का यथार्थ है।"

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में सुप्रसिद्ध साहित्यकार कवि गजानन माधव मुक्तिबोध की जन्मशती मनाई गयी। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने मुक्तिबोध के चित्र पर माल्यार्पण कर समारोह का शुभारंभ किया।

एम.ए. हिन्दी की छात्रा भावना सोनवानी ने "अंधेरे में" कविता के अंश का गायन किया। कु. अनुपमा ठाकुर ने मुक्तिबोध के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय दिया तो वही कु. निकिता पाण्डे ने "मुझे कदम–कदम" पर कविता का पाठ किया।

हिन्दी विभाग की प्राध्यापक ज्योति भरणे ने मुक्तिबोध के जीवन एवं उनकी कवितायात्रा को रेखांकित करते हुए राजनांदगांव के संस्मरण प्रस्तुत किए।

कु. अम्बरीश त्रिपाठी ने वर्तमान संदर्भों में मुक्तिबोध की कविताओं की प्रासंगिकता पर विचार रखते हुए कहा कि उनकी रचनाएँ आज भी प्रासंगिक है।

प्राचार्य डॉ. तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि मुक्तिबोध की कविताओं में जीवन का यथार्थ है। उनका संपूर्ण व्यक्तित्व उनकी रचनाओं में परिलक्षित होता है। वे अपने समाज के शब्दशिल्पी–चित्रकार थे। उनकी कविताओं में आने वाले दृश्य, स्थान या संकेत दरअसल उन्होनें अपने आस–पास के परिवेश से ही उठाया है जिसे वे 'संवेदनात्मक ज्ञान' भी कहते है।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए विभागाध्यक्ष डॉ. यशेश्वरी ध्रुव ने कहा कि मुक्तिबोध की कविताओं में वैज्ञानिक दृष्टि, अन्तर्राष्ट्रीय समक्ष स्पष्ट झलकता है। उनकी कविताएं जिंदगी के तनाव और स्मृति का लेखा है। कार्यक्रम में मुक्तिबोध जन्मशती पर इस वर्ष विभिन्न आयोजन तथा राजनांदगांव के त्रिवेणी परिसर भ्रमण की रूपरेखा तय की गयी।

महाविद्यालय की छात्राओं ने महाकवि रचनाकार मुक्तिबोध को श्रद्धासुमन अर्पित किया।

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patanker
Girl's P.G. College

कन्या महाविद्यालय में नवरात्रि पर रही गरबा की धूम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्ग

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में नृत्य विभाग के तत्वाधान में देशी डे का आयोजन किया गया। इससे गरबा नृत्य प्रतियोगिता आयोजित की गई।

सभी छात्राएं देशी परिधान में रंग-बिरंगे वेशभूषा में उत्साह से शामिल हुई। स्पर्धा में 20 टीमों ने हिस्सा लिया इन टीमों में नामकरण भारतीय संस्कृति को दर्शाता है जिनमें रंगायन, नृत्य ग्रुप, तितली, मधुबन, सुरसंगम, रास रंगीलो, शारदा, नवरंग आदि प्रमुख है। छात्राओं के समूहों ने एक से बढ़कर एक गरबा नत्य प्रस्तुत किया जिससे पूरा माहौल नवरात्रि उत्सवमय हो गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि महापौर चंद्रिका चंद्राकर थी, जिन्होंने छात्राओं की प्रतिभा की सराहना की तथा उन्हें पुरस्कृत किया स्पर्धा में भारतीय डांडिया ग्रुप ने प्रथम तथा देशी गर्ल्स समूह ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में डॉ. योगेन्द्र त्रिपाठी, डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी, डॉ. के.एल.राठी ने संयोजन किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ऋचा ठाकुर ने किया। आभार प्रदर्शन छात्रसंघ अध्यक्ष कु. सुमन कुशवाहा ने किया।

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,

दुर्ग (छ.ग.)

नृत्य विभाग का "देशी डे"आयोजन

गरबा प्रतियोगिता

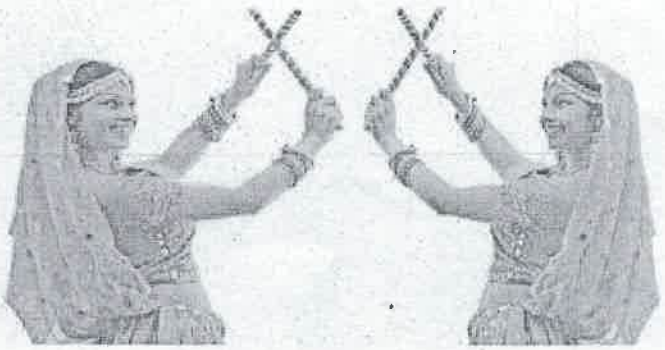

महाविद्यालय की छात्राओं का सामूहिक प्रयास

विभिन्न समूहों की सांस्कृतिक अभिरूचि की स्पर्धा

दिनांक	:	25 सितम्बर 2017
समय	:	प्रातः 12:00 बजे
स्थान	:	महाविद्यालय परिसर

संयोजक
डॉ. ऋचा ठाकुर
नृत्य विभाग

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

प्राचार्य
डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2212207 फैक्स 0788 2212207
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com
Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

क्र0 758 /2017

दुर्ग, दिनांक : 27.09.2017

प्रति,

डॉ. समरेन्द्र सिंह,
नोडल एवं राज्य एन.एस.एस. अधिकारी
उच्च शिक्षा विभाग
मंत्रालय
महानदी भवन, नया रायपुर।

विषय – प. दीनदयाल उपाध्याय जन्मशती समारोह का प्रतिवेदन।

सन्दर्भ – आपक पत्र क्र. 830/उ.शि./रा.से.यो./2017 नया रायपुर दिनांक 15.09.2017

––00––

उपरोक्त विषयान्तर्गत लेख है कि संदर्भित पत्रानुसार प्राप्त निर्देशों के अनुसार महाविद्यालय में दिनांक 15 सितम्बर 2017 से 25 सितम्बर 2017 तक पं. दीनदयाल उपाध्याय जन्मशती समारोह आयोजित किया गया। जिसमें विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। समारोह की रिपोर्ट संलग्न कर प्रेषित है।

S2

(डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य
शासकीय डॉ0 वा0वा0 पाटणकर कन्या
स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग

पृ. क्र. /2017

दुर्ग, दिनांकः ....

प्रतिलिपिः–

(1) आयुक्त, उच्च शिक्षा संचालनालय, इन्द्रावती भवन नया रायपुर।
(2) समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना, दुर्ग विश्वविद्यालय, दुर्ग।
(3) नोडल अधिकारी, जिला कार्यालय, दुर्ग।

Dr. A. Sehgal
I.Q.A.C.
S2
27.9.17

(डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य
शासकीय डॉ0 वा0वा0 पाटणकर कन्या
स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग

PRINCIPAL
Govt. Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg

पं. दीनदयाल उपाध्याय जन्मशती समारोह

(15 सितम्बर 2017 से 25 सितम्बर 2017)

//एक रपट//

शुभारंभ :– 15 सितम्बर 2017 (शुक्रवार)

पं. दीनदयाल उपाध्याय जन्मशती समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्जवलन के साथ प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने किया।

"पं. दीनदयाल उपाध्याय एक कालजयी दार्शनिक विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गयी। जिसमें महाविद्यालय के प्राचार्य के साथ हीं प्रमुख वक्ता डॉ. डी.सी. अग्रवाल ने पंडित जी के जीवन के दार्शनिक पहलुओं पर प्रकाश डाला।

डॉ. ऋचा ठाकुर ने पंडित जी के जीवन का रोचक ढंग से प्रस्तुतिकरण किया।

(फोटो : कार्यक्रम शुभारंभ)

❖ निबंध प्रतियोगिता– 16 सितंबर 2017 (शनिवार) :– छात्राओं के लिए निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई।

"पं. दीनदयाल उपाध्याय का जीवन दर्शन" तथा भारत की राष्ट्रीय एकता और सुरक्षाः– आज के परिप्रेक्ष्य में" विषयों पर छात्राओं ने निबंध लिखे।

(निबंध प्रतियोगिता)

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

नवभारत 5

हिन्दी दिवस पर विविध आयोजन

पोस्टर प्रदर्शनी का अवलोकन करती मुख्य अतिथि व अन्य

दुर्ग. शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में हिन्दी विभाग के तत्वावधान में हिन्दी दिवस मनाया गया. इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताएं तथा कविता प्रदर्शनी आयोजित की गई.

मुख्य कार्यक्रम शासकीय महाविद्यालय गुण्डरदेही की प्राचार्य डॉ. श्रद्धा चंद्राकर के मुख्य आतिथ्य में हुआ. कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने की. हिन्दी की विभागाध्यक्ष डॉ. यशेश्वरी ध्रुव ने कार्यक्रम का संचालन किया. इस अवसर पर हिन्दी साहित्य परिषद का उद्घाटन किया गया तथा पदाधिकारियों, अध्यक्ष पूनम साहू, उपाध्यक्ष, रेणुका पटेल, कोषाध्यक्ष अनुपमा ठाकुर, सचिव निकिता पाण्डेय तथा अन्य पदाधिकारियों को शपथ दिलाई गई. काजल, तृप्ति नायर, तृष्णा नायर, रूचि शर्मा तथा भावना ने भी अपने विचार रखे. एमए हिन्दी साहित्य की छात्राओं ने मुक्तिबोध की कविता को स्वरबद्ध किया. जिसकी सभी ने प्रशंसा की.

इस अवसर विद्यार्थियों ने कविता पोस्टर बनाये जिसकी प्रदर्शनी लगाई गई. महाविद्यालय के चित्रकला विभाग के विद्यार्थियों ने डॉ. योगेन्द्र त्रिपाठी के मार्गदर्शन में देश के सुप्रसिद्ध साहित्यिकारों के चित्र बनाये जिन्हें प्रदर्शित किया गया. कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन डॉ. ज्योति भरणे ने किया. इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं छात्राएं उपस्थित थे.

भिलाई हरिभूमि 15

हिंदी भाषा के मानक को बनाए रखेंः डॉ. श्रद्धा

हरिभूमि न्यूज ▸▸| दुर्ग

शासकीय डॉ. पाटणकर कन्या महाविद्यालय में हिंदी विभाग के तत्वाधान में हिंदी दिवस मनाया गया।

इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताएं तथा कविता प्रदर्शनी आयोजित की गई। मुख्य अतिथि शासकीय महाविद्यालय गुण्डरदेही की प्राचार्य डॉ. श्रद्धा चंद्राकर थीं। डॉ. चंद्राकार ने कहा कि भाषा में लगातार परिवर्तन व निर्माण होता है। आज की पीढ़ी भाषा के विस्तृत स्वरूप को बोझ समझती है। सूचनातंत्र के साथ भाषा मशीनी भाषा के रूप में प्रयुक्त हो रही है। हमें हिंदी के मानदण्ड को

बनाये रखना है और हिंदी के प्रति हमारी जागरूकता भी बनी रहे, यह तभी संभव है, जब हम मन से हिंदी के प्रति अपना दायित्व समझेंगे। प्राचार्य डॉ. सुशील चंद्र तिवारी ने कहा कि हिंदी की लोकप्रियता दिनों दिन बढ़ रही है। युवा पीढ़ी एवं हमारा बाजार हिंदी को आत्मसात कर चुका है। विज्ञान के शोध क्षेत्रों में अभी भी अंग्रेजी का वर्चस्व है किंतु हिंदी का शोधक्षेत्र में विस्तार से अब कहीं दिक्कत नहीं आती है। विभागाध्यक्ष डॉ. यशेश्वरी ध्रुव ने कार्यक्रम का संचालन किया और हिंदी दिवस की महत्ता बताया।

इस अवसर पर हिंदी साहित्य परिषद का उद्घाटन किया गया तथा अध्यक्ष पूनम साहू, उपाध्यक्ष, रेणुका पटेल, कोषाध्यक्ष अनुपमा ठाकुर, सचिव निकिता पाण्डेय तथा अन्य पदाधिकारियों को शपथ दिलाई गई। महाविद्यालय के चित्रकला विभाग के विद्यार्थियों ने डॉ. योगेन्द्र त्रिपाठी के मार्गदर्शन में देश के साहित्यिकारों के चित्र बनाए जिन्हें प्रदर्शित्त किया गया। कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन डॉ. ज्योति भरणे ने किया।

PRINCIPAL
Govt Dr. W.W. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2212207 फैक्स 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 14.09.2017

प्रेस विज्ञप्ति

हिन्दी दिवस पर विविध आयोजन

हिन्दी भाषा के मानक को बनाये रखना हमारी जवाबदारी है – डॉ. श्रद्धा चंद्राकर

शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में हिन्दी विभाग के तत्वाधान में हिन्दी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताएँ तथा कविता प्रदर्शनी आयोजित की गई।

मुख्य कार्यक्रम शासकीय महाविद्यालय गुण्डरदेही की प्राचार्य डॉ. श्रद्धा चंद्राकर के मुख्य आतिथ्य में हुआ।

डॉ. चंद्राकार ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि भाषा में लगातार परिवर्तन व निर्माण होता है। आज की पीढ़ी भाषा के विस्तृत स्वरूप को बोझ समझती है। सूचनातंत्र के साथ भाषा मशीनी भाषा के रूप में प्रयुक्त हो रही है। हिन्दी में पाठक वर्ग कम हो रहा है। कई हिन्दी पत्रिकाओं का प्रकाशन बंद हो गया है। किन्तु आज भी हिन्दी उत्रोत्तर विकास कर रही है। पूरे विश्व में हिन्दी का विस्तार हुआ है। हमें हिन्दी के मानदण्ड को बनाये रखना है और हिन्दी के प्रति हमारी जागरूकता भी बनी रहे यह तभी संभव जब हम मन से हिन्दी के प्रति अपना दायित्व समझेंगे।

कार्यक्रम के अध्यक्ष प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि हिन्दी की लोकप्रियता दिनों दिन बढ़ रही है। युवा पीढ़ी एवं हमारा बाजार हिन्दी को आत्मसात कर चुका है। विज्ञान के शोध क्षेत्रों में अभी भी अंग्रेजी का वर्चस्व है किंतु हिन्दी का शोधक्षेत्र में विस्तार से अब कहीं दिक्कत नहीं आती है।

चीन एवं अमेरिका में भी हिन्दी का अध्ययन विस्तारित हुआ है जो प्रमाण है। हिन्दी की विभागाध्यक्ष डॉ. यशेश्वरी ध्रुव ने कार्यक्रम का संचालन किया और हिन्दी दिवस की महत्ता को विद्यार्थियों को बताया। इस अवसर पर हिन्दी साहित्य परिषद का उद्‌घाटन किया गया तथा पदाधिकारियों, अध्यक्ष कु. पूनम साहू, उपाध्यक्ष, कु. रेणुका पटेल, कोषाध्यक्ष कु. अनुपमा ठाकुर, सचिव कु. निकिता पाण्डेय तथा अन्य पदाधिकारियों को शपथ दिलाई गई। कु. काजल, कु. तृप्ति नायर, कृ. तृषणा नायर, कु. रूचि शर्मा तथा कु. भावना ने भी अपने विचार रखे।

एम.ए. हिन्दी साहित्य की छात्राओं ने मुक्तिबोध की कविता को स्वरबद्ध किया। जिसकी सभी ने प्रशंसा की।

इस अवसर विद्यार्थियों ने कविता पोस्टर बनाये जिसकी प्रदर्शनी लगाई गई। महाविद्यालय के चित्रकला विभाग के विद्यार्थियों ने डॉ. योगेन्द्र त्रिपाठी के मार्गदर्शन में देश के सुप्रसिद्ध साहित्यिकारों के चित्र बनाये जिन्हें प्रदर्शित किया गया।

कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन डॉ. ज्योति भरणे ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं छात्राएँ उपस्थित थे।

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C G.)

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2212207 फैक्स 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 05.09.2017

प्रेस विज्ञप्ति

गर्ल्स कॉलेज में

"शिक्षक दिवस" पर शिक्षकों का सम्मान

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग में शिक्षक दिवस पर शिक्षकों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर आयोजित समारोह में प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने सत्र 2016–17 के उत्कृष्ट परीक्षाफल के लिए शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

अपने उद्‌बोधन में प्राचार्य डॉ. तिवारी ने कहा कि आज का दिन हम शिक्षकों के लिए आत्ममूल्यांकन का दिन है। जब हम देखे कि कर्तव्य की कसौटी पर हम कितना खरे उतरे है। हमारे विद्यार्थी हमारे अध्यापन से मार्गदर्शन से कितने संतुष्ट है।

इस अवसर पर वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी.अग्रवाल ने कहानियों के माध्यम से शिक्षकों के महत्व को बतलाया।

महाविद्यालय में इस वर्ष बी.ए. अंतिम में सर्वाधिक अंक प्राप्त छात्रा कु. अनामिका झा ने कविता पाठ किया। महाविद्यालय की पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष कु. रूचि शर्मा को जेण्डर चैम्पियन का बैच लगाकर स्वागत किया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. ऋचा ठाकुर ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक उपस्थित थे।

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG College Durg

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम-शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788-2212207 फैक्स 0788-2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 31.08.2017

प्रेस विज्ञप्ति

गर्ल्स कॉलेज में

"हिन्दी भाषा और बोलियाँ" पर व्याख्यान

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग में स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग के **तत्वाधान** में "हिन्दी भाषा और बोलियां– भाषिक अन्तर्संबंध" पर विशेष व्याख्यान का आयोजन **किया** गया। मुख्य वक्ता कलकत्ता विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के पूर्वविभागाध्यक्ष डॉ. अन्नपूर्णा **शर्मा थे।**

भाषाविद डॉ. शर्मा ने कहा कि देखा जाए तो हम दो भाषाओं का अनुशीलन करते है। घर–परिवार से हम छत्तीसगढ़ी सुनते और सीखते है। लेकिन प्राथमिक स्तर पर हिन्दी में ही ककहरा सीखते है।

आठवीं अनुसूची में अपने–अपने क्षेत्र की बोलियों को दर्ज कराने की होड़ लगी हुई है। राजस्थानी, हरियाणवी, अंगिका, मगही, भोजपुरी, छत्तीसगढ़ी आठवीं सूची में शामिल होने की कतार में है।

उन्होनें कहा कि स्वतंत्रता के बाद हिन्दी की व्याप्ति हिन्दीतर भाषी प्रदेशों में हुई है। हिन्दी की संख्या और गुणवत्ता का आधार केवल हिन्दी भाषी राज्य ही नहीं है अपितु हिन्दीतर भाषी राज्य भी है। हमें हिन्दी भाषा को बढ़ावा देने एवं उसको कमजोर करने के प्रयासों के प्रति सजग रहना होगा। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. यशेश्वरी ध्रुव ने भी विद्यार्थियों को संबोधित किया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी ने किया। आभार प्रदर्शन डॉ. ज्योति भरणे ने किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापकों के साथ स्नातकोत्तर कक्षाओं के विद्यार्थी उपस्थित थे।

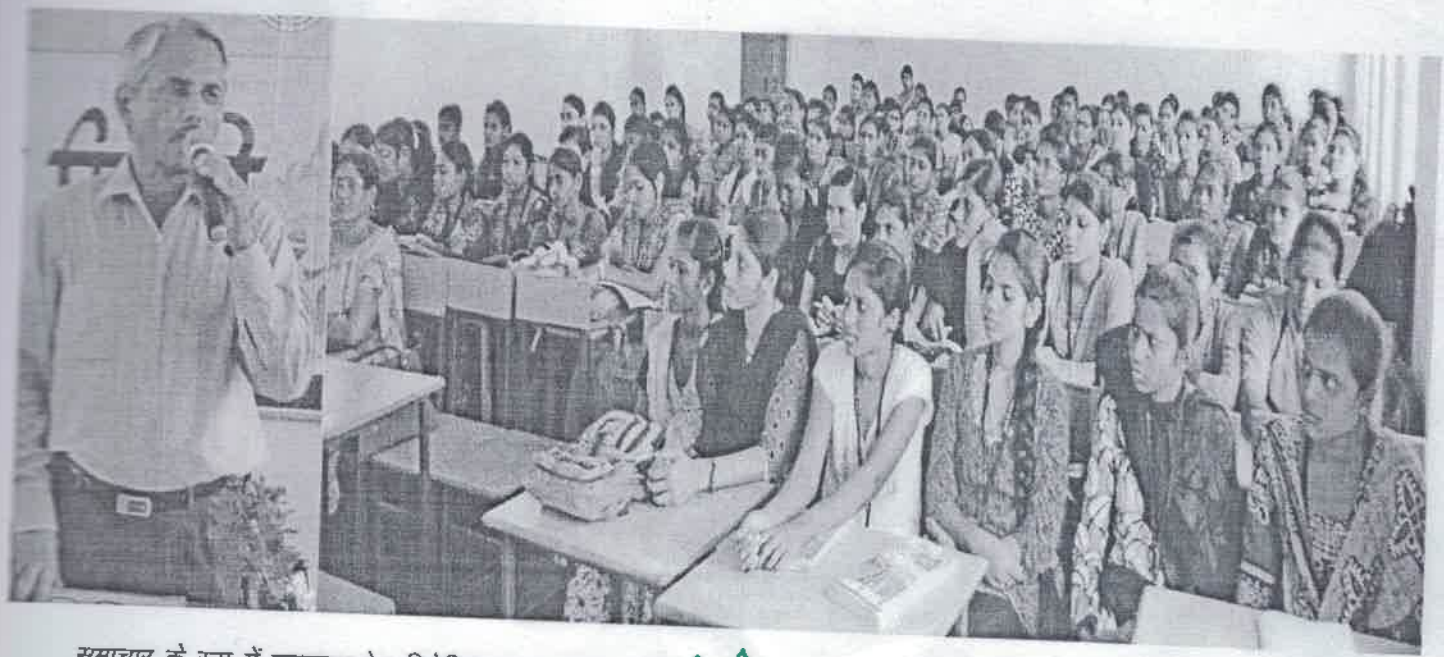

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's P.G. College, Durg (C.G.)

(डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य

नवभारत दुर्ग-

रायपुर सोमवार
22 मई, 2017

स्नातक एवं स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष की छात्राएं हुई लाभांवित

गर्ल्स कॉलेज में छात्राओं को मिला टेबलेट

■ नवभारत समाचार | दुर्ग.

टेबलेट मिलने पर खुशी जाहिर करती शासकीय डॉ. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय की छात्राएं

शासकीय डॉ. वा.चा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में छत्तीसगढ़ युवा सूचना क्रान्ति योजना के तहत स्नातक एवं स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष की छात्राओं को टेबलेट वितरण किया गया. महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने बताया कि इस वर्ष बीए 106, बीएससी 108, बीएससी (गृहविज्ञान) 13, बीकॉम की 224 एवं पीजी की 58 छात्राओं को टेबलेट दिया जा रहा है. महाविद्यालय की 496 छात्राओं को इसका लाभ मिला है.

महाविद्यालय में आयोजित टेबलेट वितरण कार्यक्रम में जनभागीदारी समिति की अध्यक्ष श्रीमती गायत्री वर्मा के मुख्य आतिथ्य में छात्राओं को टेबलेट प्रदान किए गए. कार्यक्रम के अध्यक्ष प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह की महत्वपूर्ण युवा सूचना क्रान्ति योजना की उपादेयता इतनी ज्यादा है कि विद्यार्थी अपने कैरियर में टेबलेट के माध्यम से अध्ययन की विषय सामग्री के साथ रोजगार के विभिन्न अवसरों का लाभ उठाने में सक्षम होंगे.

सूचना क्रान्ति के युग में प्रदेश के विद्यार्थियों को सक्षम एवं अग्रणी बनाने के उद्देश्य से ही मुख्यमंत्री युवा स्वावलम्बन योजना भी प्रारंभ की गई है जिसमें इस सत्र में महाविद्यालय की 308 छात्राओं ने अपनी सहभागिता दी है. जनभागीदारी समिति की अध्यक्ष श्रीमती गायत्री वर्मा, विशिष्ट अतिथि वार्ड पार्षद श्रीमती कविता तांडी ने भी महाविद्यालयीन छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए तकनीकी के क्षेत्र में भी अपनी पहचान बनाने का आव्हान किया.

छात्रसंघ अध्यक्ष कु. रूचि शर्मा ने भी मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह एवं प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री प्रेमप्रकाश पाण्डेय की सूचना क्रान्ति योजनाओं के लिए आभार व्यक्त करते हुए छात्राओं को इनका सदुपयोग करने व कॉरियर गढ़ने की अपील की. प्राभारी प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल ने कार्यक्रम में आभार प्रदर्शित करते हुए महाविद्यालय के विकास में जनभागीदारी के महत्वपूर्ण योगदान की चर्चा की. कार्यक्रम का संचालन डॉ. ऋचा ठाकुर ने किया.

S2
PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2212207 फैक्स 0788 2212207
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 20.05.2017

/ प्रेस विज्ञप्ति /

गर्ल्स कॉलेज में

टेबलेट पाकर छात्राओं में खुशी की लहर

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग में छत्तीसगढ़ युवा सूचना क्रान्ति योजना के तहत स्नातक एवं स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष की छात्राओं को टेबलेट वितरण किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने बताया कि इस वर्ष बी.ए. 106, बी.एससी. 108, बी.एससी. (गृहविज्ञान) 13, बी.कॉम. की 224 एवं पीजी की 58 छात्राओं को टेबलेट दिया जा रहा है। महाविद्यालय की 496 छत्राओं को इसका लाभ मिला है।

महाविद्यालय में आयोजित टेबलेट वितरण कार्यक्रम में जनभागीदारी समिति की अध्यक्ष श्रीमती गायत्री वर्मा के मुख्य आतिथ्य में छात्राओं को टेबलेट प्रदान किए गए। कार्यक्रम के अध्यक्ष प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह की महत्वपूर्ण युवा सूचना क्रान्ति योजना की उपादेयता इतनी ज्यादा है कि विद्यार्थी अपने कैरियर में टेबलेट के माध्यम से अध्ययन की विषय सामग्री के साथ रोजगार के विभिन्न अवसरों का लाभ उठाने में सक्षम होगें।

सूचना क्रान्ति के युग में प्रदेश के विद्यार्थियों को सक्षम एवं अग्रणी बनाने के उद्देश्य से ही 'मुख्यमंत्री युवा स्वावलम्बन योजना'' भी प्रारंभ की गई है जिसमें इस सत्र में महाविद्यालय की 308 छात्राओं ने अपनी सहभागिता दी है।

जनभागीदारी समिति की अध्यक्ष श्रीमती गायत्री वर्मा ने कहा कि प्रदेश के युवाओं के लिए लागू की जा रही विभिन्न योजनाओं का लाभ विद्यार्थी उठावें तथा छत्तीसगढ़ के युवा पढ़ाई के साथ देश के उज्जवल भविष्य को भी सुनिश्चित करेगें।

विशिष्ठ अतिथि वार्ड पार्षद श्रीमती कविता तांडी ने भी महाविद्यालयीन छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए तकनीकी के क्षेत्र में भी अपनी पहचान बनाने का आव्हान किया।

छात्रसंघ अध्यक्ष कु. रूचि शर्मा ने भी मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह एवं प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री श्री प्रेमप्रकाश पाण्डेय की सूचना क्रान्ति योजनाओं के लिए आभार व्यक्त करते हुए छात्राओं को इनका सदुपयोग करने व कॅरियर गढ़ने की अपील की।

प्राभारी प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल ने कार्यक्रम में आभार प्रदर्शित करते हुए महाविद्यालय के विकास में जनभागीदारी के महत्वपूर्ण योगदान की चर्चा की।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. ऋचा ठाकुर ने किया।

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG College

(डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2212207 फैक्स 0788 2212207
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 16.02.2017

प्रेस विज्ञप्ति

गर्ल्स कॉलेज में

निवेशक शिक्षा जागरूकता पर व्याख्यान

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग के वाणिज्य विभाग में निवेशक शिक्षा जागरूकता पर व्याख्यान आयोजित किया गया। जिसमें सेबी के विशेषज्ञ ने छात्राओं को बचत एवं विनियोग का महत्व बताते हुए उसके विभिन्न स्त्रोतों के विषय में जानकारी दी। साथ ही उन्होनें छात्राओं को मुद्रा बाजार एवं पूंजी बाजार के संबंध में जानकारी देते हुए बाजारों की गतिविधियों से अवगत कराया। उन्होनें छात्राओं को मुद्रा बाजार के नियंत्रक आर.बी.आई. तथा पूंजी बाजार के नियंत्रक सेबी की जानकारी देते हुए रिजर्व बैंक तथा सेबी के नियमों एवं कर्त्तव्यों के संबंध में विस्तारपूर्वक समझाया।

इसके साथ ही छात्राओं को अपनी बचतों का विनियोग करने से पूर्व विनियोग करने वाली कंपनी के विषय में महत्वपूर्ण सूचना प्राप्त करने की बात समझाई। उन्होनें बताया कि बिना सूचना प्राप्त किए विनियोग करने से उन्हें उनकी बचतों पर लाभ की अपेक्षा हानि हो सकती है, अतः पूंजी बाजार में विनियोग से पूर्व बाजार की सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त करना आवश्यक है। इसके उपरांत ही म्यूच्वल फण्ड में विनियोग किया जाना चाहिए।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. सुशीलचंद्र तिवारी ने किया तथा संचालन विभागाध्यक्ष डॉ. के.एल.राठी ने किया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. शशि कश्यप ने आभार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में वाणिज्य विभाग के डॉ. विजय वासनिक, पूजा सोढ़ा तथा नेहा यादव एवं स्नातकोत्तर कक्षा के विद्यार्थी उपस्थित थे।

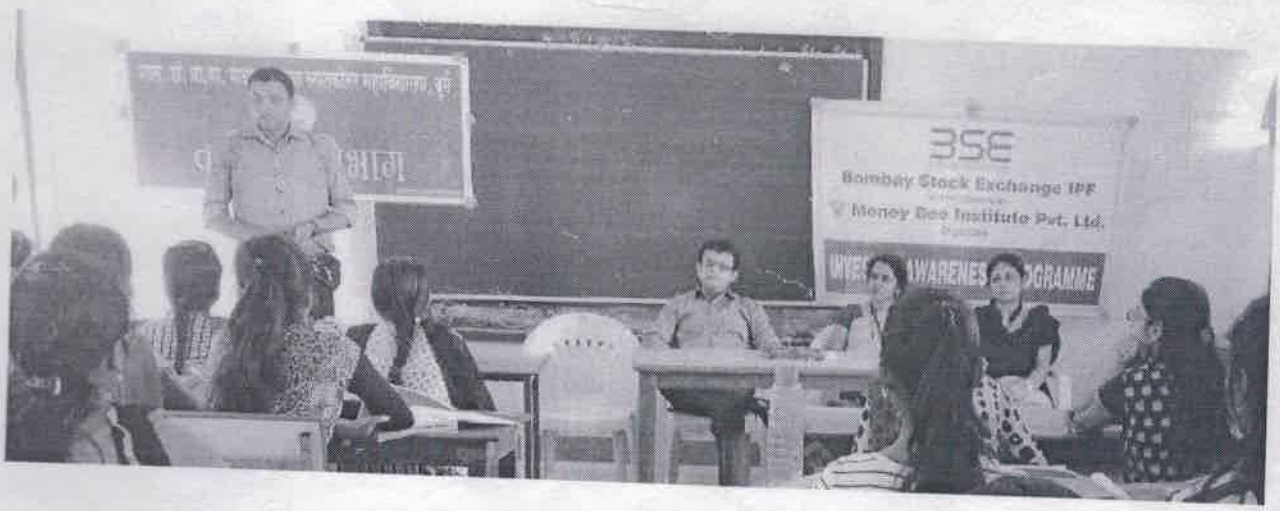

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

(डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य

गर्ल्स कॉलेज में राष्ट्रीय संगोष्ठी

प्रेम उच्च कोटि का आध्यात्मिक मूल्य है – उदयन बाजपेयी

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patanker
Girls PG. College, Durg (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम-शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2212207 फैक्स 0788 2212207
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 07.02.2017

गर्ल्स कॉलेज में राष्ट्रीय संगोष्ठी

प्रेम उच्च कोटि का आध्यात्मिक मूल्य है – उदयन बाजपेयी

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग में हिन्दी साहित्य विभाग द्वारा "हिन्दी साहित्य में प्रेम अभिव्यक्ति के विविध आयाम" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के अध्यक्ष डॉ. विनय कुमार पाठक के मुख्य आतिथ्य एवं सुप्रसिद्ध कवि एवं समीक्षक उदयन बाजपेयी की अध्यक्षता में हुआ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कवि एवं समीक्षक उदयन बाजपेयी ने कहा कि भारत का रीतिकालीन साहित्य विश्व में सर्वश्रेष्ठ है और वह प्रथम पंक्ति साहित्य है। गीत–गोविन्द इस देश की सर्वोकृष्ट रचना है। उन्होनें अभिनव गुप्त द्वारा प्रेम की व्याख्या का प्रसंग सुनाया। विद्यापति को महान कवि निरूपित करते हुए कहा कि उनके प्रेम गीतों में शरीर नहीं अपितु आत्मा का संदर्भ है। प्रेम उच्च कोटि का आध्यात्मिक मूल्य है। उन्होनें प्रेम और सौंदर्य की व्याख्या करते हुए बताया कि विप्रबन्ध श्रृंगार व संयोग श्रृंगार में अन्तर है। परकिया नायिका का वर्णन करते हुए प्रेम की अभिव्यक्ति को उच्च आयाम प्रदान किया। इस अवसर पर उन्होनें हिन्दी साहित्य के साहित्यकारों द्वारा रचित प्रेम साहित्य के उदाहरण प्रस्तुत की। सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला, पंत एवं प्रेमचंद के साहित्य को विषय सन्दर्भ में प्रस्तुत करते हुए प्रेम की अभिव्यक्ति की व्याख्या की। उन्होनें प्रख्यात कवि कमलेश द्वारा रचित विष्णुप्रिया का पाठ भी किया।

डॉ. विनय कुमार पाठक ने अपने संबोधन में प्रेम के संदर्भ में श्रृंगार शब्द की व्याख्या करते हुए कहा कि श्रंगार को समझे बिना प्रेम की अनुभूति संभव नहीं है। जिसमें दो प्रकार की संयोग एवं वियोग अनुभूतियाँ हैं। उन्होनें श्रृंगार को रसराज निरूपित करते हुए सौंदर्य की व्याख्या की। उन्होनें कहा कि श्रंगार के माध्यम से ही प्रेम को समझा और अभिव्यक्त किया जा सकता है। प्रकृति से ही सुख–दुःख और प्रेम के भावों को समझा जा सकता है।

उन्होनें प्रेम की प्रबलता की प्रवाह को छांयावाद की कवियों की देन कहा। छायावाद के आगे हरिवंशराय बच्चन द्वारा प्रतिपादित हालावाद को भी प्रेम की अभिव्यक्ति का माध्यम बताया।

संगोष्ठी को संबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि हमारी संस्कृति और साहित्य के मूल में प्रेम है। हिन्दी साहित्य के विद्वानों प्रेम को जाति, धर्म, सम्प्रदाय, सरहद के बजाय आदर्श की स्थापना की है।

इस अवसर पर डॉ. हंसा शुक्ला एवं डॉ. आई.एन. सिंह ने भी अपने विचार प्रस्तुत की। संगोष्ठी के पूर्व आयोजन सचिव डॉ. यशेश्वरी ध्रुव ने संगोष्ठी की विषय–वस्तु पर प्रकाश डाला।

डॉ. हंसा शुक्ला ने कहा कि – प्रेम का अर्थ केवल नायक–नायिका तक ही सीमित नहीं है। सच्चा प्रेम वह होता है जहाँ कामना और स्वार्थ न हो। प्रेम दाता है वह याचना नहीं करता। उन्होनें प्रेमचंद की रचना गोदान की चर्चा की। संगोष्ठी में छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश एवं उड़ीसा से शोधकर्ताओं ने भाग लिया और अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया। संगोष्ठी का संचालन डॉ. यशेश्वरी ध्रुव ने किया तथा सत्रान्त में श्रीमती ज्योति भरणे ने आभार प्रदर्शन किया।

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg

(डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केंद्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2212207 फैक्स 0788 2212207
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 14.01.2017

गर्ल्स कॉलेज में

"यातायात जागरूकता सप्ताह मनाया गया"

शासकीय डॉ0 वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में यातायात जागरूकता सप्ताह मनाया गया जिसके अंतर्गत विभिन्न आयोजन किए गए।

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा छात्राओं के बीच हेलमेट अनिवार्य रूप से पहनने तथा यातयात नियमों का पालन करने के लिए अभियान चलाया। छात्रसंघ अध्यक्ष रूचि शर्मा के द्वारा महाविद्यालय की छात्राओं का लर्निंग लायसेंस बनाने कैंप लगाया गया जिसमें 60 छात्राओं ने लायसेंस के लिए आवेदन किया।

रासेयो के तत्वाधान में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने उद्‌बोधन में कहा कि बढ़ती सड़क दुर्घटनाएँ चिंता का विषय है। युवावर्ग को सचेत रहना होगा। वाहन की गति नियंत्रण के साथ ही ट्रैफिक नियमों का पालन करना चाहिए। मोबाईल, इयरफोन के साथ वाहन न चलाये तथा अनिवार्यतः हेलमेट पहने। तभी हम अपना जीवन सुरक्षित कर पायेगें। रासेयो विद्यार्थियों को इसके लिए नियमित रूप से कार्ययोजना बनाकर कार्य करना होगा।

वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल ने भी छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रचार–प्रसार में दिए जाने वाला संदेश "आपका घर में कोई इंतजार कर रहा है" बड़ा सारगर्भित संदेश है। हमें नियंत्रित रहकर वाहन चलाना चाहिए। दुर्घटना से बचने सर्तकता एवं सावधानी आवश्यक है।

प्राध्यापक डॉ. ऋचा ठाकुर ने भी छात्राओं को संबोधित कर यातयात के नियमों की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. यशेश्वरी ध्रुव ने किया। इस अवसर पर रासेयो के स्वयं सेवक एवं छात्राएँ, प्राध्यापक तथा कर्मचारी उपस्थित थे।

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

dainikbhaskar.com **दैनिक भास्कर** भिलाई-रायपुर, सोमवार 19 दिसंबर, 2016

दैनिक भास्कर मध्यप्रदेश | छत्तीसगढ़ | राजस्थान | नई दिल्ली | पंजाब | चंडीगढ़ | हरियाणा | हिमाचल प्रदेश | उत्तराखंड | झारखंड | जम्मू-कश्मीर | बिहार | दिव्य भास्कर गुजरात | महारा

गांवों को कैशलेस बनाने गर्ल्स कॉलेज चलाएगा अभियान

एजुकेशन रिपोर्टर | दुर्ग

शहर से लगे ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को कैशलेस ट्रांजेक्शन के लिए प्रोत्साहित करने शासकीय डॉ पाटणकर कन्या महाविद्यालय अभियान चलाएगा। इसके लिए छात्राओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा। फिर उन्हें एनएसएस की टीम के साथ गांवों में भेजा जाएगा।

प्रत्येक छात्रा दस परिवार को डिजिटल मनी व कैशलेस अर्थव्यवस्था के बारे समझाएंगी। इस संबंध में प्राध्यापकों को बैंक के अधिकारियों ने डिजिटल मनी के सभी विकल्पों का प्रशिक्षण दिया।

प्राचार्य डॉ. सुशीलचन्द्र तिवारी ने बताया कि मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने वित्तीय साक्षरता अभियान (विसाका) चलाने के निर्देश दिए हैं। 12 जनवरी तक युवा वालंटियर्स का पंजीयन भारत सरकार की वेबसाइट में कराया जाएगा। उच्च शिक्षा विभाग दिसंबर में लगभग 50,000 युवा वालंटियर्स का पंजीयन करेगा। उन्होंने बताया कि समीपस्थ गोद ग्राम महमरा को कैशलेस बनाने का प्रयास करेंगे।

अफसरों ने दी डिजिटल मनी की जानकारी

विसाका के अंतर्गत प्राध्यापकों के लिए कार्यशाला हुई। भारतीय स्टेट बैंक के डिविजनल सेल्स मैनेजर अविनाश मिश्रा ने बताया कि भारत में साक्षरता का प्रतिशत बढ़ा है। लेकिन वित्तीय साक्षरता के लिए हमें जागरुकता बढ़ाने की जरूरत है। महाविद्यालय के स्टाफ व विद्यार्थियों को वित्तीय साक्षरता से परिचित होने के बाद इसकी जानकारी लोगों तक पहुंचाने का आह्वान किया। डिजिटल भुगतान के माध्यम से उपभोक्ता का फोन ही उनका बैंक और वॉलेट बन जाता है। तत्काल अंतरण के लिए भी कई विकल्प मौजूद हैं। डीजी साहू ने पावर प्वाइंट प्रजेंटेशन से कैशलेस प्रणाली और ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया। उन्होंने बताया कि फोन से डिजिटल भुगतान कर सकते हैं। कैश ट्रांसफर, खरीदारी, ट्रेन का रिजर्वेशन, फोन रिचार्ज व कई बिलों का भुगतान किया जा सकता है। उन्होंने यूपीआई, एमएमआईडी, यूएसएसडी, ई-वॉलेट, एटीएम कार्ड के बारे में भी बताया।

ी हनुमान मंदिर के प्रथम स्थापना
ं पूजा अर्चना पश्चात हवन किया
या गया।

देशबन्धु 15

वित्तीय साक्षरता अभियान पर कार्यशाला

दुर्ग, 17 दिसंबर (देशबन्धु)। शासकीय डॉ. वा. वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग में मानव संसाधन विकास मंत्रालय निर्देशानुसार ''वित्तीय साक्षरता अभियान (विसाका) के अन्तर्गत महाविद्यालय के प्राध्यापकों की एक कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में भारतीय स्टेट बैंक के अधिकारीगण शामिल हुए।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि विसाका के अन्तर्गत 12 जनवरी तक युवा वालिंटियर्स का पंजीयन भारत सरकार की वेबसाईट में कराया जावेगा।

दिसंबर माह में उच्च शिक्षा विभाग के अन्तर्गत लगभग 50 हजार युवा वालिंटियर्स के पंजीयन का लक्ष्य रखा गया है।

डॉ. तिवारी ने बताया कि महाविद्यालय द्वारा समीपस्थ गोद ग्राम महमरा को केशलेस बनाने का प्रयास किया जावेगा। राष्ट्रीय सेवा योजना तथा महाविद्यालय की छात्राओं के वालिंटियर्स को प्रशिक्षण दिया जावेगा और वे 10-10 परिवारों को केशलेस भुगतान के बारे में प्रशिक्षित करेंगे।

उच्च शिक्षा विभाग ने भी महाविद्यालयों में शतप्रतिशत डिजीटल भुगतान की कार्यवाही के निर्देश दिए हैं जिसके अनुरूप कार्यवाही सुनिश्चित की गई है। भारतीय स्टेट बैंक के डिविजनल सेल्स मैनेजर अविनाश मिश्रा ने बताया कि भारत में साक्षरता का प्रतिशत बढ़ा है, किंतु वित्तीय साक्षरता के लिए हमें जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि डिजीटल भुगतान के माध्यम से उपभोक्ता का फेन ही उनका बैंक और वॉलेट बन जाता है। तत्काल अंतरण के लिए भी कई विकल्प मौजूद है।

स्टेट बैंक के डी.जी.साहू ने पावर प्वाइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से कैशलेस प्रणाली की सविस्तार चर्चा की तथा ऑनलाईन प्रशिक्षण भी दिया। श्री साहू ने बताया कि फेन के माध्यम से डिजीटल भुगतान कर सकते हैं, कैश ट्रांसफर किया जा सकता है। →→ शेष पृष्ठ 15 पर →

वित्तीय साक्षरता...

खरीददारी, ट्रेन का रिर्जेवेशन, फोन रिचार्ज तथा अनेक बिलों का भुगतान किया जा सकता है। उन्होनें यू.पी.आई., एम.एम.आई.डी., यू.एस.एस.डी., ई-वॉलेट, ए.टी.एम. कार्ड के विषय में विस्तार से बताया। भारतीय स्टेट बैंक के अधिकारी नीरज श्रीवास्तव ने बैंक द्वारा महिलाओं के लिए प्रारंभ की जा रही नयी योजनाओं पर प्रकाश डाला तथा विस्तार से चर्चा की। आई.क्यू.एस.सी. की संयोजक डॉ. अमिता सहगल, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल एवं डॉ. मीरा गुप्ता ने भी कार्यशाला में जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ऋचा ठाकुर तथा आभार प्रदर्शन डॉ. के. एल. राठी ने किया।

PRINCIPAL
Govt. Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg

दुर्ग **हरिभूमि** 14

50 हजार वालिंटियर्स के पंजीयन का लक्ष्य

हरिभूमि न्यूज. दुर्ग

शासकीय डॉ. वा. वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में वित्तीय साक्षरता अभियान (विसाका) के अन्तर्गत महाविद्यालय के प्राध्यापकों की एक कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में भारतीय स्टेट बैंक के अधिकारीगण शामिल हुए।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने बताया कि

■ **गर्ल्स कॉलेज में वित्तीय अभियान पर कार्यशाला**

विसाका के अन्तर्गत 12 जनवरी तक युवा वालिंटियर्स का पंजीयन भारत सरकार की वेबसाईट में कराया जाएगा। दिसंबर माह में उच्च शिक्षा विभाग के अन्तर्गत लगभग 50,000 युवा वालिंटियर्स के पंजीयन का लक्ष्य रखा गया है।

डॉ. तिवारी ने बताया कि महाविद्यालय द्वारा समीपस्थ गोद ग्राम महमरा को केशलेस बनाने का प्रयास किया जाएगा। राष्ट्रीय सेवा योजना तथा महाविद्यालय की छात्राओं के वालिंटियर्स को प्रशिक्षण दिया जाएगा और वे 10-10 परिवारों को केशलेस भुगतान के बारे में प्रशिक्षित करेंगे। भारतीय स्टेट बैंक के डिविजनल सेल्स मैनेजर अविनाश मिश्रा ने बताया कि भारत में साक्षरता का प्रतिशत बढ़ा है, किंतु वित्तीय साक्षरता के लिए हमें जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है। हम अधिकारियों, कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों को वित्तीय साक्षरता से परिचित कराना चाहते है जिससे कि आगे वे समाज में आमजन तक इसकी जानकारी दे सकें। उन्होंने कहा कि डिजीटल भुगतान के माध्यम से उपभोक्ता का फोन ही उनका बैंक और वॉलेट बन जाता है। स्टेट बैंक के डीजी साहू ने पावर प्वाइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से कैशलेस प्रणाली की सविस्तार चर्चा की तथा ऑनलाईन प्रशिक्षण भी दिया।

SBI Life
INSURANCE
With Us, You're Sure

To,
The Principal
Govt. Dr. V. V. Patankar,
Girls Collage, Durg.

Date – 16/12/2016

Subject- Regarding Permission For Tax Saving & Cashless Transaction Seminar at your Collage.

Respected Sir/ Madam,

Greetings of the day,

I would like to share with you that we SBI LIFE INSURANCE Co. Ltd. Bhilai Branch wants to conduct a Seminar at your esteemed Collage. Here we have expertise in Financial Investment Tools, where we will Educate & Guide to your Teaching & Non Teaching staff for Tax Saving Tools with other queries related to the Financial Tools.

After that your Teaching & Non Teaching staff will be able to understand the financial market execution.

Please provide the permission for Seminar at your esteemed Collage.

With Best Regards,

Avinash Mishra
Sr. Division Sales Manager
Bhilai
Cell : 9424144404

SBI Life Insurance Co. Ltd. SBI Life BHILAI

Dr. A. Sehgal
17.12.16
PRINCIPAL
Govt Dr. VV. Patankar
Girls PG. College, Durg (C.G.)

पत्रिका PLUS
patrika.com/entertainment
Bhilai . Saturday
17/12/2016
citylive infocus

PSYCHOLOGY....

सकारात्मक सोच से आएगा व्यवहार में बदलाव

भिलाई • कन्या महाविद्यालय, दुर्ग में मनोविज्ञान विभाग के तत्वाधान में 'व्यक्तित्व विकास एवं सकारात्मक विचार' पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि सुप्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक डॉ. देवजानी मुखर्जी थीं। उन्होंने व्यक्तित्व विकास के मनोवैज्ञानिक पहलुओं की विस्तार से चर्चा की। कहा कि हमारा स्वभाव ही हमारी पहचान को बतलाता है। यदि हम सकारात्मक सोच रखेंगे तो इसका असर हमारे व्यवहार और कार्य क्षमता पर पड़ता है।

डॉ. मुखर्जी ने सकारात्मक विचारों का विश्लेषण करते हुए बताया कि जीवन में सकारात्मकता का बहुत महत्व है। इससे हमारे व्यक्तित्व का विकास होता ही है बल्कि हमारा आत्मविश्वास भी बढ़ता है, जिसके सहारे बड़ी से बड़ी समस्याओं का निराकरण करने में सक्षम होते है। उन्होंने मनोविज्ञान के विद्यार्थियों को शोध पद्धतियों पर भी प्रयोग कराए साथ ही प्रश्नावली के संबंध में जानकरी दी। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चंद्र तिवारी ने इस अवसर पर कहा कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में मनोविज्ञान की बड़ी भूमिका है हमारे मन की बात कितनी सकारात्मक है और हम अपने व्यवहार से समाज के प्रति कितना दायित्व निर्वहन कर रहे है इसका आत्म आंकलन भी किया जाना आवश्यक है। कार्यक्रम में आईक्यूएसी की संयोजक डॉ. अमिता सहगल ने भी अपने विचार रखे। संचालन डॉ. तृप्ति बाला अनुरागी ने किया।

WORKSHOP....

छेड़छाड़ पर यूं ही न जाने दें, पुलिस में कराएं रिपोर्ट

भिलाई • कन्या महाविद्यालय की छात्राओं को विधि संबंधी जानकारी देने 'विधिक सहायता शिविर' का आयोजन किया गया। जिला न्यायालय की प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट तनुश्री गवेल एवं चेतना ठाकुर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थीं।मुख्य वक्ता तनुश्री गवेल ने सायबर क्राइम पर विस्तार से बताया। उन्होंनें वाट्सअप के उपयोग पर सावधानी बरतने की सलाह दी। मोटर व्हीकल एक्ट की चर्चा करते हुए उन्होंने दुर्घटना के वक्त होने वाली विभिन्न कठिनाईयों की चर्चा करते हुए कानूनों की जानकारी दी। बीमा को महत्वपूर्ण बताते हुए अनिवार्यतः वाहन का बीमा कराये जाने को आवश्यक बताया। मजिस्ट्रेट चेतना ठाकुर ने छेड़छाड़ एवं महिलाओं से संबंधित अपराधों पर प्रकाश डालते हुए विभिन्न धाराओं का जिक्र किया। महिलाओं से संबंधित अपराधों में पुलिस, वकील एवं अपराधी की भूमिका की विस्तार से चर्चा करते हुए जागरूकता की आवश्यकता बताई। कहा कि हम विधिक जानकारी के आभाव में कई बार परेशानी में पड़ जाते है या गुमराह हो जाते है। उन्होंनें बताया कि छेड़छाड़ या किसी प्रकार की प्रताड़ना संबंधी शिकायत होने पर पुलिस में इसकी रिपोर्ट दर्ज कराए और अपनी बात ईमानदारी से लिखवाए, झूठ का सहारा न लेवें। पुराना वाहन खरीदने या बेचने के समय उसका पंजीयन भी ट्रांसफर करावे जिससे भविष्य में कई परेशानियों से बचा जा सकता है। इस शिविर में छात्राओं ने भी दहेज संबंधी प्रकरणों, दुर्घटनाओं, छेड़छाड़ तथा संपत्ति नियमों पर प्रश्न पूछे जिसका उत्तर वक्ताओं ने दिया।

Govt Dr. WW. Patankar
Girls PG. College, Durg (C.G.)

पत्रिका PLUS
tainment
Bhilai . Friday
09/12/2016
citylive infocu

PLAN FOR CAREER....

सुनहरे भविष्य की ओर कदम बढ़ाने मिला गाइडेंस

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

भिलाई • कन्या महाविद्यालय, दुर्ग में राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के तहत दो दिवसीय कॅरियर मार्गदर्शन कार्यशाला 'सुनहरे भविष्य की ओर' का शुभारंभ गुरुवार को हुआ। कार्यशाला के मुख्य अतिथि डॉ. आरएन सिंह प्राचार्य शासकीय दिग्विजय पीजी महाविद्यालय, राजनांदगांव थे। कार्यशाला की अध्यक्षता संतोष पराजपे, लक्ष्य एकेडमी ने की। डॉ. सिंह ने कहा कि हमारे अचंल के विद्यार्थियों में योग्यता, ज्ञान की कमी नहीं है बस सोच में कमी है, लक्ष्य को पूरा करने की चुनौती का सामना करना है। उन्होंने आत्मसम्मान, आत्मविश्वास और आत्मनियंत्रण को बड़े ही अच्छे ढंग से रेखांकित करते हुए कहा कि हमें अपनी क्षमता को पहचानना आना चाहिए। कार्यशाला के प्रमुख वक्ता डॉ. प्रशांत श्रीधर बोकाड़े ने कहा कि हम सभी स्मार्ट है। दुनिया में हमसें अपेक्षाएं बढ़ी है। युवाओं से ही उम्मीदे टिकी है। उन्होंने बताया कि हमें परिस्थितियों को अपने अनुसार ढालना आना चाहिए।

सकारात्मकता की ओर ध्यान देना आवश्यक है। डॉ. बोकाड़े ने व्यक्तित्व विकास के विभिन्न आयामों की सारगर्भित चर्चा की।

लक्ष्य कराना होगा निर्धारित

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि यह कार्यशाला स्नातक अंतिम वर्ष की छात्राओं के लिए आयोजित की गई है, उनके लक्ष्य निर्धारण, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और स्वरोजगार की दिशा तय करने में यह सहायक होगी। उन्होंने कहा कि हमें स्वयं अपनी राह चुननी है और उसके लिए लक्ष्य निर्धारित करना होगा। कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे संतोष परांजपे ने कहा कि लोक सेवा आयोग और संघ लोक सेवा आयोग की तैयारी के लिए कार्यशाला उपयोगी साबित होगी। उन्होंने इसके लिए महत्वपूर्ण टिप्स भी दिए।

डीयू डीएसडब्ल्यू ने दिए कॅरियर टिप्स

दुर्ग विश्वविद्यालय के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी विकास पंचाक्षरी ने व्यक्तित्व विकास पर प्रकाश डाला और छोटे-छोटे प्रयोगों के माध्यम से विद्यार्थियों को इसका महत्व समझाया। कार्यशाला के प्रारंभ में संयोजक डॉ. निसरीन हुसैन ने दो दिवसीय कार्यशाला के कार्यवृत्त पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रिचा ठाकुर ने किया। आभार प्रदर्शन डॉ. बबिता दुबे ने किया। कार्यशाला के दूसरे दिन शुक्रवार को सिटकॉन के विशेषज्ञों द्वारा कौशल विकास पर प्रशिक्षण दिया जायेगा। कॉमर्स गुरू डॉ. संतोष रॉय छात्राओं को संबोधित करेंगें।

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2212207 फैक्स 0788 2212207
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 03.12.2016

// प्रेस विज्ञप्ति //

गर्ल्स कॉलेज की छात्राओं ने

"देवभोग दुग्ध संयंत्र" कुम्हारी का भ्रमण किया

शासकीय डॉ0 वा0वा0 पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय की गृहविज्ञान स्नातक कक्षाओं की छात्राओं ने छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी दुग्ध महासंघ मर्यादित "देवभोग" कुम्हारी का भ्रमण किया। छात्राओं ने वहाँ खाद्य संरक्षण के अंतर्गत पाश्चुरीकरण एवं पैकेजिंग की जानकारीयाँ प्राप्त की। छात्राओं ने देखा कि दुग्ध से बनने वाली विभिन्न खाद्य सामग्रियों के निर्माण एवं पैकिंग की पद्धति का अवलोकन किया।

महाविद्यालय के गृहविज्ञान विभाग के 75 छात्राओं ने इस शैक्षणिक भ्रमण में हिस्सा लिया। उक्त शैक्षणिक भ्रमण में विभागाध्यक्ष डॉ0 अमिता सहगल, डॉ0 अल्का दुग्गल, डॉ मीनाक्षी अग्रवाल, डॉ0 रेश्मा लॉकेश, डॉ0 रिमशा लॉकेश ने छात्राओं का मार्गदर्शन किया।

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

कार्यशाला | शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में कैरियर मार्गदर्शन कार्यशाला

लक्ष्य को पूरा करना सबसे बड़ी चुनौती: डॉ. सिंह

हरिभूमि न्यूज. दुर्ग

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के तहत गुरुवार को दो दिवसीय कैरियर मार्गदर्शन कार्यशाला सुनहरे भविष्य की ओर का शुभारंभ हुआ।

कार्यशाला के मुख्य अतिथि डॉ. आरएन सिंह प्राचार्य शासकीय दिग्विजय पीजी महाविद्यालय राजनांदगांव थे। अध्यक्षता संतोष परांजपे लक्ष्य एकेडमी ने की। डॉ. सिंह ने कहा कि हमारे अचंल के विद्यार्थियों में योग्यता, ज्ञान की कमी नहीं है बस सोच में कमी है, लक्ष्य को पूरा करने चुनौती का सामना करना है। उन्होंने आत्मसम्मान, आत्मविश्ववास और आत्मनियंत्रण को रेखांकित करते हुए कहा कि हमें अपनी क्षमता को पहचानना आना चाहिए। कार्यशाला के प्रमुख वक्ता डॉ. प्रशांत श्रीधर बोकाड़े ने कहा कि हम सभी स्मार्ट है। दुनिया में हमसें अपेक्षाएं बढ़ी है। युवाओं से ही उम्मीदें टिकी है। युवा कुछ करेंगे तो युवा कुछ बनेंगे। उन्होंने बताया कि हमें परिस्थितियों को अपने अनुसार ढालना आना चाहिए। सकारात्मकता की ओर ध्यान देना आवश्यक है। डॉ. बोकाड़े ने व्यक्तित्व विकास के विभिन्न आयामों की सारगर्भित चर्चा की। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि यह कार्यशाला स्नातक अंतिम वर्ष की छात्राओं के लिए आयोजित की गई है। उनके लक्ष्य निर्धारण, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी तथा स्वरोजगार की दिशा तय करने में यह सहायक होगी। उन्होंने कहा कि हमें स्वयं अपनी राह चुननी है और उसके लिए लक्ष्य निर्धारित करना होगा। कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे संतोष परांजपे ने कहा कि लोक सेवा आयोग तथा संघ लोक सेवा आयोग की तैयारी के लिए कार्यशाला उपयोगी साबित होगी। उन्होंने इसके लिए महत्वपूर्ण टिप्स भी दिए। लक्ष्य एकेडमी की छात्रा श्वेता देवांगन ने भी अपने विचार रखे। दुर्ग विश्वविद्यालय के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी विकास पंचाक्षरी ने व्यक्तित्व विकास पर प्रकाश डाला तथा छोटे-छोटे प्रयोगों के माध्यम से विद्यार्थियों को इसका महत्व समझाया।संयोजक डॉ. निसरीन हुसैन ने दो दिवसीय कार्यशाला के कार्यवृत्त पर प्रकाश डाला। छात्रसंघ अध्यक्ष रूचि शर्मा ने कार्यशाला को छात्राओं के लिए बहुत उपयोगी एवं महत्वपूर्ण बताया। छात्रसंघ के सभी पदाधिकारियों ने कार्यशाला की व्यवस्था में सक्रिय भागीदारी दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ऋचा ठाकुर ने किया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. बबिता दुबे ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

कार्यशाला के दूसरे दिन सिटकॉन के विशेषज्ञों द्वारा कौशल विकास पर प्रशिक्षण दिया जायेगा तथा कॉमर्स गुरू डॉ. संतोष राय छात्राओं को संबोधित करेंगे।

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2212207 फैक्स 0788 2212207
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 29.11.2016

// प्रेस विज्ञप्ति //

गर्ल्स कॉलेज में व्याख्यान

मनुष्य ईश्वर की श्रेष्ठकृति है

शासकीय डॉ0 वा0वा0 पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग में स्नातकोत्तर समाजशास्त्र विभाग के तत्वाधान में **"समाज और समुदाय"** विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान की मुख्य वक्ता साईंस कॉलेज की समाजशास्त्र की प्राध्यापक डॉ0 सपना शर्मा सारस्वत थी।

अपने उद्‌बोधन में उन्होनें कहा कि समाज और समुदाय एक दूसरे के पूरक है। समाज सामाजिक संबंधों का जाल है और मनुष्य उसकी महत्वपूर्ण इकाई है। जो व्यवहार और संबंधों के द्वारा उसे सुदृढ़ करता है। सामाजिक संबंध का निर्माण अन्तःक्रिया के द्वारा होता है जिसे बनाये रखने के लिए सतत् रूप से क्रियाशील होना आवश्यक है। उन्होनें बताया कि एक निश्चित भूभाग में रहने वाले व्यक्तियों के समूह को हम समुदाय के रूप में परिभाषित करते हैं। मनुष्य ईश्वर की श्रेष्ठ कृति है। जिसकी सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, धार्मिक आवश्यकताओं की पूर्ति समुदाय करता है।

डॉ0 शर्मा ने बताया कि समाज और समुदाय दोनों ही महत्वपूर्ण है। समाज हमको बहुत कुछ देता है यह हमारे विकास का साक्षी है।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि मनुष्य सामाजिक प्राणी है जो समुदाय में रहकर अपनी आजीविका का निर्वहन तथा विकास करता है। मनुष्य की प्रवृत्ति एवं उसका व्यवहार ही उसे पृथक पहचान दिलाता है।

समाजशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ0 मोनिया राकेश सिंह ने व्याख्यानमाला की उपादेयता पर प्रकाश डालते हुए आज के विषय की सारगर्भित व्याख्या की उन्होनें बताया कि समाज छोटी–छोटी इकाईयों से बनता है जो एक होकर समुदाय के रूप में अपनी पहचान बनाता है। कार्यक्रम का संचालन रीता ताम्रकार ने किया।

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

गर्ल्स कॉलेज में

ई–कॉमर्स से व्यापार में भारत अग्रणी

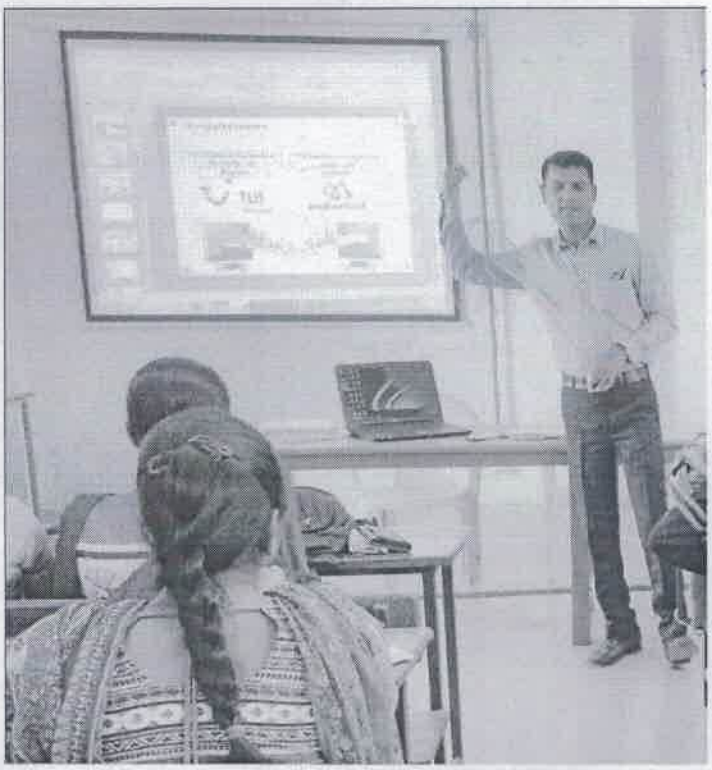

PRINCIPAL
Govt. Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2212207 फैक्स 0788 2212207
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 28.11.2016

// प्रेस विज्ञप्ति //

गर्ल्स कॉलेज में

ई–कॉमर्स से व्यापार में भारत अग्रणी

शासकीय डॉ0 वा0वा0 पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग में स्नातकोत्तर वाणिज्य विभाग के तत्वाधान में ई–कॉमर्स पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता कलिंगा विश्वविद्यालय के वाणिज्य एवं प्रबंध विभाग के प्राध्यापक नवीन उपाध्याय थे।

श्री उपाध्याय ने ई–कॉमर्स के विभिन्न प्रमुख तत्वों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इससे विश्व में व्यापार करना आसान हो गया है। डिजिटल इंडिया से भी व्यापार एवं उद्योग जगत को काफी सुविधा मिली है। ई–कॉमर्स में व्यापार करने के विभिन्न माध्यम है जिनसे हम व्यापार में प्रसार के साथ–साथ मूल्यांकन में भी सफल होते है। डॉ0 उपाध्याय ने बताया कि व्यापार करना अब अधिक आसान हो गया है इसके लिए उपयोगी साईट्स के विषय में छात्राओं को बताया। इंटरनेट के माध्यम से हम सामग्री की उपलब्धता, उसकी गुणवत्ता की रिपोर्ट व परिवहन की जानकारी तो प्राप्त करते ही है साथ ही कैश लेस व्यवस्था के अन्तर्गत भुगतान में सरलता व निश्चिंतता भी सुनिश्चित रहती है।

वाणिज्य संकाय के विभागाध्यक्ष डॉ0 के0एल0 राठी ने कहा कि आज के विमुद्रीकरण के समय में ई–कॉमर्स का महत्व अधिक है। जो हमारे देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगा।

व्याख्यान में डॉ0 व्ही0के0 वासनिक, डॉ0 शशि कश्यप, पूजा सोढ़ा तथा नेहा यादव ने भी सहभागिता दी। इस अवसर पर एक0कॉम0 एवं बी0कॉम0 की छात्राएँ बड़ी संख्या में उपस्थित थी।

PAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

TheHitavada
Saturday November 26 2016
CityLine

Symposium on GST conducted at Dr WW Patankar Girls College

■ Staff Reporter
DURG, Nov 25

A DAY-LONG symposium on topic Goods and Service Tax (GST) at the was organised under the aegis of Post graduation Department of commerce in Government Dr WW Patankar Girl's PG College, here on Friday.

Tally institute's expert Chandrakant Singh and Somesh Jain chaired the symposium and quench the queries of the students. The two also put forward a few unknown facts on the tioopic which increased the curosuity of the students and made the session an interesting one.

Chandrakar Singh said that GST is a game changing reform for the Indian economy by creating a common Indian market and reducing the cascading effect of tax on the cost of goods and services. It will impact the tax structure, tax incidence, tax computation, tax payment, compliance, credit utilization and reporting, leading to a complete overhaul of the current indirect tax system. He further added that there will deduction in the amount of tax acommon man had to pay. Somesh Jain added that there will be two parts of GST, one will be levied by the Centre and the other will be levied by the state.

Tally experts addressing the symposium. (R) Students attending the symposium.

Commerce Department dean Dr V K Vasnik that the rules imposed on the GST will be same in all the states of the country and the difference of Vat each styate has will be ended.

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girls PG. College, Durg (C.G.

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2212207 फैक्स 0788 2212207
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 24.11.2016

व्याख्यानमाला

(GST Awarness Program)

शासकीय डॉ0 वा0वा0 पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग में वाणिज्य की छात्राओं को दिनांक 24/11/2016 को "Goods and Services Tax" से संबंधित नियमों की जानकारी देने हेतु वाणिज्य विभाग द्वारा व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी ने की।

इस अवसर पर Tally Institute of learning के वक्ता श्री चंद्रकांत सिंह एवं श्री सोमेश जैन एवं वाणिज्य विभाग के प्राध्यापक श्री व्ही0के0 वासनिक, कु0 पूजा सोढ़ा एवं कु0 नेहा यादव उपस्थित थे।

Tally Institute of learning के श्री चंद्रकान्त सिंह एवं सामेश जैन ने अपने व्याख्यान में बताया कि GST का प्रमुख उद्देश्य "One tax one nation one market" है। जिसके अन्तर्गत भारत को दो भागों में विभाजित किया गया है:–

(1) उत्तर पूर्वी राज्य आते है जिसमें GST की सीमा 10,00,000रू. निर्धारित है।

(2) शेष राज्य आते है जिसमें GST की सीमा 20,00,000रू. निर्धारित है।

GST को तीन भागों में बाँटा गया है:–

(i) CSGT (ii) SGST (iii) IGST

साथ ही यह भी बताया गया कि प्रत्येक व्यापारी को प्रत्येक माह में 5 GST Return दाखिल करना होगा साथ ही GST के सामान्य नियमों की जानकारी समस्त छात्राओं को दी।

अंत में सभी छात्राओं ने GST पर प्रश्न पूछे एवं वक्ता द्वारा उनके प्रश्नों का समाधान किया गया। अतः सभी छात्राएँ इस कार्यक्रम से लाभान्वित हुई।

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girls PG College, Durg

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2212207 फैक्स 0788 2212207
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 24.11.2016

// प्रेस विज्ञप्ति //

गर्ल्स कॉलेज में व्याख्यान

प्रजातंत्र में "विधानसभा" की महत्वपूर्ण भूमिका है :– डॉ0 सत्येन्द्र तिवारी

शासकीय डॉ0 वा0वा0 पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग में स्नातकोत्तर राजनीतिशास्त्र विभाग के तत्वाधान में "विधानसभा के संगठन एवं कार्यप्रणाली पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता छत्तीसगढ़ विधानसभा के संचालक एवं उपसचिव डॉ0 सत्येन्द्र तिवारी थे।

डॉ0 तिवारी ने अपने उद्बोधन में विधानसभा के गठन की प्रक्रिया की चर्चा करते हुए विधानसभा के निर्वाचन द्वारा जनता के प्रतिनिधि की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।

उन्होनें कहा कि प्रजातांत्रिक प्रणाली में विधानसभा की महती भूमिका है। विधिसम्मत नियमों को बनाना तथा समयानुसार उनमें संशोधन करने के साथ प्रदेश के सुदूर अंचल तक की समस्याओं पर सदन गंभीरता से चर्चा करता है।

डॉ0 तिवारी ने प्रश्नकाल, ध्यानाकर्षण, शून्यकाल एवं बजट सत्र की भी महत्वपूर्ण जानकारी छात्राओं को दी। उल्लेखनीय है कि स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं के पाठ्यक्रम में विधानसभा संबंधी जानकारियों का समावेश किया गया है।

डॉ0 तिवारी ने पाठ्यक्रम पर चर्चा करते हुए विधानसभा की संपूर्ण कार्यप्रणाली पर प्रकाश डाला।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी ने अपने उद्बोधन में विधानसभा से संबंधित पाठ्य सामग्री की उपलब्धता के लिए व्याख्यान को महत्वपूर्ण बताया। राजनीतिशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ0 सुचित्रा खोब्रागढ़े ने विभाग की ओर से प्रतिवेदन प्रस्तुत किया तथा कार्यक्रम का संचालन कु0 भावना दिवाकर ने किया। इस अवसर पर स्नातकोत्तर एवं स्नातक कक्षाओं की छात्राएँ उपस्थित थे।

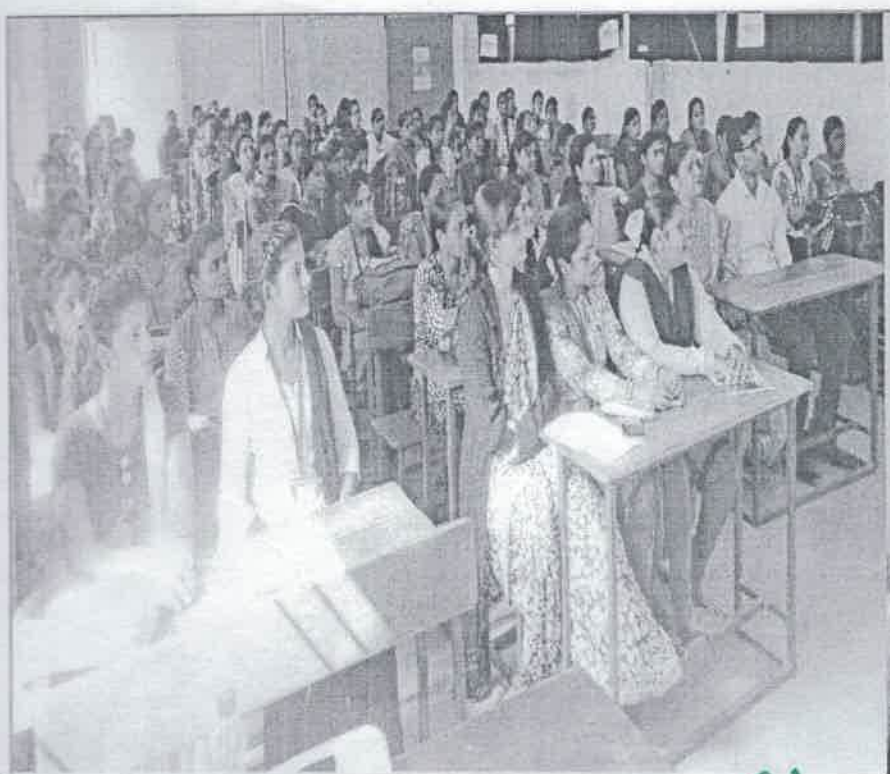

PRINCIPAL
Govt Dr. W.W. Patanker
Girl's P.G. College, Durg (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2212207 फैक्स 0788 2212207
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 28.11.2016

गर्ल्स कॉलेज में

प्लास्टिक मनी

शासकीय डॉ0 वा0वा0 पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग में दिनांक 26/11/2016 को प्लास्टिक मनी पर एक व्याख्यान आयोजित किया गया। जिसमें मंच संचालन महाविद्यालय के वरिष्ट प्राध्यापक डॉ0 डी0सी0 अग्रवाल ने किया तथा छात्राओं को विमुद्रीकरण के बारे में विस्तार से समझाया तथा इसके प्रति सरकार की मंशा भी बताई। वाणिज्य विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ0 शशि कश्यप ने छात्राओं को डेबिटकार्ड की उपयोगिता बताई तथा सहायक प्राध्यापक पूजा सोढ़ा ने छात्राओं को क्रेडिट कार्ड एवं डेबिट कार्ड के बीच का अंतर स्पष्ट करते हुए उन्हें ऑनलाईन पेमेन्ट की प्रक्रिया को विस्तार से समझाया एवं गृहविज्ञान विभाग की वरिष्ठ प्राध्यापिका डॉ0 अल्का दुग्गल ने छात्राओं को पे–टीएम की विशेषता बताते हुए कहा कि कैसे वे बिजली बिल, टेलीफोन बिल, पानी बिल, स्कूल एवं ट्यूशन फीस का भुगतान पे–टीएम की सहायता से कर सकते है।

व्याख्यान के मुख्य वक्ता एस0बी0आई0 सेक्टर–01 के सुबोध सिंह एवं दैनिक भास्कर के अधिकारी ने छात्राओं को विमुद्रीकरण के दौर में प्लास्टिक मनी की उपयोगिता को समझाया। उन्होनें छात्राओं को डेबिट कार्ड एवं क्रेडिट कार्ड प्राप्त करने की प्रक्रिया समझाते हुए उसकी वैधता उच्चतम सीमा के बारे में अवगत कराया। उन्होनें छात्राओं को ऑनलाईन लेन–देन के संबंध में सावधानी बरतने की सीख दी।

इस कार्यक्रम में डॉ0 ऋचा ठाकुर, डॉ0 मीनाक्षी अग्रवाल, डॉ0 ऋतु दुबे, डॉ0 मुक्ता बांखला, डॉ0 सीमा अग्रवाल सहित छात्रायें उपस्थित थे।

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG College, Durg

गर्ल्स कॉलेज में

'रक्षाटीम' सुरक्षित भविष्य के लिए – सुरेशा चौबे

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College,

हरिभूमि
इस्पात भूमि

'जाने दो' कहकर विपत्तियों को करते हैं आमंत्रित

हरिभूमि न्यूज. दुर्ग

आज के सामाजिक परिवेश में लड़कियां स्वालंबी, आत्मनिर्भर एवं निडर बने यह सब चाहते है किंतु हम स्वयं जाने दो कह कर हर छोटी-छोटी घटनाओं को टाल कर मुक्त हो जाते है। बाद में यह छोटी-छोटी घटनाएं बड़ी घटना में तब्दील हो जाती है, जो घातक होती है।

उक्त बातें शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर

■ शासकीय कन्या महाविद्यालय में रक्षा टीम का जागरूकता कार्यक्रम

कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में वूमेन सेल के तत्वाधान में वूमेन हेल्पलाईन रक्षाटीम द्वारा आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में अतिथि के रूप में उपस्थित एडिशनल एसपी श्रीमती सुरेशा चौबे ने कही। सभा को संबोधित करते हुए श्रीमती सुरेशा चौबे ने कहा कि यदि आप कुछ बर्दाश्त कर रही है तो फिर समाज में आगे कैसे बढ़ेंगी। आपमें यदि हिम्मत नहीं है तो किसी की मदद या सहायता भी नहीं कर सकेंगी। हमें सामाजिक परिवर्तन लाना है और यह तभी संभव है जब आप जागेंगी। हमें अब आगे आना ही होगा। इस अवसर पर श्रीमती मोनिका पाण्डेय ने अपना ओजस्वी संबोधन दिया। उन्होंने रक्षाटीम की कार्यप्रणाली की विस्तार से

चर्चा की तथा नए कानूनों से छात्राओं को परिचित कराया। श्रीमती पाण्डेय ने लड़कियों के साथ होने वाली छेड़छाड़ की घटनाओं की चर्चा करते हुए विभिन्न रक्षात्मक उपायों पर चर्चा की।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि ऐसे आयोजन काफी महत्वपूर्ण तथा प्रेरणास्पद रहते है। छात्राओं को अब हिम्मा जुटा कर ऐसी घटनाओं का प्रतिकार करने की जरूरत है। छात्रसंघ अध्यक्ष रूचि शर्मा ने भी छात्राओं को होने वाली विभिन्न समस्याओं पर बोलते हुए कहा कि अब ऐसी घटनाओं को रोकने में हम एकजुट होंगे तभी इससे बचा जा सकेगा। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रेशमा राकेश ने किया। इस अवसर पर विभिन्न अशासकीय संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

09.11.16

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2212207 फैक्स 0788 2212207
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 08.11.2016

// प्रेस विज्ञप्ति //

गर्ल्स कॉलेज में

'रक्षाटीम' सुरक्षित भविष्य के लिए – सुरेशा चौबे

शासकीय डॉ0 वा0वा0 पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में वूमेन सेल के तत्वाधान में वूमेन हेल्पलाईन (रक्षाटीम) के द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें एडिशनल एस0पी0 श्रीमती सुरेशा चौबे तथा मोनिका पांडे उपस्थित थी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्रीमती सुरेशा चौबे ने कहा कि हमारा यह कार्यक्रम जागरूकता के साथ ही आत्मविश्वास बढ़ाने में सहायक है। आज के सामाजिक परिवेश में लड़कियाँ स्वालंबी, आत्मनिर्भर एवं निडर बने यह सब चाहते है किंतु हम स्वयं 'जाने दो' कह कर हर छोटी–छोटी घटनाओं को टाल कर मुक्त हो जाते है। बाद में यह छोटी–छोटी घटनाएँ बड़ी घटना में तब्दील हो जाती है, जो घातक होती है। उन्होनें बताया कि यदि आप कुछ बर्दाश्त कर रही है तो फिर समाज में आगे कैसे बढ़ेगीं आपमें यदि हिम्मत नहीं है तो किसी की मदद या सहायता भी नहीं कर सकेगी। हमें सामाजिक परिवर्तन लाना है और यह तभी संभव है जब आप जागेंगी। हमें अब आगे आना ही होगा। इस अवसर पर श्रीमती मोनिका पाण्डे ने अपना ओजस्वी संबोधन दिया। उन्होनें रक्षाटीम की कार्यप्रणाली की विस्तार से चर्चा की तथा नये कानूनों से छात्राओं को परिचित कराया। उन्होनें लड़कियों के साथ होने वाली छेड़छाड़ की घटनाओं की चर्चा करते हुए विभिन्न रक्षात्मक उपायों पर चर्चा की।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि ऐसे आयोजन काफी महत्वपूर्ण तथा प्रेरणास्पद रहते है। छात्राओं को अब हिम्मत जुटा कर ऐसी घटनाओं का प्रतिकार करने की जरूरत है छात्रसंघ अध्यक्ष कु0 रूचि शर्मा ने भी छात्राओं को होने वाली विभिन्न समस्याओं पर बोलते हुए कहा कि अब ऐसी घटनाओं को रोकने में हम एकजुट होगें तभी इससे बचा जा सकेगा।

कार्यक्रम का संचालन डॉ0 रेशमा राकेश ने दिया। इस अवसर पर विभिन्न अशासकीय संगठनों के प्रतिनिधि एवं पत्रकार उपस्थित थे।

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

52

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2212207 फैक्स 0788 2212207
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 05.11.2016

// प्रेस विज्ञप्ति //

गर्ल्स कॉलेज में

"मतदाता जागरूकता पर विभिन्न आयोजन"

शासकीय डॉ0 वा0वा0 पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में **"स्वीप कार्यक्रम"** के अंतर्गत मतदाता जागरूकता पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

"अधिनायक तंत्र में मीडिया तथा व्यक्ति की स्वतंत्रता शासन की इच्छा पर निर्भर होती है" विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया गया। जिसमें कु0 भावना ने प्रथम स्थान तथा कु0 करिश्मा परवीन ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

निबंध प्रतियोगिता जिसका विषय था – "लोकतंत्र में राजनैतिक समानता का महत्व" में काफी संख्या में छात्राओं ने भाग लिया बी0कॉम0 प्रथम की कु0 मानसी यादव ने प्रथम तथा पायल वर्मा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

"इस सदन की राय में लोकतंत्र को सफल बनाने हेतु जनभागीदारी आवश्यक है" विषय पर हुई वाद–विवाद प्रतियोगिता में पक्ष में कु0 पार्वती साहू प्रथम तथा विपक्ष में कु0 चंचल ताम्रकार प्रथम रही जबकि द्वितीय स्थान पर कु0 करिश्मा तथा नेहा साहू रही।

नारा लेखन प्रतियोगिता भी आयोजित की गई जिसमें प्रतिभा भट्टाचार्य एवं डॉली सोनी ने क्रमशः प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

प्रजातंत्र की सफलता पर "बुलेट पर बैलेट भारी" की सार्थकता को प्रदर्शित नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति छात्राओं ने दी जिसे खूब सराहा गया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी ने छात्राओं को बधाई दी है। कार्यक्रम के संयोजक डॉ0 व्ही0के0 वासनिक ने बताया कि सभी पुरस्कृत छात्राएँ जिला स्तरीय प्रतियोगिता में 11 नवंबर को भाग लेगी। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 यशेश्वरी ध्रुव ने किया।

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patanker
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2212207 फैक्स 0788 2212207
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 05.10.2016

प्रेस विज्ञप्ति

KBC (Kaun Banega Champion)

शासकीय डॉ0 वा0 वा0 पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग के वाणिज्य विभाग की छात्राओं ने स्वरूपानंद सरस्वती महाविद्यालय भिलाई द्वारा आयोजित अन्तर महाविद्यालयीन प्रतियोगिता KBC (Kaun Banega Champion) में हिस्सा लिया एवं प्रथम स्थान प्राप्त किया। चार छात्राओं की इस टीम के प्रतिभागी रही कु0 किरण वर्मा (एम0कॉम0 तृतीय सेमे0) कु0 अनुकृति सिदर (बी0कॉम – प्रथम वर्ष), कु0 ज्योति चौधरी(बी0कॉम – प्रथम वर्ष), कु0 निशा सिंह (बी0कॉम – प्रथम वर्ष)

इनकी इस उपलब्धि के लिए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी ने बधाई देते हुए निरन्तर आगे बढ़ते रहने हेतु प्रोत्साहित किया।

वाणिज्य विभाग के प्राध्यापकों ने एवं महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकों ने विजेता छात्राओं को बधाई दी।

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

52

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2212207 फैक्स 0788 2212207
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 04.10.2016

प्रेस विज्ञप्ति

गर्ल्स कॉलेज में
"देसी डे" पर गरबा की धूम

शासकीय डॉ0 वा0 वा0 पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग में "देसी डे" मनाया गया।

नवरात्रि के अवसर पर 'गरबा' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

छात्रसंघ के तत्वाधान में आयोजित इस प्रतियोगिता में छात्राओं के 06 समूहों ने भाग लिया। छात्रसंघ की अध्यक्ष कु0 रूचि शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि पारंपरिक त्योहारों के लिए छात्राओं की अभिरूचि को प्रोत्साहित करने विभिन्न आयोजन किए जा रहे है। गणेश पर्व पर माटी शिल्प कार्यशाला के बाद नवरात्रि के अवसर पर "गरबा डांडिया" नृत्य की स्पर्धा आयोजित की गई।

छात्राओं ने पारंपरिक गुजराती वेशभूषा में तथा नृत्य शैली में मनभावन नृत्य का प्रदर्शन किया। नृत्य विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ0 ऋचा ठाकुर ने कार्यक्रम का संयोजन किया तथा छात्राओं को नृत्य की बारिकियों को बतलाया।

डॉ0 ठाकुर ने कहा कि छात्राओं का उत्साह इस बात का द्योतक है कि पारंपरिक शैली वाले नृत्यों में गजब का उत्साह है। प्रतियोगिता में शबीना बानो, पूजा सोढ़ा एवं भावना दिवाकर निर्णायक थे।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी ने "देसी डे" के आयोजन की सराहना करते हुए छात्राओं को पुरस्कृत करने घोषणा की तथा इसी तरह के आयोजन जारी रखने को कहा। कार्यक्रम संयोजक ने परिणामों की घोषणा करते हुए बताया सिमरन समूह को प्रथम स्थान, भारती समूह को द्वितीय स्थान, प्रीति समूह को तृतीय स्थान प्राप्त होने की जानकारी दी। छात्रसंघ की अध्यक्ष कु0 रूचि शर्मा, उपाध्यक्ष कु0 नेहा साहू, सचिव कु0 कोमल डडसेना तथा सहसचिव कु0 निकिता पांडे ने सक्रिय भागीदारी दी। इस अवसर पर कु0 नेहा साहू ने मोनो प्ले प्रस्तुत किया जिसमें सामाजिक विकृतियों पर तीखा प्रहार किया। जिसे सभी ने सराहा। देसी डे के समापन पर रूचि शर्मा ने आभार प्रदर्शन किया।

(डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य
शासकीय डॉ0 वा0वा0 पाटणकर कन्या
स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम-शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788-2212207 फैक्स 0788 2212207
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 28.09.2016

// सूचना //

देसी दिवस (Desi Day)

समस्त छात्राओं को सूचित किया जाता है कि महाविद्यालय में दिनांक 04/10/2016 को देसी दिवस (Desi Day) का आयोजन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत गरबा नृत्य स्पर्धा रखी गई है। छात्रायें अधिकतम 10 के समूह में भाग ले सकती है। विजेता समूह को पुरस्कृत भी किया जायेगा।

छात्राओं से निवेदन है कि वे इस दिन जींस–टीशर्ट का त्याग कर भारतीय पहनावे (सलवार–कुर्ती) में आये।

अंत में सामूहिक गरबे का आयोजन भी होगा। इच्छुक छात्रायें डॉ0 ऋचा ठाकुर एवं डॉ0 यशेश्वरी ध्रुव मैडम के पास अपने समूह का नाम दर्ज करवा सकती है। अतिरिक्त जानकारी छात्रसंघ पदाधिकारियों से प्राप्त करें।

N Pandey

सांस्कृतिक समिति एवं छात्रसंघ

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG College, Durg (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2212207 फैक्स 0788 2212207
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 28.09.2016

प्रेस विज्ञप्ति

गर्ल्स कॉलेज में
"युवा नीति पर विचार मंथन"

शासकीय डॉ0 वा0 वा0 पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग में "युवा नीति" पर विचार मंथन करने के लिए सामाजिक कार्यकर्ता सुश्री सरिता मिश्रा ने महाविद्यालयीन छात्राओं के साथ चर्चा की।

शिक्षा, उद्यमिता, रोजगार और कौशल विकास के माध्यम से देश में एक उत्पादक कार्यबल का निर्माण करना, युवाओं को तन्दरूस्ती और स्वास्थ्य जीवन शैली तथा खेलकूद की ओर उन्मुख कर एक सशक्त और स्वस्थ्य नौजवान पीढ़ी का निर्माण करना है सामाजिक मूल्यों तथा सहभागिता के प्रति जागरूकता विकसित कर उन्हें नैतिक और सामाजिक रूप से सजग बनाना तथा राजनीति और प्रशासन में भागीदारी के माध्यम से एक सजग नागरिक बनाना है।

छत्तीसगढ़ प्रदेश में युवा नीति के लिए विद्यार्थियों के सुझावों का संकलन का अभियान जारी है।

इसी के तहत आज महाविद्यालय में सामाजिक कार्यकर्ता सुश्री सरिता मिश्रा, श्रीमती श्वेता बख्शी एवं श्रीमती कविता तांडी ने छात्राओं को संबोधित किया और युवानीति पर सारगर्भित चर्चा की।

सुश्री सरिता मिश्रा ने बताया कि युवा पीढ़ी को एक सक्षम कार्यबल के रूप में विकसित करने हेतु प्राथमिक , माध्यमिक और उच्चतर शिक्षा के व्यापक प्रसार में क्षमता विकास, गुणवत्ता वृद्धि, शैक्षिक सुशासन के लिए शासन द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे है।

उन्होनें कहा कि युवा नीति तैयार करने में युवाओं को समाज, रोजगार, राजनीति एवं आर्थिक विकास में सहभागिता पर विशेष ध्यान दिया जावेगा।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य शासन द्वारा चलाये जा रहे युवा नीति अभियान का मुख्य उद्देश्य अच्छे नागरिक तैयार कर उनमें साम्प्रदायिक सद्भाव पैदा करना है। आज समाज में जागरूक युवा वर्ग की नितांत आवश्यकता है। हम ऐसी युवानीति तैयार करने में समर्थ होंगे जो युवाओं के सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त करेगी।

कार्यक्रम का संचालन हिन्दी की विभागाध्यक्ष डॉ0 यशेश्वरी ध्रुव ने किया। छात्रसंघ अध्यक्ष कु0 रूचि शर्मा ने भी युवा नीति पर अपने विचार रखते हुए रोजगारपरक शिक्षा पर जोर दिया। कु0 हर्षा सहारे, निकिता पांडे, ललिता पांडे, ललिता यादव, सुषमा साहू, खुशबू, सीमा, सुमन तथा भुनेश्वरी ने भी अपने विचार रखे। इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राएँ, शिक्षक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

PAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

(डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य
शासकीय डॉ0 वा0वा0 पाटणकर कन्या
स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2212207 फैक्स 0788 2212207
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 28.09.2016

प्रेस विज्ञप्ति

गर्ल्स कॉलेज के
"रहनुमा कौन" नाटक ने मचायी धूम

शासकीय डॉ0 वा0 वा0 पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग की छात्राओं ने इप्टा नाट्य समूह द्वारा आयोजित अर्न्तमहाविद्यालयीन नाट्य स्पर्धा में गुलाम हैदर मंसूरी द्वारा लिखित नाटक "रहनुमा कौन" का प्रदर्शन किया। जिसे स्पर्धा में तृतीय स्थान मिला।

प्रस्तुत नाटक "रहनुमा कौन" युवाओं पर केन्द्रित था जिसके माध्यम से समाज की विसंगतियों को दिखाया, अपने अभिनय से छात्राओं ने सभी का दिल जीत लिया। नाटक के पात्रों ने सभागार में खूब तालियां बटोरी।

महाविद्यालय की छात्राओं ने इप्टा की इस स्पर्धा में लगातार तीसरी बार अपना स्थान बनाया है। रंगमंच के क्षेत्र में छात्राओं के अभिनय को दर्शकों एवं निर्णायकों ने खूब सराहा है। कु0 करिश्मा परवीन, नेहा साहू, निकहत अंजुम, अंजू, सुनयना सोनी, दामिनी पटेल, धनेश्वरी और मनीषा साहू ने जीवंत अभिनय किया।

महाविद्यालय के नृत्य विभाग द्वारा संवाद संप्रेषण एवं अभिनय कौशल हेतु दस दिवसीय कार्यशाला का आयोजन महाविद्यालय में किया गया था। जिसमें मुठ्ठी थियेटर ग्रुप दुर्ग के संचालक श्री गुलाम हैदर मंसूर ने छात्राओं को अभिनय के विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षण दिया। नृत्य विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ0 ऋचा ठाकुर ने नाटक का कुशल निर्देशन किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी ने छात्राओं को बधाई देते हुए का कि नाट्य के क्षेत्र में छात्राओं की अभिरूचि व अभिनय कौशल को प्रोत्साहित करने इस तरह के आयोजन होते रहना चाहिए। उन्होनें कहा कि भविष्य में इस क्षेत्र में कार्यशालाओं का आयोजन किया जावेगा। छात्रसंघ अध्यक्ष कु0 रूचि शर्मा ने भी छात्राओं की इस उपलब्धि पर बधाई दी है।

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG College, Durg

(डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य
शासकीय डॉ0 वा0वा0 पाटणकर कन्या
स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2212207 फैक्स 0788 2212207
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 17.09.2016

प्रेस–विज्ञप्ति

"कन्या महाविद्यालय में विश्वकर्मा जयन्ती"

शासकीय डॉ0 वा0वा0 पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग की पी0जी0डी0सी0ए0 विभाग द्वारा विश्वकर्मा जयन्ती के उपलक्ष्य में विश्वकर्मा पूजा का कार्यक्रम आयोजित किया गया। "भगवान विश्वकर्मा जी" की पूजा प्राचार्य डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी, प्राध्यापकगण एवं छात्राओं द्वारा की गई। इस अवसर पर प्राचार्य ने विश्वकर्मा जयन्ती के महत्व एवं उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विश्वकर्मा जी श्रम के देवता है। इस दिन श्रमिक अपने औजारों की पूजा करते है। जहाँ मेहनत वहाँ तरक्की होती है। उन्होनें विद्यार्थियों को मेहनत के लिए प्रोत्साहित किया। विभागाध्यक्ष डॉ0 शशि कश्यप ने विद्यार्थियों को भगवान विश्वकर्मा के बताए मार्ग में चलने का आह्वान किया।

इस अवसर पर डॉ0 मीनाक्षी अग्रवाल, डॉ0 बबीता दुबे, डॉ0 व्ही0के0 वासनिक, रूमा बोस हालदर एवं नीकू साहू मौजूद थे।

प्राचार्य

PRINCIPAL
Govt. Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2212207 फैक्स 0788 2212207
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 15.09.2016

HEALTH AWARNESS PROGRAMMES

Govt. Dr. W.W.Patankar Gilrs PG College Durg has conducted a health awarness seminar on 14.09.2016 for all the girls of the college, regarding first Aid and Home nursing, Human Anatomy and Physicology and gynecology. This Seminar was taken by a Senior Staff of Sector-9, BSP Hospital, Mrs. Swarnlata Paul. She took the whole seminar thourgh powerpoint Presentation which was very useful for the girls. She is presently working in Gyncology Department so she highlighted the topic about Gynaec Issues and the first step they can take and also gave knowledge about diet and first stop to be taken in case of Emergency and cleared all the questions and qurries asked by the girls during the time of seminar.

This awarness programme was conducted by Dr. Babita Dubey from Home Science Department and at last our principal Dr. Sushil Chandra Tiwari Motivated all the girls through his encourrging speech.

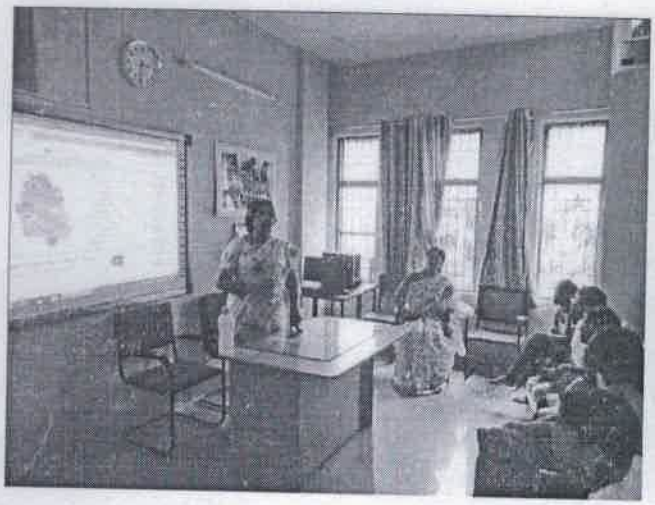

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

शिक्षक दिवस पर स्कूल व कॉलेज

शिक्षा ही जीवन

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वाधान में शिक्षक दिवस पर शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वाणिज्य के वरिष्ठ सेवानिवृत प्राध्यापक डॉ. आरके तिवारी थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने की।

हरिभूमि न्यूज. दुर्ग

सेवानिवृत प्राध्यापक डॉ. आरके तिवारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षा जीवन का मूल आधार है। हमारे जीवन में शिक्षा का बहुत बड़ा महत्व है। ज्ञान की प्राप्ति के विभिन्न साधन उपलब्ध हो गए है लेकिन हमें अपनी इच्छा शक्ति और ज्ञान प्राप्ति के प्रति जागरूकता को बढ़ाना है। गुरू का मार्गदर्शन तभी सार्थक होगा जब हम अपना शत प्रतिशत योगदान दे सकेंगे।

राष्ट्रीय सेवा योजना की नव प्रवेशी छात्राओं का भी स्वागत किया गया। महाविद्यालय के स्नातकोत्तर समाजशास्त्र एवं राजनीति शास्त्र विभाग द्वारा भी शिक्षक दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। महाविद्यालय के नृत्य विभाग की छात्राओं ने भी गुरूपूजन के साथ ही नृत्य के माध्यम से गुरूवंदना की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सोमा अग्रवाल ने तथा आभार प्रदर्शन डॉ. ध्रुव ने किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापकों के साथ ही छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

बच्चों ने दी प्रस्तुति

दीप पूजा चिल्ड्रेन्स स्कूल हनुमान नगर में हर्षोल्लास के साथ शिक्षक दिवस मनाया गया। विद्यार्थियों द्वारा कविता, भाषण, एकांकी प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम के अंत में बच्चों को फल तथा बिस्किट वितरित की गई। इस दौरान पूर्व अध्यक्ष जवाहर गुप्ता, अनिल डागा, समिति सदस्य गोयल, मूलचंद कांकरिया, श्रीमती आशा राय आदि उपस्थित थे।

जीवन में प्रकाश फैलाता है शिक्षकों का ज्ञान

खास बातें

- गुरु ज्ञान के सहारे मिलती है सफलता
- गुरु शिष्य परंपरा का सम्मान के साथ निर्वहन

बेटियों का बताया महत्व

प्राध्यापक डॉ. आरके तिवारी ने अपने उद्बोधन में बेटियों का महत्व बताया। उन्होंने छात्राओं से इन महत्वपूर्ण 3 वर्षों का सदुपयोग करने एवं कैरियर के प्रति गंभीर रहने की बात कही। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. यशेश्वरी ध्रुव ने कहा कि शिक्षक ज्ञान का प्रकाश फैलाता है। हम सभी जीवन के हर क्षणों मे अपने गुरु के बताए ज्ञान के सहारे ही सफलता प्राप्त करते है और कठिनाइयों का मुकाबला करते है। छात्रसंघ अध्यक्ष रूचि शर्मा ने सभी शिक्षकों का तिलक लगाकर अभिनंदन किया। इस अवसर पर डॉ. आरके तिवारी का शॉल एवं श्रीफल से सम्मान किया गया। महाविद्यालय के संगीत विभाग की छात्राओं ने गुरुवंदना प्रस्तुत की।

खालसा स्कूल में शिक्षक दिवस समारोह

दुर्ग। खालसा पब्लिक हायर सेकेण्ड्री स्कूल दुर्ग में 5 सितबर को शिक्षक दिवस समारोह उत्साह पूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम में उपस्थित समिति के पदाधिकारियों द्वारा डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन से संबंधित शिक्षा के प्रति योगदान के बारे मे संक्षिप्त व्याख्यान दिया गया। कार्यक्रम में खालसा शिक्षण समिति के सचिव हरभजन सिंह लाल, कोषाध्यक्ष गुरूचरण सिंह कबरवाल, खालसा स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र पाल सिंह भटिया, उपाध्यक्ष बलबीर सिंह अरोरा, सचिव सम्पूरण सिंह सैनी, कोषाध्यक्ष इन्द्रजीत सिंह भटिया, खालसा स्कूल प्रबंधक समिति के सदस्य एवं खालसा स्कूल के समस्त शिक्षक एवं शिक्षिकाएं तथा स्टॉफ उपस्थित थे। खालसा पब्लिक स्कूल की प्राचार्या रेखा तिवारी, उप प्राचार्या किरण ढांढ एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं का सम्मान किया गया। प्राचार्या रेखा तिवारी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया ।

खबर संक्षेप

एबीवीपी की जीत से हर्ष

भिलाई। प्रदेश के विश्वविद्यालयों में हुए छात्रसंघ चुना में एबीवीपी की ऐतिहासिक सफलता पर भाजयुमो ने खु जताई है। भाजयुमो के पूर्व प्रदेश समन्वयक अमित मिश्र कहा कि यह हमारे लिए उत्साह की बात है कि युवा छात्र ने विश्वविद्यालयों चुनाव में हमारे छात्र संगठन आशातीत सफलता मिली है। उन्होंने उम्मीद जताई कि विजयी

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2212207 फैक्स 0788 2212207
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 06.09.2016

प्रेस–विज्ञप्ति

शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित

शासकीय डॉ0 वा0वा0 पाटणकर स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वाधान में 'शिक्षक दिवस' पर शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वाणिज्य के वरिष्ठ सेवानिवृत प्राध्यापक डॉ0 आर0 के0 तिवारी थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी ने की। अपने उद्बोधन में उन्होने कहा कि शिक्षा जीवन का मूल आधार है। हमारे जीवन में शिक्षा का बहुत बड़ा महत्व है। ज्ञान की प्राप्ति के विभिन्न साधन उपलब्ध हो गये है लेकिन हमें अपनी इच्छा शक्ति और ज्ञान प्राप्ति के प्रति जागरूकता को बढ़ाना है । गुरू का मार्गदर्शन तभी सार्थक होगा जब हम अपना शत् प्रतिशत योगदान दे सकेंगे।

प्राध्यापक डॉ0 आर0 के0 तिवारी ने अपने उद्बोधन में बेटियों का महत्व बतलाया, उन्होने छात्राओं से इन महत्वपूर्ण 3 वर्षो का सदुपयोग करने एवं कैरियर के प्रति गंभीर रहने को कहा। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 यशेश्वरी ध्रुव ने कहा कि शिक्षक ज्ञान का प्रकाश फैलाता है। हम सभी जीवन के हर क्षणो मे अपने गुरू के बताये ज्ञान के सहारे ही सफलता प्राप्त करते है और कठिनाइयों का मुकाबला करते है। छात्रसंघ अध्यक्ष कु0 रूचि शर्मा ने सभी शिक्षकों का तिलक लगाकर अभिनंदन किया। इस अवसर पर डॉ0 आर0 के0 तिवारी का शॉल एवं श्रीफल से सम्मान किया गया।

महाविद्यालय के संगीत विभाग की छात्राओं ने गुरूवंदना का प्रस्तुतिकरण दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 सीमा अग्रवाल ने किया तथा आभार प्रदर्शन डॉ0 ध्रुव ने किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना की नव प्रवेशी छात्राओं का भी स्वागत किया गया। महाविद्यालय के स्नातकोत्तर समाजशास्त्र एवं राजनीति शास्त्र विभाग द्वारा भी शिक्षक दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।

महाविद्यालय के नृत्य विभाग की छात्राओं ने भी गुरूपूजन के साथ ही नृत्य के माध्यम से गुरूवंदना की प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापको के साथ ही छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

प्राचार्य
PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

व्याख्यान माला

Real Life Learning. Real World Application "

शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या महाविद्यालय दुर्ग के वाणिज्य विभाग द्वारा दिनांक 27.10.2015 को "Real Life Learning, Real World Application " पर एक व्याख्यान आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता संजय आष्टीकर से छात्राओं को शिक्षा की व्यावहारिक करने के गुर सिखाए।

IBS (Indian Business School) द्वारा आयोजित व्याख्यान में छात्राओं को एम.बी.ए. की विशेषता बताई गई की कैसे वे अच्छे एम. बी.ए.कालेज का चयन करें और अपना भविष्य को निखारे।

अतिथि ने छात्राओं को समूह चर्चा (Group Discussion) और साक्षात्कार (Personal Interview) के गुर सिखाये एवं बताए कि छात्र किस प्रकार प्रतियोगी परीक्षा के मुख्य अंग साक्षात्कार के लिए अपने आप को तैयार कर जीत का परचम लहरा सकते है।

छात्राओं को व्याख्यान बहुत प्रभावी लगा उन्होने अतिथि से प्रश्न किए और अपने शंकाओं (Doubts) का समाधान किया।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ.के.एल.राठी ने की एवं सहायक प्राध्यापक पूजा सोढ़ा और हिना गोदवानी भी उपस्थित थे। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ दीपक कारकून ने विभाग के प्रयासो की सरहाना की।

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG College

वार्षिकोत्सव में प्रतिभावान छात्राएं सम्मानित

नईदुनिया - 11/01/15

दुर्ग (नईदुनिया)। [illegible] वार्षिकोत्सव [illegible] का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्राओं ने फिल्मी, छत्तीसगढ़ी पारंपरिक लोक नृत्य की रंगारंग प्रस्तुति दी।

सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत ...ये जो देश है कि भारत है। इसके बाद छात्राओं द्वारा एक से बढ़कर एक गीत संगीत व नृत्य की प्रस्तुति दी गई। सांस्कृतिक कार्यक्रम का छात्राओं ने खूब लुत्फ उठाया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रेमप्रकाश पाण्डेय उच्च शिक्षा ने कहा कि ग्रामीण अंचल की छात्राओं को शहर में शिक्षित करने के लिए दुर्ग सहित प्रमुख पांच शहरों में आवासीय महाविद्यालय प्रारंभ किया जाएगा। उन्होंने कहा कि छात्रावास को प्राथमिकता देकर निर्माण करवाया जाएगा। नवनिर्मित छात्रावास में शीघ्र ही रिक्त पदों को भरा जाएगा। उन्होंने महाविद्यालय की छात्राओं की मांग पर दो अलग भवनों को एक स्थान पर स्थापित करने के लिए नये परिसर में विज्ञान भवन के नाम पर एक नए भवन की सौगात दी।

शनिवार को गर्ल्स कॉलेज दुर्ग में आयोजित वार्षिकोत्सव में नृत्य की प्रस्तुति देती युवतियां। फोटो : नईदुनिया

इसके अतिरिक्त प्राचार्य द्वारा प्राध्यापकों की कमी एवं छात्रावास स्टाफ की बताई गई कमी को शीघ्र दूर करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर महाविद्यालय में संचालित चार संकायों के स्नातक एवं स्नातकोत्तर में सर्वोच्च अंक प्राप्त छात्राओं को जनभागीदारी समिति द्वारा प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। क्रीड़ा के क्षेत्र में रेणु कुमारी एवं [illegible] दिल्ली के लिए चयनित छात्रा कृष्णावती जायसवाल को भी प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई।

स्टैण्ड के लिए दस लाख देने का आश्वासन

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विधायक अरुण वोरा ने कहा कि यह महाविद्यालय दुर्ग जिले का गौरव है। कॉलेज के हर संभव मदद किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कॉलेज में साइकिल रखने के लिए स्टैण्ड का अभाव है। इसके लिए सांसद निधि से साइकिल स्टैंड एवं खेल मैदान के लिए दस लाख दिलाने का आश्वासन दिया।

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

आने वाले वर्षों में सभी कॉलेज में लागू होगा ग्रेडिंग सिस्टम : पांडेय

कार्यक्रम में मौजूद प्राध्यापक व छात्राएं।

दुर्ग

durg@patrika.com

पं रविशंकर विश्वविद्यालय में आगामी वर्षों में ग्रेडिंग सिस्टम लागू किया जाएगा। छात्रों के लिए च्वाइस बेस्ड एजुकेशन शुरू किया जाएगा साथ ही ग्रामीण अंचल के छात्रों को शहरी अंचल में शिक्षित करने के लिए दुर्ग सहित प्रदेश के पांच शहरों में आवासीय महाविद्यालय प्रारंभ किए जाएंगे। यह जानकारी दुर्ग गर्ल्स कॉलेज में आयोजित वार्षिक स्नेह सम्मेलन में मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा मंत्री प्रेम प्रकाश पांडेय ने दी।

उच्च शिक्षा मंत्री ने कॉलेज की छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमें फर्स्ट आना है, लेकिन फस्ट्रेट नहीं होना है। क्योंकि फर्स्ट का अगला पड़ाव फस्ट्रेशन होता है। परीक्षा परिणाम खराब आने के बाद छात्राएं जो कदम उठा लेती हैं, उससे बचना चाहिए। अपने उद्बोधन के दौरान उन्होंने छात्राओं की मांग पर दो अलग-अलग भवनों में संचालित हो रहे कॉलेज को एक साथ पर करने के लिए नए परिसर में विज्ञान भवन के नाम से नए भवन की सौगात दी। प्राचार्य डॉ दीपक कासकुल की मांग पर उन्होंने प्राध्यापकों और छात्रावास स्टाफ की कमी को जल्द दूर करने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि विधायक अरुण वोरा ने सांसद मोतीलाल वोरा की सांसद निधि से कॉलेज में साइकिल स्टैंड और खेल मैदान के लिए दस लाख रुपए देने का आश्वासन दिया। इसके पहले प्राचार्य डॉ. दीपक कासकुल ने गत वर्ष की संपूर्ण गतिविधियों को प्रतिवेदन के रूप में प्रस्तुत किया। कॉलेज छात्रसंघ अध्यक्ष अनामिका शर्मा ने छात्रों की ओर से नए भवन का मांग पत्र प्रस्तुत किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में बिखरे रंग

अतिथियों के उद्बोधन के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत सोनाली रामटेके, परिधि मनहर, डीवी प्रसन्ना, वैशाली व अन्य के समूह गान से हुई। सखी सरकार, चित्रिका मानिकपुरी व श्रुति पांडेय ने एकल नृत्य प्रस्तुत किया। सुरभि भंडारी व सुरभि सिरसारे ने एकल गायन प्रस्तुत किया। परिधि, प्रसन्ना वैशाली ने युगल गायन व सजना यादव व योगिता यादव ने युगल नृत्य प्रस्तुत किया। त्रिशिता पांडेय, योगिता यादव की टीम ने छत्तीसगढ़ी समूह नृत्य और नेहा साहू, त्रिशिता पांडेय की टीम ने पंजाबी समूह नृत्य प्रस्तुत किया।

पत्रिका - 11/01/15

S.V

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG College, Durg (C.G.)